www.raceias.com

RACE IAS

करेंट अफेयर्स

अक्टूबर, 2022

संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग तथा अन्य विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी

- ई–फास्ट– भारत का पहला राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक फ्रेट प्लेटफॉर्म नीति आयोग द्वारा लॉन्च किया गया, Wri
- भारत 70 साल बाद चीतों का घर बनेगा
- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जैव विविधता संरक्षण पर नेपाल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर को मंजूरी दी
- प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) की दूसरी वर्षगांठ मनाई गई
- उत्तर प्रदेश सरकार किसानों को आधार संख्या के समान एक अद्वितीय फार्म आईडी प्रदान करेगी
- भारत 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है
- भारत–बांग्लादेश संबंध, द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक मॉडल
- मोबाइल बैंकिंग को साइबर खतरा

Raghav Publication House

INDEX

सामान्य अध्ययन पेपर-I

- ला निना की शर्तें 1950 से तीसरे वर्ष और छठी बार दर्ज की गईं 1
- लाल सागर 1
- जलवायु परिवर्तन भारतीय मानसून को कैसे बदल रहा है 2

सामान्य अध्ययन पेपर-II

- प्रधानमंत्री ने पूर्व सोवियत राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव के निधन पर शोक व्यक्त किया 2
- सुप्रीम कोर्ट (एससी) ने धार्मिक, धर्मार्थ दान के लिए समान संहिता के लिए जनहित याचिका के समर्थन में सामग्री मांगी 3
- श्रीलंका ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 2.9 अरब डॉलर का प्रारंभिक ऋण हासिल किया 3
- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने विश्व सामाजिक सुरक्षा रिपोर्ट 2020-22 जारी की: एशिया और प्रशांत के लिए क्षेत्रीय सहयोगी रिपोर्ट 4
- सुप्रीम कोर्ट (एससी) ने संसद और राज्य विधानसभाओं में 33% महिला आरक्षण को लागू करने की याचिका पर केंद्र की प्रतिक्रिया मांगी 5
- निवारक निरोध (पीडी) में पिछले साल की तुलना में असम में राजद्रोह के मामलों की संख्या 23.7% की वृद्धि 6
- यूएस इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (USISPF) 7
- सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धारा 66 ए 7
- भारत और यूके ने 26 देशों के लिए काउंटर रैनसमवेयर अभ्यास आयोजित किया 7
- 103वां संविधान संशोधन अधिनियम 8
- भारत-बांग्लादेश संबंध, द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक मॉडल 8
- दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिए संयुक्त राष्ट्र दिवस: 12 सितंबर 10
- एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) के बारे में 10
- हर दिन न्यायिक हिरासत में 5 लोगों की मौत, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के आंकड़े 11
- वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी होंगे भारत के अगले अटॉर्नी जनरल 12
- भारत का महान्यायवादी कौन है? 12
- आर्मेनिया-अजरबैजान सीमा पर फिर से संघर्ष 13
- लाचिन कॉरिडोर में आर्मीनिया और अजरबैजान आमने - सामने
- भारत निर्वाचन आयोग ने बीएलओ ई-पत्रिका का शुभारंभ किया 14
- भारत-रूस संबंध :इतिहास से समकालीन समय तक 15
- न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु 16

सामान्य अध्ययन पेपर-III

- राष्ट्रीय पोषण सप्ताह सितंबर 1 से 7 :2022 18
- मोबाइल बैंकिंग के लिए साइबर खतरा 18
- 5वां राष्ट्रीय पोषण माह 2022 1 सितंबर से 30 सितंबर तक मनाया जा रहा है 20
- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने डिजिटल ऋण के लिए दिशानिर्देश जारी किए 21
- सागरमाला परियोजना 22
- भारत 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है 23
- वेंचराइज: कर्नाटक स्टार्टअप चैलेंज 23
- भारत बना दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था 23
- कैबिनेट ने प्रधानमंत्री श्री योजना को मंजूरी दी 24
- नीति आयोग ने पोषण पर चौथी प्रगति रिपोर्ट जारी की (प्रधानमंत्री की समग्र पोषण के लिए व्यापक योजना) अभियान 25
- मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) के कार्यालय द्वारा शुरू की गई इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी (पश्चिम) में महिलाएं 27
- राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) 27

RACE IAS

- सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर प्रगति: जेंडर स्नैपशॉट 2022 रिपोर्ट 28
- राजस्थान शहरी रोजगार गारंटी (यूईजी) योजना शुरू करेगा 28
- प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) की दूसरी वर्षगांठ मनाई गई 28
- चिमेरिक एंटीजन रिसेप्टर (सीएआर) टी-सेल थेरेपी 29
- Qimingxing-50: चीन का पहला पूर्ण सौर-संचालित मानव रहित हवाई वाहन (UAV) 31
- अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (IFSCA) क्या है? 31
- कोरिया का फ्यूजन रिएक्टर 30 सेकंड के लिए सूर्य से 7 गुना अधिक गर्म तापमान बनाए रखता है 33
- रुपये को 80 . पर रखने के लिए आरबीआई ने अगस्त में 13 अरब डॉलर की बिक्री की 35
- भारत 70 साल बाद चीतों का घर बनेगा 36
- झारखंड खाद्य सुरक्षा एटलस वाला तीसरा राज्य बना 37
- भारत का पहला वन विश्वविद्यालय तेलंगाना में स्थापित किया जाएगा 37
- ओजोन परत के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस 16 :2022 सितंबर 38
- प्रतिष्ठित एआईबीडी की भारत की अध्यक्षता एक और वर्ष के लिए बढ़ाई गई 39
- खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों की सहायता के लिए एमओएफपीआई ने अभिसरण पोर्टल लॉन्च किया 39
- एमओएफपीआई ने संयुक्त रूप से एआईएफ, पीएमएफएमई योजना और पीएमकेएसवाई के बीच अभिसरण पोर्टल का शुभारंभ किया 39
- भारतीय दूरसंचार विधेयक 2022 का मसौदा 40
- मिशन सेफगार्डिंग 'ने CIAL को वैश्विक पहचान दिलाई 40
- सभी बैंकिंग ,एसएससी ,बीमा और अन्य परीक्षाओं के लिए प्राइम टेस्ट सीरीज खरीदें 40
- जैसा कि भारत ने बचपन के टीकाकरण के साथ उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है और कोविड -19 टीकाकरण के साथ ऐसा करना जारी रखता है। 42
- 2021 में भारत में यातायात दुर्घटनाओं में 3 लाख लोग मारे गए, 2020 से यूपी 44

प्रारंभिक परीक्षा मुख्य तथ्य

- **64**वें रेमन मैग्सेसे पुरस्कार **2022** की घोषणा **45**
- बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने **2022** गोल कीपर्स ग्लोबल गोल्स अवार्ड्स के साथ चार नेताओं को सम्मानित किया **45**
- यूनेस्को ने भारत **2022** के लिए शिक्षा रिपोर्ट का शुभारंभ किया (एआई) शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता : 47
- जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप)**JWST** या वेब 47
- भारतीय नौसेना ने **32** साल की सेवा के बाद आईएनएस अजय को सेवामुक्त किया **48**

विविध

- सूबेदार मेजर यादव द्वारा लिखित आत्मकथा "द हीरो ऑफ टाइगर हिल" 48
- राष्ट्रीय शिक्षक दिवस 2022: उत्सव, थीम, महत्व और इतिहास 49
- भारत सरकार ने राजपथ का नाम बदलकर कार्तव्य पथ रखने की घोषणा की 50
- नीले आसमान के लिए स्वच्छ हवा का अंतर्राष्ट्रीय दिवस: 7 सितंबर 50
- उत्तराखंड सरकार ने 'समर्थ' ई-गवर्नेंस पोर्टल लॉन्च किया 51
- अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 2022, 08 सितंबर को मनाया जाता है 51
- यूएनडीपी का मानव विकास सूचकांक: भारत 191 देशों में 132वें स्थान पर है 51
- शिक्षा को हमले से बचाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस: 09 सितंबर 52
- हुकबलाहप विद्रोह 52
- E-FAST- नीति आयोग, WRI द्वारा लॉन्च किया गया भारत का पहला राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक फ्रेट प्लेटफॉर्म 52
- नीरज चोपड़ा 2022 ज्यूरिख डायमंड लीग जीतने वाले पहले भारतीय बने 52
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान की शुरुआत 53

- राष्ट्रीय अभियंता दिवस :15 सितंबर 53
- भारत भेदभाव रिपोर्ट :2022ऑक्सफैम इंडिया 54
- स्वास्थ्य मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया रक्तदान अमृत महोत्सव का शुभारंभ करेंगे . 54
- बधिर लोगों का अंतर्राष्ट्रीय सप्ताह 2022 सितंबर 19 से 25 :2022 54
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह भारत का पहला स्वच्छ सुजल प्रदेश बना 55
- वाराणसी को 2022-2023 के लिए पहली बार एससीओ पर्यटन और सांस्कृतिक राजधानी के रूप में नामित किया गया 56
- विश्व अल्जाइमर दिवस 2022 56
- विश्व पर्यटन दिवस 27 सितंबर 2022को मनाया जाता है 57

RACE IAS

करेंट अफेयर्स

सामान्य अध्ययन पेपर-I

ला निना की शर्तें 1950 से तीसरे वर्ष और छठी बार दर्ज की गईं

जिसे एक असामान्य घटना कहा जा सकता है, सितंबर से भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर पर प्रचलित 2020**ला निना स्थितियां** तीसरे वर्ष में प्रवेश कर गई हैं। **भारत मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों से पता चलता (आईएमडी)** है कि ना के के दशक के बाद से ला नि 1950 .दो साल से अधिक समय तक चलने के केवल छह उदाहरण हैं

ला निना तब होता है जब मध्य और भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के साथ समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से (एसएसटी) अधिक ठंडा होता है, जो विशेषज्ञों का कहना है, भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून के पक्ष में है। हालांकि, ला नीना वर्ष अटलांटिक महासागर और बंगाल की खाड़ी में लगातार और तीव्र तूफान और चक्रवातों के लिए भी कुख्यात हैं।

ला नीना के बारे में

ला नीना एक मौसम पैटर्न है जो प्रशांत (छोटी लड़की के रूप में जाना जाता है) में (ईईपी) वीं भूमध्यरेखीय प्रशांतमहासागर में होता है। यह तब देखा जाता है जब पू सामान्य से तुलनात्मक रूप से ठंडा हो जाता (एसएसटी) समुद्र की सतह का तापमान या) है। इसके परिणामस्वरूप ईईपीनी दक्षिण अमेरिका के उष्णकटिबंधीय पश्चिमी तटछोटे लड़के या क्राइस्ट) पर एक मजबूत उच्च दबाव होता है। यह एल नीनो (के समकक्ष है (के रूप में जाना जाता हैचाइल्ड, जो ईईपी में असामान्य रूप से गर्म एसएसटी की विशेषता है और दबे हुए मानसून का कारण बनता है। साथ में, ला नीना और अल नीनो अल नीनोचरण हैं "गर्म" और "ठंडे" के (ईएनएसओ) दक्षिणी दोलन-, जिसमें पूर्वी और मध्य प्रशांत महासागर के पानी में तापमान परिवर्तन शामिल है। आमतौर पर, अल नीनो और ला नीना हर साल में होते हैं। अल नीनो ला नीना 5- 4 की तुलना में अधिक बार होता है।

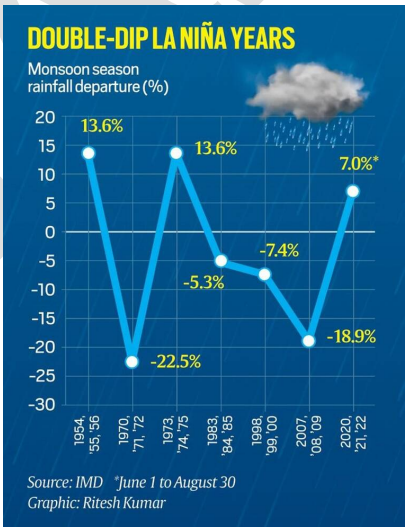

ला नीना का प्रभाव

भारत में मानसून की बेहतर बारिश। अटलांटिक महासागर और बंगाल की खाड़ी में लगातार और तीव्र तूफान और चक्रवात। पेरू और इक्वाडोर में सूखा, ऑस्ट्रेलिया में भारी बाढ़, पश्चिमी प्रशांत, हिंद महासागर, सोमालियाई तट पर उच्च तापमान का कारण बनता है।

लाल सागर

- हाल ही में ईरान की नौसेना ने लाल सागर में अमेरिकी नौसेना के दो समुद्री ड्रोन जब्त किए थे।
- लाल सागर एशिया और अफ्रीका के महाद्वीपों के बीच पानी की एक संकरी पट्टी है जो स्वेज की खाड़ी और अकाबा की खाड़ी से बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य तक फैली हुई है।
- बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य, लाल सागर को अदन की खाड़ी से और फिर अरब सागर से जोड़ता है।
- लाल सागर दुनिया का सबसे उत्तरी उष्णकटिबंधीय समुद्र भी है और इसके नीचे लाल सागर रिफ्ट (ग्रेट रिफ्ट वैली का हिस्सा) के साथ ग्लोबल 200 इकोरियोजन का हिस्सा है।
- बोम जीसस का स्टैंडअलोन (एसए) 5जी शुमंग लीला बेसिलिका समाचार में स्थान इन्फ्लेटेबल एरोडायनामिक डिसेलेरेटर (आईएडी) पाकिस्तान में रेड सी लेक मंचर अभूतपूर्व मानसून बारिश के कारण खतरनाक स्तर तक बढ़ गया।

- मंचर झील पाकिस्तान की सबसे बड़ी ताजे पानी की झील है जो सिंध प्रांत में सिंधु नदी के पश्चिम में स्थित है। यह एक उथली झील है, जिसे 1930 में सिंधु नदी पर सुक्कुर बैराज के माध्यम से कृत्रिम रूप से बनाया गया था। मोहना जनजाति, जिन्हें नाव वाले के रूप में भी जाना जाता है, मुख्य रूप से आजीविका के लिए झील पर निर्भर हैं।

खिमलोगा दर्रा

यह धौलाधार पर्वत श्रृंखला में 5,712 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। इसे भारत में सबसे कठिन उच्च ऊंचाई वाले ट्रेक में से एक माना जाता है। यह उत्तराखंड के लिवाडी गांव से शुरू होकर घने जंगलों और हिमनदों के खेतों से गुजरते हुए हिमाचल के चितकुल तक जाता है।

जलवायु परिवर्तन भारतीय मानसून को कैसे बदल रहा है

- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार (आईएमडी), चरम घटनाओं ने दृढ़ता से दर्शाया है कि में बाढ़ और सूखे की 2022 ग्लोबल वार्मिंग भारतीय मानसून को कैसे प्रभावित कर रही है।

मॉनसून के रुझान में अहम बदलाव

- मानसून में उतारचढ़ाव में वृद्धि-, जिसके परिणामस्वरूप लंबी शुष्क अवधि और भारी बारिश के छोटे दौर दोनों होते हैं।
- मानसून प्रणालियों के ट्रैक में बदलाव, जैसे कम दबाव और अवसाद अपनी स्थिति के दक्षिण में यात्रा करते हैं। इस बदलाव के परिणामस्वरूप, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में इस मौसम में अधिक वर्षा दर्ज की जा रही है।
- पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार में सामान्य बारिश नहीं हुई।
- वीं शताब्दी के उत्तरार्ध के दौरान भारत में मानसून की वर्षा कम बार लेकिन अधिक तीव्र हो गई। 20

मानसून में बदलाव के परिणाम

- बढ़ते तापमान और आर्द्रता के साथ बारिश का असमान वितरण कीटों के हमलों और बीमारियों को जन्म देता है। मानसून प्रणालियों के ट्रैक में परिवर्तन खरीफ फसलों, विशेष रूप से चावल की मात्रा के साथसाथ गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है। - हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियरों का पिघलना। पूरे दक्षिण एशिया में चरम मौसम की घटनाओं में वृद्धि रतभा), बांग्लादेश, पाकिस्तान में हाल ही में अचानक बाढ़।

सामान्य अध्ययन पेपर-II

प्रधानमंत्री ने पूर्व सोवियत राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव के निधन पर शोक व्यक्त किया

- मिखाइल गोर्बाचेव 1985 से 1991 में सोवियत संघ के पतन तक के नेता थे।
- वह एक युवा और गतिशील सोवियत नेता थे जो नागरिकों को स्वतंत्रता देकर लोकतांत्रिक सिद्धांतों की तर्ज पर कम्युनिस्ट शासन में सुधार करना चाहते थे।

उनकी उपलब्धियों में शामिल हैं

- ग्लासनोस्ट की नीति, या खुलेपन या बोलने की स्वतंत्रता, लोगों को सरकार की आलोचना करने की अनुमति देना, जिसे पहले कम कर दिया गया था।
- पेरेस्त्रोइका या पुनर्गठन नामक आर्थिक सुधार का कार्यक्रम जो आवश्यक था क्योंकि सोवियत अर्थव्यवस्था छिपी हुई मुद्रास्फीति और आपूर्ति की कमी दोनों से पीड़ित थी।
- 1991 में शीत युद्ध की समाप्ति के लिए परिस्थितियों का निर्माण करने वाले सुधार के वास्तुकार के रूप में देखा गया - सोवियत संघ और पश्चिमी देशों के बीच गहरे तनाव का समय।
- उनके समय में प्रेस और कलात्मक समुदाय को सांस्कृतिक स्वतंत्रता दी गई थी।
- परमाणु निरस्त्रीकरण समझौता

सुप्रीम कोर्ट (एससी) ने धार्मिक, धर्मार्थ दान के लिए समान संहिता के लिए जनहित याचिका के समर्थन में सामग्री मांगी

- एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान यह घोषणा की गई कि हिंदुओं, बौद्धों, जैनों और सिखों के समान अधिकार हैं
- मुसलमानों, पारसियों और ईसाइयों जैसे राज्य के हस्तक्षेप के बिना उनके धार्मिक स्थानों का प्रशासन करें।
- ब्रिटिश शासन के दौरान तमिलनाडु (तत्कालीन मद्रास) में शुरू हुआ, कुछ मंदिरों पर राज्य का नियंत्रण विभिन्न के तहत जारी है
- कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और पुडुचेरी में बंदोबस्ती कानून।
- उदा. तमिलनाडु में हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती (HRCE) अधिनियम, 1951।
- यह केवल हिंदुओं और कुछ अन्य धर्मों के धार्मिक संस्थानों को विनियमित करने के लिए एक कानूनी ढांचा प्रदान करता है

श्रीलंका ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 2.9 अरब डॉलर का प्रारंभिक ऋण हासिल किया

- प्रारंभिक स्तर की व्यवस्था का उद्देश्य व्यापक आर्थिक स्थिरता और ऋण स्थिरता को बहाल करना है श्रीलंका में।
- -IMF की विस्तारित फंड सुविधा (EFF) के तहत ऋण दिया जाएगा, जिसे किसी देश द्वारा विस्तारित किया जाता है
- संरचनात्मक कमजोरियों के कारण गंभीर मध्यम अवधि के भुगतान संतुलन (बीओपी) की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है जिसके लिए समय चाहिए।
- EFF समर्थन कई शर्तों के साथ आता है जो संरचनात्मक से दूर करने के लिए हैं अर्थव्यवस्था में कमजोरियां जो BoP संकट का कारण बनी हैं।
- उदाहरण के लिए: श्रीलंका को ईंधन की लागत-वसूली आधारित मूल्य निर्धारण, बाजार-आधारित विदेशी विनिमय दर को बहाल करने आदि जैसे सुधारों को लागू करने के लिए कहा जाता है।

आईएमएफ की कुछ महत्वपूर्ण उधार सुविधाएं

स्टैंड-बाय व्यवस्था: देशों की बाहरी वित्तपोषण आवश्यकताओं के लिए-और अल्पकालिक वित्तपोषण के साथ उनकी समायोजन नीतियों का समर्थन करने के लिए।

फ्लेक्सिबल क्रेडिट लाइन (एफसीएल): बहुत मजबूत नीतिगत ढांचे वाले देशों के लिए संकट-निवारण और संकट-शमन ऋण देने के लिए।

स्टैंडबाय क्रेडिट सुविधा: अल्पकालिक बीओपी जरूरतों वाले कम आय वाले देशों (एलआईसी) को वित्तीय सहायता प्रदान करना। लंबी बीओपी समस्याओं वाले देशों के लिए विस्तारित ऋण सुविधा।

एहतियाती और चलनिधि रेखा: उन देशों के लिए जिनके आर्थिक बुनियादी सिद्धांत मजबूत हैं, लेकिन कुछ शेष कमजोरियां हैं जो उन्हें FCL का उपयोग करने से रोकती हैं।

आईएमएफ के बारे में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

आईएमएफ -मुख्यालय (वाशिंगटन, डी.सी., यूएस .)

संक्षिप्त नाम- आईएमएफ

गठन- 27 दिसंबर 1945; 76 साल पहले

उद्देश्य - अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग को बढ़ावा देना, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाना, सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, भुगतान संतुलन की कठिनाइयों का सामना करने वाले सदस्यों को संसाधन उपलब्ध कराना, अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संकटों से उबरने से रोकना और सहायता करना

मुख्यालय – वाशिंगटन, डी.सी., यू.एस

निर्देशांक 38°53′56″N 77°2′39″Wनिर्देशांक: 38°53′56″N 77°2′39″W

सदस्यता- 190 देश (189 संयुक्त राष्ट्र के देश और कोसोवो)

आधिकारिक भाषा - अंग्रेजी

प्रबंध निदेशक - क्रिस्टालिना जॉर्जीवा

प्रथम उप प्रबंध निदेशक - गीता गोपीनाथ

मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गौरींचस

मुख्य अंग- बोर्ड ऑफ गवर्नर्स

मूल संगठन - संयुक्त राष्ट्र

बजट (2022)- $1.2 बिलियन अमरीकी डालर

कर्मचारी - 2,400

वेबसाइट -IMF.org

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने विश्व सामाजिक सुरक्षा रिपोर्ट 2020-22 जारी की: एशिया और प्रशांत के लिए क्षेत्रीय सहयोगी रिपोर्ट

इस क्षेत्रीय सहयोगी रिपोर्ट का उद्देश्य ILO की विश्व सामाजिक सुरक्षा रिपोर्ट 2020–22 को पूरक बनाना है। इसमें दुनिया भर में सामाजिक सुरक्षा की स्थिति को सारांशित करने वाला एक खंड शामिल है, जिसके बाद एक जीवन-चक्र के दृष्टिकोण से इस क्षेत्र के लिए प्रमुख सामाजिक सुरक्षा विकास, चुनौतियों और प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला गया है।

रिपोर्ट का मुख्य आकर्षण

- एशिया-प्रशांत क्षेत्र में, 55.9% आबादी के पास अभी भी सामाजिक सुरक्षा के रूपों तक पहुंच नहीं है।

- पिछले दो वर्षों में इस क्षेत्र में सामाजिक सुरक्षा पर खर्च जीडीपी का औसतन 7.5% रहा है, जिसमें आधे देश 2.6% या उससे कम खर्च कर रहे हैं।
- यह वैश्विक औसत 12.9% से काफी नीचे है।
- केवल 24.4% भारतीय, बांग्लादेश से कम (28.4%), किसी भी तरह के सामाजिक दायरे में हैं संरक्षण लाभ।
- भारत के सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रति व्यक्ति जीडीपी के पांच प्रतिशत से भी कम हैं।
- एशिया प्रशांत क्षेत्र में चार में से तीन कर्मचारी बीमारी या काम में चोट लगने के दौरान सुरक्षित नहीं हैं।
- रिपोर्ट इस क्षेत्र के देशों से 'हाई-रोड' विकास पथ पर चलने का आग्रह करती है, जिसमें सामाजिक सुरक्षा प्राथमिक भूमिका निभाती है।

ILO के बारे में

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) एक संयुक्त राष्ट्र एजेंसी है जिसका जनादेश अंतर्राष्ट्रीय श्रम मानकों को स्थापित करके सामाजिक और आर्थिक न्याय को आगे बढ़ाना है। राष्ट्र संघ के तहत अक्टूबर 1919 में स्थापित, यह संयुक्त राष्ट्र की पहली और सबसे पुरानी विशेष एजेंसी है। ILO के 187 सदस्य देश हैं: संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से 186 और कुक आइलैंड्स। इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है, दुनिया भर में लगभग 40 क्षेत्रीय कार्यालय हैं, और 107 देशों में कुछ 3,381 कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें से 1,698 तकनीकी सहयोग कार्यक्रमों और परियोजनाओं में काम करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट (एससी) ने संसद और राज्य विधानसभाओं में 33% महिला आरक्षण को लागू करने की याचिका पर केंद्र की प्रतिक्रिया मांगी

SC ने महिला आरक्षण विधेयक, 2008 को फिर से पेश करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि यह एक महत्वपूर्ण मामला है और याचिकाकर्ता को भारत संघ को नोटिस देने का निर्देश दिया।

संविधान (एक सौ आठवां संशोधन) विधेयक, 2008, जिसे महिला आरक्षण विधेयक के रूप में भी जाना जाता है, 2010 में राज्यसभा द्वारा पारित किया गया था।

इसका उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए सभी सीटों का एक तिहाई आरक्षित करना था।

हालांकि, यह 15वीं लोकसभा के विघटन के बाद 2014 में समाप्त हो गया।

महिला आरक्षण के पक्ष में तर्क

1. पंचायतों के अध्ययन ने महिलाओं के सशक्तिकरण और संसाधनों के आवंटन पर आरक्षण का सकारात्मक प्रभाव दिखाया है।
2. विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक कारणों और पितृसत्तात्मक परंपराओं के कारण महिलाओं का राजनीति से ऐतिहासिक सामाजिक बहिष्कार।
3. निर्णय/नीति निर्माण प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना और राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया के लिए महत्वपूर्ण है।

महिला आरक्षण के खिलाफ तर्क

1. यह महिलाओं की असमान स्थिति को कायम रखेगा क्योंकि उन्हें योग्यता के आधार पर प्रतिस्पर्धा करने वाला नहीं माना जाएगा।
2. महिला उम्मीदवारों के लिए मतदाताओं की पसंद को प्रतिबंधित करता है।
3. चुनावी सुधार के बड़े मुद्दों जैसे राजनीति के अपराधीकरण और आंतरिक पार्टी लोकतंत्र से ध्यान भटकाना।

पंचायत में प्रतिनिधित्व

- 'पंचायत', "स्थानीय सरकार" होने के नाते, एक राज्य का विषय है और भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची की राज्य सूची का हिस्सा है। संविधान के अनुच्छेद 243डी का खंड (3) पंचायती राज संस्थानों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करता है, जिसमें प्रत्यक्ष चुनाव द्वारा भरे जाने वाले सीटों की कुल संख्या और पंचायतों के अध्यक्षों के कार्यालयों की संख्या में से महिलाओं के लिए कम से कम एक तिहाई आरक्षण अनिवार्य है।

- महिलाओं के अधिकारों को कानूनी दर्जा प्रदान करने का विचार ऐतिहासिक पंचायती राज अधिनियम, 1992 (73वां और 74वां संविधान संशोधन) के साथ शुरू हुआ। यह ध्यान रखना काफी दिलचस्प है कि 'मन्नीना मागा (मिट्टी का पुत्र)', पूर्व प्रधान मंत्री श्री एच.डी. देवेगौड़ा ने 1996 में संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए सीटों के आरक्षण का वास्तविक वादा किया था [...] ये है महिला विधेयक का अब तक का सफर[स्रोत],
- महिला आरक्षण विधेयक [संविधान (81वां संशोधन) विधेयक, 1996] पहली बार संसद में 12 सितंबर, 1996 को एच.डी. देवेगौड़ा की सरकार। विधेयक को संसद की बाधाओं से पार नहीं मिला। श्री गौड़ा की सरकार अल्पमत में आ गई और बाद में 11वीं लोकसभा भंग कर दी गई और इसलिए बिल व्यपगत हो गया।
- 1998 में, श्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने महिला विधेयक [संविधान (84वां संशोधन) विधेयक, 1998] पेश करके एक और प्रयास किया। विडंबना यह है कि इस बार भी बिल लैप्स हो गया क्योंकि 12वीं लोकसभा को समय से पहले भंग करना पड़ा था। वाजपेयी की सरकार अल्पमत में!
- 23 दिसंबर, 1999 को निचले सदन में विधेयक पेश करने के साथ एक और प्रयास किया गया। लेकिन राजनीतिक सहमति के अभाव में इस विधेयक को आगे नहीं बढ़ाया जा सका।

निवारक निरोध (पीडी) में पिछले साल की तुलना में असम में राजद्रोह के मामलों की संख्या 23.7% की वृद्धि

भारत के संविधान में अनुच्छेद 22

22. कुछ मामलों में गिरफ्तारी और नजरबंदी के खिलाफ संरक्षण

(1) गिरफ्तार किए गए किसी भी व्यक्ति को ऐसी गिरफ्तारी के कारणों के बारे में यथाशीघ्र सूचित किए बिना हिरासत में नहीं रखा जाएगा और न ही उसे अपने कानूनी व्यवसायी से परामर्श करने और बचाव करने के अधिकार से वंचित किया जाएगा। पसंद

(2) गिरफ्तार किए गए और हिरासत में लिए गए प्रत्येक व्यक्ति को गिरफ्तारी के स्थान से मजिस्ट्रेट की अदालत तक यात्रा के लिए आवश्यक समय को छोड़कर ऐसी गिरफ्तारी के चौबीस घंटे की अवधि के भीतर निकटतम मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा और ऐसा कोई नहीं व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के अधिकार के बिना उक्त अवधि के बाद हिरासत में रखा जाएगा

(3) खंड (1) और (2) में कुछ भी (ए) किसी ऐसे व्यक्ति पर लागू नहीं होगा जो फिलहाल एक दुश्मन विदेशी है; या (बी) किसी भी ऐसे व्यक्ति को जिसे निवारक निरोध के लिए प्रदान करने वाले किसी भी कानून के तहत गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया है

(4) निवारक निरोध के लिए प्रदान करने वाला कोई भी कानून किसी व्यक्ति को तीन महीने से अधिक समय तक हिरासत में रखने का अधिकार नहीं देगा, जब तक कि (ए) एक सलाहकार बोर्ड जिसमें ऐसे व्यक्ति शामिल हों, जो न्यायाधीश हैं, या हैं, या नियुक्त किए जाने के लिए योग्य हैं। एक उच्च न्यायालय ने तीन महीने की उक्त अवधि की समाप्ति से पहले रिपोर्ट की है कि उसकी राय में इस तरह के निरोध के लिए पर्याप्त कारण है:

(5) जब किसी व्यक्ति को निवारक निरोध के लिए प्रदान करने वाले किसी कानून के तहत बनाए गए आदेश के अनुसरण में हिरासत में लिया जाता है, तो आदेश देने वाला प्राधिकारी, जितनी जल्दी हो सके, ऐसे व्यक्ति को उन आधारों के बारे में सूचित करेगा जिन पर आदेश दिया गया है और उसे आदेश के खिलाफ अभ्यावेदन करने का जल्द से जल्द अवसर प्रदान करें

(6) खंड (5) में कुछ भी नहीं है कि प्राधिकरण को ऐसा कोई आदेश देने की आवश्यकता होगी जैसा कि उस खंड में संदर्भित किया गया है ताकि उन तथ्यों का खुलासा किया जा सके जिन्हें ऐसा प्राधिकरण सार्वजनिक हित के खिलाफ प्रकट करता है।

(7) संसद कानून द्वारा निर्धारित कर सकती है

a) जिन परिस्थितियों में, और मामलों के वर्ग या वर्गों में, प्रावधानों के अनुसार सलाहकार बोर्ड की राय प्राप्त किए बिना निवारक निरोध के लिए प्रदान करने वाले किसी भी कानून के तहत किसी व्यक्ति को तीन महीने से अधिक की अवधि के लिए हिरासत में लिया जा सकता है उपखंड (ए) के खंड (4);

b) अधिकतम अवधि जिसके लिए किसी भी व्यक्ति को किसी भी वर्ग या वर्गों के मामलों में निवारक निरोध के लिए प्रदान करने वाले किसी कानून के तहत हिरासत में लिया जा सकता है; तथा

c) उपखंड (ए) के खंड (4) के तहत एक जांच में एक सलाहकार बोर्ड द्वारा पालन की जाने वाली प्रक्रिया शोषण के खिलाफ अधिकार

IPC देशद्रोह को एक अपराध के रूप में परिभाषित करता है जब कोई व्यक्ति शब्दों द्वारा या अन्यथा लाता है या घृणा या अवमानना में लाने का प्रयास करता है, या भारत में कानून द्वारा स्थापित सरकार के प्रति उत्तेजना या असंतोष को उत्तेजित करने का प्रयास करता है।

केदार नाथ बनाम बिहार राज्य, 1962 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक नागरिक को यह अधिकार है कि वह सरकार या उसके उपायों के बारे में आलोचना या टिप्पणी के माध्यम से जो कुछ भी पसंद करता है उसे कहने या लिखने का अधिकार है, जब तक कि वह लोगों को हिंसा के लिए उकसाता नहीं है।

यूएस इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (USISPF)

- केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने यूएसआईएसपीएफ के साथ बातचीत की।
- यह एक स्वतंत्र गैर-लाभकारी संस्था है जो यूएस-इंडिया को मजबूत करने के लिए समर्पित है
- साझेदारी और व्यवसायों, गैर-लाभकारी संगठनों, प्रवासी, और भारत और संयुक्त राज्य की सरकारों के लिए विश्वसनीय भागीदार है।

US·INDIA
STRATEGIC PARTNERSHIP FORUM

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धारा 66 ए

66क संचार सेवा आदि के माध्यम से आपत्तिजनक संदेश भेजने के लिए सजा - कोई भी व्यक्ति जो कंप्यूटर संसाधन या संचार उपकरण के माध्यम से भेजता है, -

1) कोई भी जानकारी जो बेहद आक्रामक है या खतरनाक चरित्र है; या
2) कोई भी जानकारी जिसे वह झूठा जानता है, लेकिन झुंझलाहट, असुविधा, खतरा, बाधा, अपमान, चोट, आपराधिक धमकी, दुश्मनी, घृणा या दुर्भावना पैदा करने के उद्देश्य से, ऐसे कंप्यूटर संसाधन का लगातार उपयोग करके या ए संचार उपकरण; या
3) झुंझलाहट या असुविधा पैदा करने या ऐसे संदेशों की उत्पत्ति के बारे में पताकर्ता या प्राप्तकर्ता को धोखा देने या गुमराह करने के उद्देश्य से कोई इलेक्ट्रॉनिक मेल या इलेक्ट्रॉनिक मेल संदेश,

कारावास से, जिसकी अवधि तीन वर्ष तक की हो सकेगी और जुर्माने से दंडनीय होगा। व्याख्या। -इस खंड के प्रयोजन के लिए, शब्द "इलेक्ट्रॉनिक मेल" और "इलेक्ट्रॉनिक मेल संदेश" का अर्थ कंप्यूटर, कंप्यूटर सिस्टम, कंप्यूटर संसाधन या संचार उपकरण पर पाठ, छवि, ऑडियो, वीडियो और कोई अन्य इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड, जिसे संदेश के साथ प्रेषित किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को आईटी अधिनियम की धारा 66 ए के तहत दर्ज मामलों को वापस लेने के लिए कहा, जिसे 2015 में असंवैधानिक घोषित किया गया था (श्रेया सिंघल बनाम भारत संघ मामला)।

- 2008 में पेश किया गया, आईटी अधिनियम, 2000 में संशोधन करते हुए, सरकार को किसी व्यक्ति को कथित रूप से आपत्तिजनक और खतरनाक ऑनलाइन पोस्ट के लिए गिरफ्तार करने और कैद करने की शक्ति प्रदान की गई।
- धारा 66ए की आलोचना की गई क्योंकि यह अत्यंत व्यापक मानकों के साथ आती है, जो कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा सनकी व्याख्या की अनुमति देता है।

भारत और यूके ने 26 देशों के लिए काउंटर रैनसमवेयर अभ्यास आयोजित किया

- भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस) और यूके सरकार ने बीएई सिस्टम्स के सहयोग से 26 देशों के लिए साइबर सुरक्षा अभ्यास को सफलतापूर्वक डिजाइन और संचालित किया है।
- उद्देश्य: किसी देश के भीतर संगठनों को प्रभावित करने वाली एक बड़ी, व्यापक साइबर सुरक्षा घटना का अनुकरण करना।
- यह इंटरनेशनल काउंटर रैनसमवेयर इनिशिएटिव- रेजिलिएशन वर्किंग ग्रुप का एक हिस्सा है।
- इस पहल का नेतृत्व एनसीएससी के नेतृत्व में भारत कर रहा है।
- अभ्यास का विषय ऊर्जा क्षेत्र पर आधारित है जिसमें सीआरआई सहयोगी राष्ट्रों

की संबंधित राष्ट्रीय साइबर संकट प्रबंधन टीमों को कई बिजली वितरण कंपनियों पर रैंसमवेयर हमले से निपटना होगा। ये कंपनियां घरेलू ग्राहकों को बिजली के वितरण के लिए जिम्मेदार हैं और सार्वजनिक आपूर्ति की अंतिम कड़ी हैं। यह अभ्यास क्रिटिकल नेशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर रैंसमवेयर की प्रतिक्रिया के आसपास निर्णय लेने की जटिलता की पड़ताल करता है।

- सीआरआई पार्टनर नेशंस और उनके संबंधित संगठनों से 26 से अधिक आमंत्रित हैं; साइबर सुरक्षा, राष्ट्रीय संकट प्रबंधन, राष्ट्रीय सुरक्षा नीति, महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अवसंरचना और कानून प्रवर्तन एजेंसियों सहित।
- रैंसमवेयर रेजिलिएंस पर इस वर्चुअल साइबर अभ्यास को आयोजित करने का उद्देश्य एक देश के भीतर संगठनों को प्रभावित करने वाली एक बड़ी, व्यापक साइबर सुरक्षा घटना का अनुकरण करना है। इस अभ्यास को सीआरआई के मिशन का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, और इसका उद्देश्य भाग लेने वाले सीआरआई सदस्यों को एक प्रमुख रैंसमवेयर घटना का जवाब देने के लिए उनकी क्षमता का परीक्षण करने की अनुमति देना है; एक बड़ी घटना के दौरान जानकारी साझा करने और सहयोग करने का लाभ प्रदर्शित करता है; CRI राष्ट्रों को रैंसमवेयर का मुकाबला करने के लिए अपने दृष्टिकोण साझा करने के अवसर प्रदान करते हैं।

103वां संविधान संशोधन अधिनियम

- **सुप्रीम कोर्ट ने 103वें संशोधन अधिनियम की संवैधानिक वैधता की जांच के लिए तीन प्रमुख मुद्दों को अंतिम रूप दिया।**
- यह अधिनियम समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) को सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में 10% कोटा प्रदान करता है।
- अदालत इस बात की जांच करेगी कि क्या संशोधन बुनियादी ढांचे का उल्लंघन करता है: राज्य को आर्थिक मानदंडों के आधार पर आरक्षण सहित विशेष प्रावधान करने की अनुमति; राज्य को ईडब्ल्यूएस कोटे के दायरे से एसईबीसी/ओबीसी/एससी/एसटी समुदायों को छोड़कर, निजी गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों में प्रवेश के संबंध में विशेष प्रावधान करने की अनुमति देना।

भारत-बांग्लादेश संबंध, द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक मॉडल

1971 में मुक्ति संग्राम के बाद से, बांग्लादेश और भारत ने न केवल अपनी भौगोलिक सीमाओं के कारण, बल्कि बड़े पैमाने पर अपने साझा सांस्कृतिक, भाषाई और ऐतिहासिक संबंधों के कारण एक विशेष संबंध साझा किया है। भारत ने बांग्लादेशी राष्ट्र की मुक्ति के लिए युद्ध के दौरान, आवश्यक मानवीय और सैन्य सहायता प्रदान की, जिसकी उस समय बहुत आवश्यकता थी। तब से दोनों देशों ने 4000 किमी लंबी एक विशाल सीमा साझा की है जो बांग्लादेश को दक्षिण एशियाई क्षेत्र में भारत का सबसे लंबा भूमि साझा करने वाला पड़ोसी बनाती है।

बांग्लादेश इसे कैसे देखता है

- बांग्लादेश की वर्तमान प्रधान मंत्री शेख हसीना ने हाल ही में भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंधों को 'अच्छे पड़ोस की कूटनीति का रोल मॉडल' बताया। इसलिए यह बयान पिछले पांच दशकों से दोनों देशों के बीच लंबे समय से साझा दोस्ती के दावे के रूप में आया है।
- दूसरी ओर, भारत, 1971 के दिसंबर में नए स्वतंत्र राष्ट्र के साथ अपने राजनयिक संबंध स्थापित करने वाले दुनिया के पहले देशों में से एक था। तब से, बांग्लादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा विकासात्मक और व्यापारिक भागीदार बन गया है। इसने दोनों पड़ोसी देशों को एक-दूसरे की आर्थिक और सामाजिक समृद्धि में योगदान करने के लिए प्रेरित किया है।
- सुरक्षा और जल बंटवारे के मुद्दों पर भी बड़ी प्रगति हुई है जो दोनों देशों के बीच पारस्परिक रूप से सौहार्दपूर्ण संबंधों में काफी हद तक एक छोटा कांटा रहा है। बांग्लादेश की स्वतंत्रता के तुरंत बाद, दोनों देशों ने 1970 के दशक की शुरुआत में व्यापार, दूरसंचार, संस्कृति और अन्य डोमेन से संबंधित 13 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। उस समय इसे एक तरह से बांग्लादेशी राष्ट्र द्वारा अपने भूमि साझा करने वाले पड़ोसी के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाने की स्वीकृति के रूप में देखा गया था। दोनों देश उनके बीच लगभग 54 साझा नदियाँ साझा करते हैं; साझा नदी प्रणालियों के लाभ को अधिकतम करने के लिए आपसी संपर्क बनाए रखने के लिए 1972 में दोनों के बीच एक द्विपक्षीय संयुक्त नदी आयोग की स्थापना की गई थी।
- ऐसे लाभकारी संबंधों की प्रगति में, बांग्लादेश और भारत ने विकास के लिए सहयोग पर एक रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत दोनों पक्ष अपने व्यापार और गैर-टैरिफ बाधाओं को फिर से काम करके व्यापार असंतुलन को कम करने पर

सहमत हुए, साथ ही उप-क्षेत्र में अपने सहयोग का विस्तार करने पर भी सहमत हुए। क्षेत्रीय स्तर पर भी। दोनों देशों द्वारा एक व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर करने की दिशा में काम करने के माध्यम से उनके संबंधों में हाल ही में एक विकास हुआ है, जो तीन विशिष्ट आयामों पर जोर देता है; माल, सेवाओं और निवेश में व्यापार। इस तरह के समझौते का लक्ष्य नए रास्ते खोलना है, जिसमें नए बाजार और मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी शामिल हैं, जबकि व्यापार अंतराल को कम करने पर भी ध्यान केंद्रित करना है।

अन्य आयाम

- पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौतों पर आधारित इस तरह के एक स्थायी संबंध की गवाही में, दोनों देशों ने अनुसमर्थन के साधनों का आदान-प्रदान करके 2015 में भूमि सीमा समझौते को भी लागू किया था। यह उस इच्छा के प्रतीक के रूप में आया जिसमें दोनों देशों का झुकाव उन मुद्दों को सुलझाने की ओर था जो संबंधों में बाधा बनते देखे गए थे।
- हालाँकि, इन संबंधों में अपनी वर्तमान स्थिति से आगे जुड़ने के लिए मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति भी देखी जा रही है; हाल के दिनों में, भारत और बांग्लादेश दोनों ने विशिष्ट क्षेत्रों में सामान्य सहयोग से परे अपने पारस्परिक विश्वास की पुष्टि की है। पिछले आठ वर्षों में, भारत ने रोडवेज, शिपिंग, बंदरगाहों और रेलवे सहित क्षेत्रों में विकासात्मक परियोजनाओं के लिए अपने पड़ोसी देशों को 8 बिलियन डॉलर की क्रेडिट लाइन प्रदान की है। यह बांग्लादेश को दुनिया भर में किसी एक देश को भारत की सबसे बड़ी रियायती क्रेडिट लाइनों का प्राप्तकर्ता बनाता है। भारत बांग्लादेश में विभिन्न परियोजनाओं में भी योगदान दे रहा है जिसमें आशुगंज नदी बंदरगाह का उन्नयन और 400 मिलियन डॉलर से अधिक की क्रेडिट लाइन के साथ अखौरा भूमि बंदरगाह सड़क शामिल है। भारत-बांग्लादेश सीमा को जोड़ने वाली एक सड़क परियोजना, जो भारत के कुछ उत्तर पूर्वी राज्यों को बांग्लादेश के साथ जोड़ना आसान बनाती है, पर भी भारतीय राष्ट्र की ओर से $80 मिलियन के ऋण के साथ काम किया जा रहा है।
- हालाँकि, यह न केवल व्यापार और आर्थिक संबंधित पहलू है जो दो घनी आबादी वाले देशों के बीच संबंधों को दुनिया के लिए एक आदर्श बनाता है, बल्कि उनकी सभी मौसम की दोस्ती है जो बांग्लादेशी प्रधान मंत्री के बयान का पता लगाती है, जो वास्तव में अच्छी तरह से भी थी भारतीय पक्ष से बदला। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी पहली विदेश यात्राओं में से एक में कोविड -19 के प्रकोप के बाद अपनी स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती में भाग लेने के लिए बांग्लादेश का दौरा किया। इस प्रकार, दोनों के बीच आर्थिक और सुरक्षा सहयोग एक लंबे समय से पोषित इतिहास और राष्ट्रों के अतीत में संबंध पर आधारित है।

भारत ने इसे कैसे आकार दिया:

- संकट के समय में, भारत ने बांग्लादेश को चिकित्सा के साथ-साथ मानवीय सहायता भी प्रदान की है। उदाहरण के लिए, 2020 में, भारतीय रेलवे ने तत्काल आवश्यकता के आधार पर बांग्लादेश को दस ब्रॉड गेज डीजल इंजन उपहार में दिए। इसी तरह, भारत ने भी अपने पड़ोसियों को बड़ी मात्रा में कोविड टीके प्रदान किए जो घरेलू स्तर पर निर्मित किए गए थे और रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच फंसे बांग्लादेशियों को निकालने की व्यवस्था की थी।
- इस तरह के इशारों के परिणाम के रूप में जो उभरा है, वह यह है कि हाल के दशक में आपसी सहयोग के कई नए रास्ते खुल गए हैं। बांग्लादेश की आबादी बाद में भारत का सबसे बड़ा चिकित्सा पर्यटन बाजार बन गया है; जैसा कि भारत उन प्रक्रियाओं के लिए एक किफायती और आर्थिक रूप से ध्वनि व्यय करता है जो देश में उपलब्ध नहीं हो सकती हैं। इसके कारण बांग्लादेश से भारत आने वाले मेडिकल टूरिस्ट वीज़ा में अत्यधिक वृद्धि हुई है। न केवल इस पहलू में, बल्कि पारस्परिक लाभ और हितों के लिए इस तरह के नए रास्ते तभी संभव हैं जब राष्ट्रों के बीच विश्वास और शीर्षतम नेतृत्व की इच्छा पर आधारित एक स्थायी संबंध हो।
- भारत के साथ-साथ बांग्लादेश दोनों में राजनीतिक संस्थाओं ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को उस दायरे से आगे बढ़ाने का लगातार प्रयास किया है जो वर्तमान में प्रचलित है। हालांकि, संबंधों को इस तरह आगे बढ़ाने की काफी गुंजाइश है जिससे यह सुनिश्चित करने के लिए अन्य मार्ग और तरीके खुलते हैं कि संबंध दोनों देशों के लिए फायदेमंद बने रहें। मुक्त व्यापार, वैश्विक स्वास्थ्य शासन, वैश्विक शांति और स्थिरता जैसे पहलू ऐसे रास्ते हैं जो भारत और बांग्लादेश दोनों के लिए न केवल अपने सौहार्दपूर्ण संबंधों को अगले स्तर तक ले जाने के अवसर के रूप में पेश कर सकते हैं, बल्कि दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश भी होंगे। वैश्विक क्षेत्र में अपने स्वयं के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में एकता के संदर्भ में।
- इसलिए, भारत के पूर्व विदेश सचिव, हर्षवर्धन श्रृंगला का बयान, बांग्लादेशी प्रधान मंत्री के भारत-बांग्लादेश संबंधों के अच्छे पड़ोस की कूटनीति के रोल मॉडल होने के दावे को प्रतिध्वनित करता है, द्विपक्षीय संबंधों के एक निश्चित विचार को प्रस्तुत करने के लिए दिया गया एक उथला बयान नहीं है। यह सहयोग की शक्ति का एक मजबूत प्रमाण है जो वैश्विक मंच पर अपनी आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्थिति को ऊंचा करते हुए भूमि और जल साझा करने वाले देशों को पारस्परिक रूप से लाभप्रद संबंध बना सकता है।

दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिए संयुक्त राष्ट्र दिवस: 12 सितंबर

दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिए संयुक्त राष्ट्र दिवस प्रतिवर्ष 12 सितंबर को वैश्विक दक्षिण में लोगों और देशों के बीच सहयोग के महत्व को उजागर करने के लिए मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य दक्षिणी क्षेत्र में किए गए सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास पर जागरूकता फैलाना भी है।

United Nations Office for South-South Cooperation

SEP 12

SOUTH-SOUTH COOPERATION

दक्षिण-दक्षिण सहयोग के उद्देश्य क्या हैं?

- विकासशील देशों की विकास समस्याओं के समाधान और तकनीकी क्षमताओं को खोजने के लिए उनकी रचनात्मक क्षमता को बढ़ाकर और उन्हें संबोधित करने के लिए आवश्यक रणनीति तैयार करके उनकी आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना और मजबूत करना;
- अनुभवों के आदान-प्रदान के माध्यम से विकासशील देशों के बीच सामूहिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना और मजबूत करना जिससे आम समस्याओं के बारे में अधिक जागरूकता हो और उपलब्ध ज्ञान तक व्यापक पहुंच हो;
- कम से कम विकसित देशों, भूमि से घिरे विकासशील देशों, छोटे द्वीप विकासशील राज्यों और सबसे गंभीर रूप से प्रभावित देशों, उदाहरण के लिए, प्राकृतिक आपदाओं और अन्य संकटों की समस्याओं और आवश्यकताओं को पहचानना और उनका जवाब देना, और उन्हें अधिक से अधिक भागीदारी हासिल करने में सक्षम बनाना अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक गतिविधियाँ।

एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) के बारे में

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) एक यूरेशियाई राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा संगठन है। भौगोलिक क्षेत्र और जनसंख्या के संदर्भ में, यह दुनिया का सबसे बड़ा क्षेत्रीय संगठन है, जो यूरेशिया के लगभग 60% क्षेत्र, विश्व जनसंख्या का 40% और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 30% से अधिक को कवर करता है।

Member states

-एससीओ शंघाई फाइव का उत्तराधिकारी है, जो 1996 में चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस और ताजिकिस्तान के बीच आपसी सुरक्षा समझौता हुआ था। 15 जून 2001 को, इन राष्ट्रों और उज्बेकिस्तान के नेताओं ने शंघाई में गहन राजनीतिक और आर्थिक सहयोग के साथ एक नए संगठन की घोषणा करने के लिए मुलाकात की; एससीओ चार्टर पर 7 जुलाई 2002 को हस्ताक्षर किए गए थे और 19 सितंबर 2003 को लागू हुए। इसकी सदस्यता तब से आठ राज्यों में विस्तारित हो गई है, जिसमें भारत और पाकिस्तान 9 जून 2017 को शामिल हो गए हैं। कई देश पर्यवेक्षक या संवाद भागीदार के रूप में लगे हुए हैं।

Member states

Country	Accession started	Member since
China		15 June 2001[1]
Kazakhstan		

Kyrgyzstan		
Russia		
Tajikistan		
Uzbekistan		
India	10 June 2015	9 June 2017
Pakistan		
Acceding members		
Iran	17 September 2021	TBA

राजभाषा:

एससीओ सचिवालय की आधिकारिक कामकाजी भाषा रूसी और चीनी है।

भारत के लिए समूहीकरण की प्रासंगिकता क्या है?

- वर्षों के दौरान, एससीओ मेजबानों ने सदस्यों को अन्य सदस्यों के साथ मतभेदों पर चर्चा करने के लिए मंच का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया है।
- यह ऐसे अवसर पर था कि वर्तमान भारतीय प्रधान मंत्री ने 2015 में पूर्व पाकिस्तानी प्रधान मंत्री नवाज शरीफ के साथ द्विपक्षीय बैठक की और विदेश मंत्री ने 2020 में मास्को सम्मेलन के दौरान अपने चीनी समकक्ष के साथ पांच सूत्री समझौते पर बातचीत की।
- भारत अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ 'चतुर्भुज' समूह का भी हिस्सा है।
- एक अलग प्रकृति के समूह के साथ इसका जुड़ाव इसकी विदेश नीति का हिस्सा है जो "रणनीतिक स्वायत्तता और बहु-संरेखण" के सिद्धांतों पर जोर देता है।

हर दिन न्यायिक हिरासत में 5 लोगों की मौत, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के आंकड़े

- राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) को देश में अपराध के आंकड़ों का सबसे आधिकारिक भंडार माना जाता है। हालांकि, इसकी ताजा रिपोर्ट (2021) में कई लोगों ने पुलिस हिरासत में हुई मौतों के आंकड़ों पर आश्चर्य जताया है।
- एनसीआरबी अपनी सभी रिपोर्टों में एक स्पष्ट अस्वीकरण जोड़ता है: कि इसका डेटा राज्य सरकारों द्वारा दी गई जानकारी पर आधारित है। लेकिन उदाहरण के लिए, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) जैसे अन्य स्रोतों से हिरासत में हुई मौतों से संबंधित आंकड़े (राज्य सरकारों द्वारा भी प्रस्तुत किए गए) एक स्पष्ट बेमेल प्रकट करते हैं।
- इस मुद्दे पर एनएचआरसी के आंकड़े 2010-2020 के लिए उपलब्ध हैं। इसके अनुसार, मार्च 2020 तक के दशक में दर्ज मामलों

में कम से कम 17,146 लोगों की न्यायिक/पुलिस हिरासत में - औसतन प्रति दिन लगभग पांच लोगों की मौत हुई है। जनवरी-जुलाई 2020 के बीच, NHRC ने 914 मौतों की सूचना दी। हिरासत - इनमें से 53 पुलिस हिरासत में।

- नवीनतम एनसीआरबी डेटा दो श्रेणियों से संबंधित है: पहली श्रेणी में ऐसे व्यक्ति शामिल हैं जो रिमांड पर नहीं हैं। उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया है लेकिन अभी तक उन्हें अदालत में पेश किया जाना है। दूसरी श्रेणी में वे लोग शामिल हैं जो रिमांड में हैं, जिसका अर्थ है पुलिस/न्यायिक रिमांड में।
- भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एन वी रमना ने अगस्त 2021 में हिरासत में हुई मौतों के बारे में चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा: "संवैधानिक गारंटी के बावजूद, हिरासत में यातना, हिंसा और पुलिस अत्याचारों के बावजूद पुलिस स्टेशन मानवाधिकारों और गरिमा के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं।"

वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी होंगे भारत के अगले अटॉर्नी जनरल

- केके वेणुगोपाल के पद खाली करने के बाद वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी को फिर से भारत के लिए 14 वां अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया जाना तय है। जून 2014 और जून 2017 के बीच अपने पहले कार्यकाल के बाद, यह एजी के रूप में दूसरी बार होगा। इस साल जून के अंत में, एजी वेणुगोपाल का कार्यकाल तीन महीने की अवधि के लिए या "अगले आदेश तक" बढ़ा दिया गया था। यह एक्सटेंशन 30 सितंबर को समाप्त होने वाला है।
- रोहतगी 1 अक्टूबर से देश के शीर्ष विधि अधिकारी का पद संभालेंगे। मामले से वाकिफ लोगों ने कहा कि रोहतगी ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुरोध के बाद पिछले हफ्ते शीर्ष पद संभालने के लिए अपनी सहमति दी थी। रोहतगी 2014 और 2017 के बीच भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के लिए अटॉर्नी जनरल थे, नई व्यवस्था के तुरंत बाद।

मुकुल रोहतगी के बारे में

- मुकुल रोहतगी दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश, न्यायमूर्ति अवध बिहारी रोहतगी के पुत्र हैं, जिन्होंने अपनी कानूनी प्रैक्टिस शुरू करने से पहले उच्च न्यायालय में पूर्व सीजेआई योगेश कुमार सभरवाल के अधीन अभ्यास किया था।
- रोहतगी ने मुंबई के गवर्नमेंट लॉ कॉलेज से कानून की पढ़ाई पूरी की और कॉलेज के बाद सीधे लॉ की प्रैक्टिस करने लगे।
- उन्हें 1993 में दिल्ली HC द्वारा एक वरिष्ठ वकील के रूप में नामित किया गया था और बाद में 1999 में भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के रूप में नियुक्त किया गया था।
- 66 वर्षीय वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने अदालत में कई हाई-प्रोफाइल और महत्वपूर्ण मामलों का प्रतिनिधित्व किया है।
- उन्होंने 2002 के गुजरात दंगों के मामले का प्रतिनिधित्व किया जहां वह गुजरात सरकार के लिए अदालत के सामने पेश हुए।
- रोहतगी ने शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान के कथित ड्रग मामले का हाई-प्रोफाइल केस भी लड़ा था। वह अपनी जमानत याचिका के लिए पेश हुए, जो बॉम्बे हाई कोर्ट के सामने आने वाली थी।

-भारतीय संविधान का अनुच्छेद 76 इसके भाग-V के तहत भारत के महान्यायवादी की स्थिति से संबंधित है।

प्रथम महान्यायवादी एम.सी. सीतलवाड़ 28 जनवरी 1950 - 1 मार्च 1963

- ऊपर दिए गए आंकड़ों से पता चलता है कि भारत के पहले अटॉर्नी जनरल, एम.सी. सेतलवाड़ ने अपने पद पर सबसे लंबे समय तक काम किया, यानी 13 साल और सोली सोराबजी ने अटॉर्नी जनरल के रूप में काम किया, जो सबसे कम समय था। हालांकि, उन्हें इस पद के लिए दो बार नियुक्त किया गया था।

भारत का महान्यायवादी कौन है?

- संविधान के अनुच्छेद 76 में उल्लेख है कि वह भारत का सर्वोच्च कानून अधिकारी है। भारत सरकार के मुख्य कानूनी सलाहकार के रूप में, वह सभी कानूनी मामलों पर केंद्र सरकार को सलाह देता है।
- वह भारत के सर्वोच्च न्यायालय में केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले प्राथमिक वकील भी हैं। अटॉर्नी जनरल, एक राज्य के महाधिवक्ता की तरह, राजनीतिक रूप से नियुक्त व्यक्ति नहीं माना जाता है, लेकिन व्यवहार में ऐसा नहीं है।

भारत के महान्यायवादी की नियुक्ति कौन करता है ?

- भारत के राष्ट्रपति सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद के लिए योग्य व्यक्ति की नियुक्ति करते हैं। सरकार की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा अटॉर्नी जनरल की नियुक्ति की जाती है। निम्नलिखित योग्यताएं हैं:
- वह एक भारतीय नागरिक होना चाहिए
- उन्होंने या तो किसी भारतीय राज्य के उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में 5 वर्ष या उच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में 10 वर्ष पूरे किए हों
- राष्ट्रपति की नजर में वे एक प्रख्यात विधिवेत्ता भी हो सकते हैं

अटॉर्नी जनरल के कार्यालय की अवधि क्या है?

- भारत के महान्यायवादी के लिए कोई निश्चित अवधि नहीं है। संविधान में अटॉर्नी जनरल के किसी निर्दिष्ट कार्यकाल का उल्लेख नहीं है। इसी तरह, संविधान में भी उन्हें हटाने की प्रक्रिया और आधार का उल्लेख नहीं है।

आप उनके कार्यालय के बारे में निम्नलिखित तथ्य जान सकते हैं: -

- उन्हें राष्ट्रपति द्वारा किसी भी समय हटाया जा सकता है
- वह केवल राष्ट्रपति को अपना त्यागपत्र देकर पद छोड़ सकता है
- चूंकि उसे राष्ट्रपति द्वारा मंत्रिपरिषद की सलाह पर नियुक्त किया जाता है, पारंपरिक रूप से उसे तब हटा दिया जाता है जब परिषद भंग या बदल दी जाती है

भारत के महान्यायवादी की भूमिका क्या है?

- देश का मुख्य विधि अधिकारी होने के नाते, भारत के महान्यायवादी को निम्नलिखित कर्तव्यों का पालन करना होता है:
- राष्ट्रपति द्वारा उन्हें जो भी कानूनी मामले भेजे जाते हैं, वह केंद्र सरकार को उस पर सलाह देते हैं।
- राष्ट्रपति उसे कानूनी मामलों का हवाला देते रहते हैं जो उसके हित के अनुकूल होते हैं और अटॉर्नी जनरल को उन पर भी सलाह देनी होती है
- राष्ट्रपति जो संदर्भित करता है उसके अलावा, वह संविधान में उल्लिखित कर्तव्यों का भी पालन करता है
- राष्ट्रपति द्वारा उन्हें सौंपे गए तीन कर्तव्य हैं:
- किसी भी कानूनी मामले में जहां भारत सरकार से संबंधित है, महान्यायवादी को अपनी ओर से सर्वोच्च न्यायालय में पेश होना पड़ता है
- संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत राष्ट्रपति द्वारा सर्वोच्च न्यायालय को दिए गए किसी भी संदर्भ में उन्हें केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व करना होता है
- भारत सरकार से संबंधित कोई मामला होने पर वह उच्च न्यायालय में भी पेश होता है

अटॉर्नी जनरल की सीमाएं क्या हैं?

- कर्तव्य के टकराव से बचने के लिए, कुछ सीमाएँ हैं जो महान्यायवादी पर पोस्ट की जाती हैं जिन्हें उन्हें अपने कर्तव्यों का पालन करते समय ध्यान में रखना चाहिए:
- उसे भारत सरकार के खिलाफ सलाह या संक्षिप्त जानकारी नहीं देनी चाहिए
- उसे उन मामलों में सलाह नहीं देनी चाहिए या संक्षिप्त जानकारी नहीं देनी चाहिए जिनमें उन्हें भारत सरकार को सलाह देने या पेश होने के लिए कहा जाता है
- उसे भारत सरकार की अनुमति के बिना आपराधिक मुकदमों में अभियुक्त व्यक्तियों का बचाव नहीं करना चाहिए
- उन्हें भारत सरकार की अनुमति के बिना किसी भी कंपनी या निगम में निदेशक के रूप में नियुक्ति स्वीकार नहीं करनी चाहिए

UPSC के लिए भारत के महान्यायवादी के बारे में तथ्य

- भारत का महान्यायवादी (AG) संघ की कार्यकारिणी का एक अंग है। वह देश के सर्वोच्च कानून अधिकारी हैं। वह भारतीय क्षेत्र में किसी भी अदालत का हिस्सा हो सकता है।
- उन्हें संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्य सभा के बीच अंतर के बारे में यहाँ पढ़ें) या उनकी संयुक्त बैठक और संसद की किसी भी समिति, जिसका वह सदस्य हो सकता है, की कार्यवाही में बोलने और भाग लेने का अधिकार मिला।
- जब वह भारतीय संसद की कार्यवाही में भाग लेता है तो उसे वोट देने का कोई अधिकार नहीं होता है
- संसद सदस्य के समान, उन्हें भी उन्मुक्ति और विशेषाधिकारों से संबंधित सभी शक्तियां प्राप्त हैं उन्हें सरकारी सेवक नहीं माना जाता है
- वह निजी तौर पर भी प्रैक्टिस कर सकता है क्योंकि उसे निजी कानूनी प्रैक्टिस से वंचित नहीं किया गया है
- अटॉर्नी जनरल को संसद के दोनों सदनों या उनकी संयुक्त बैठक और संसद की किसी भी समिति की कार्यवाही में बोलने और भाग लेने का अधिकार है, जिसका सदस्य नामित किया जा सकता है लेकिन वोट देने के अधिकार के बिना।

आर्मेनिया-अजरबैजान सीमा पर फिर से संघर्ष

- आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच ताजा संघर्ष छिड़ गया, जिसमें प्रत्येक पक्ष ने हताहत होने की सूचना दी और हिंसा के लिए एक दूसरे को दोषी ठहराया। आर्मेनिया ने कहा कि अज़रबैजानी बलों ने सीमा के पास कई बिंदुओं पर हमला किया, जिसमें 49 अर्मेनियाई सैनिक मारे गए। अज़रबैजान ने कहा कि अर्मेनियाई बलों ने अपने ठिकानों पर गोलीबारी की, जिसमें अनिर्दिष्ट संख्या में हताहत हुए। नागोर्नो-कराबाख क्षेत्र को लेकर दोनों देशों के बीच दशकों से संघर्ष चल रहा है, जो अज़रबैजान के अंदर है लेकिन मुख्य रूप से जातीय अर्मेनियाई लोगों द्वारा आबादी है।

लाचिन कॉरिडोर में आर्मीनिया और अजरबैजान आमने - सामने-

- सीमा पर हालिया झड़पों के दौरान 50 से अधिक अर्मेनियाई सैनिक और 100 अजरबैजानी सैनिक मारे गए हैं।

- **<u>प्रमुख तथ्य</u>**
- · दोनों पूर्व सोवियत गणराज्य नागोर्नोबिकाराबाख क्षेत्र के विवादित क्षेत्र को लेकर लं-समय से चले आ रहे संघर्ष में लगे हुए हैं।
- · विवादित क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अजरबैजान के हिस्से के रूप में मान्यता दी गई है, लेकिन वर्तमान में अर्मेनियाई अलगाववादियों के नियंत्रण में है।
- · हालिया झड़पें आर्मेनिया को नागोर्नोख से जोड़ने वाले लाचिन गलियारे मेंकाराबा-हुईं।
- · लाचिन कॉरिडोर **अजरबैजान के लाचिन जिले का हिस्सा** है, लेकिन के 2020 काराबाख युद्धविराम समझौते के अनुसार रूसी शांति सेना के नियंत्रण में था।-नागोर्नो
- · लाचिन जिला अगस्त 26, ण में लौट आया।को अजरबैजान के नियंत्र 2022
- · हालिया टकराव के संघर्ष क 2020ो बाद से आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच टूटने की समय सीमा है।
- · रूस की मध्यस्थता में एक शांति समझौते ने पड़ोसियों के बीच के युद्ध को समाप्त कर दिया और इसके परिणामस्वरूप आर्मेनिया ने 2020 के भीतर कुछ कब्जे वाले क्षेत्रों से अपने सैनिकों को वा अजरबैजानपस बुला लिया।
- · ताजा झड़प में अजरबैजान ने लड़ाकू ड्रोन दागे और सेवन झील के पास तोपखाने और मोर्टार से गोलाबारी शुरू कर दी।
- · अर्मेनियाई पक्ष ने अलगाववादी **नारोग्नोकाराबाख क्षेत्रों**- में कालबजार और लाचिन जिलों में अजरबैजान बलों पर गोलाबारी की।
- **नागोर्नोकाराबाख क्षेत्र**-
- · नागोर्नोमान्यता प्राप्त रिपब्लिक ऑफ-काराबाख काराब्ख पर्वत श्रृंखला के भीतर दक्षिण काकेशस में एक लैंडलॉक क्षेत्र है। यह वर्तमान में गैर-आर्ट्साख के नियंत्रण में है, जिसने में आर्मेनिया की मदद से खुद को स्वतंत्र 1991घोषित किया था।
- **<u>रूस के हित</u>**
- · रूस पारंपरिक रूप से आर्मेनिया का समर्थन करता रहा है, जो अपने सैन्य अड्डे की मेजबानी करता है। अज़रबैजान के रक्षा, संस्कृति और राजनीति के क्षेत्र में तुर्की के साथ घनिष्ठ राजनयिक संबंध हैं। हालांकि, अजरबैजान में तेल की उपस्थिति रूस को देश के साथ घनिष्ठ संबंध विकसित करने के लिए मजबूर कर रही है। मॉस्को वर्तमान में दोनों पक्षों से संघर्ष को और बढ़ाने से बचने का आग्रह कर रहा है।

• भारत निर्वाचन आयोग ने बीएलओ ई-पत्रिका का शुभारंभ किया

- भारत के चुनाव आयोग ने भारत के राज्यों में फैले बीएलओ के साथ आयोजित एक इंटरैक्टिव सत्र में एक नया डिजिटल प्रकाशन' बीएलओ ई-पत्रिका 'जारी किया है। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में ,राजस्थान ,उत्तर प्रदेश और दिल्ली के आस-पास के राज्यों के 50 बीएलओ नई दिल्ली में इंडिया हैबिटेट सेंटर में शारीरिक रूप से शामिल हुए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी) सीईओ (के कार्यालय से वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 350 से अधिक बीएलओ बैठक में शामिल हुए।
- बीएलओ ने संक्रामक सत्र में भाग लिया ,जिसमें आयोग ने अपने अनुभव ,अपने कर्तव्यों का पालन करते समय आने वाली चुनौतियों और सफलता की कहानियों को साझा किया। यह आयोग द्वारा देश भर में बीएलओ के साथ अपनी तरह का पहला सीधा संवाद था।
-
- बीएलओ ई-पत्रिका से संबंधित प्रमुख बिंदु
- •बीएलओ लोगों के साथ आयोग के सीधे संपर्क हैं।

- •वे देश के कोने-कोने में प्रत्येक मतदाता के लिए सूचना का प्राथमिक स्रोत हैं।
- •बेहतर सूचित और प्रेरित बूथ स्तर के अधिकारी के लिए व्यापक सूचना मॉडल सुनिश्चित करने के लिए बीएलओ ई-पत्रिका जारी की गई है।
- •द्विमासिक ई-पत्रिका के विषयों में ईवीएम-वीवीपीएटी प्रशिक्षण ,आईटी आवेदन ,विशेष सारांश संशोधन ,मतदान केंद्रों पर न्यूनतम स्वीप गतिविधियां ,डाक मतपत्र सुविधाएं ,सुलभ चुनाव ,चुनावी साक्षरता क्लब ,अद्वितीय मतदाता जागरूकता पहल और राष्ट्रीय से संबंधित विषय शामिल हैं। मतदाता दिवस।

• भारत-रूस संबंध :इतिहास से समकालीन समय तक

- भारत परंपरागत रूप से रूस का एक **विश्वसनीय** रणनीतिक साझेदार रहा है और अतीत में अपने सबसे कठिन समय में मास्को द्वारा भारत को दी गई मदद को याद करता है। भारत-रूस संबंधों का विकास भारत की विदेश नीति का एक प्रमुख स्तंभ रहा है। भारत-रूस संबंध राजनीतिक ,सुरक्षा , रक्षा ,व्यापार और अर्थव्यवस्था ,विज्ञान और **प्रौद्योगिकी** ,और संस्कृति सहित द्विपक्षीय संबंधों के लगभग सभी क्षेत्रों में सहयोग के बढ़े हुए स्तरों का आनंद लेते हैं।

• भागीदारी:

- रूसी और भारतीय ,दोनों दोस्ती और वफादारी जैसे मूल्यों को महत्व देते हैं और साझा करते हैं ,और यह कुछ ऐसा है जो दोनों देशों के लोगों और विशेष रूप से उनकी स्थायी नौकरशाही के **सदस्यों** को इस तरह से एकजुट करता है कि बाहरी पर्यवेक्षक शायद ही कभी महसूस करते हैं। दोनों देशों के बीच विशेष रूप से विशेषाधिकार **प्राप्त** रणनीतिक साझेदारी समय के साथ मजबूत और अधिक विविध हो गई है। रक्षा के क्षेत्र में भारत का रूस के साथ पुराना और व्यापक सहयोग रहा है। भारत-रूस सैन्य-तकनीकी सहयोग एक क्रेता-विक्रेता ढांचे से विकसित हुआ है जिसमें उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों और प्रणालियों के संयुक्त अनुसंधान ,विकास और उत्पादन शामिल हैं। ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली के साथ-साथ भारत में एसयू 30-विमान और टी 90-टैंक का लाइसेंस प्राप्त उत्पादन ऐसे प्रमुख सहयोग के उदाहरण हैं।

• सहयोग के प्रमुख क्षेत्र:

- दोनों पक्ष बाहरी अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग में सहयोग करते हैं ,जिसमें उपग्रह प्रक्षेपण ,नेविगेशन सिस्टम ,रिमोट सेंसिंग और बाहरी अंतरिक्ष के अन्य सामाजिक अनुप्रयोग शामिल हैं। गौरतलब है कि भारतीय अंतरिक्ष यात्री ,जो 2024 में एक भारतीय अंतरिक्ष यान में सवार होकर अंतरिक्ष में उड़ान भरेंगे ,ने रूस में बुनियादी प्रशिक्षण प्राप्त किया है ,जो भारत-रूस **दोस्ती** का एक और स्थायी प्रतीक है। परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के क्षेत्र में रूस भारत का एक महत्वपूर्ण भागीदार है। यह भारत को एक त्रुटिहीन **अप्रसार** रिकॉर्ड के साथ उन्नत परमाणु प्रौद्योगिकी वाले देश के रूप में मान्यता देता है। दिसंबर 2014 में ,भारत के डीएई)परमाणु ऊर्जा विभाग (और रूस के रोसाटॉम ने परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग में सहयोग को मजबूत करने के लिए सामरिक दृष्टि पर हस्ताक्षर किए। कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र (KKNPP) रूस के सहयोग से भारत में बनाया जा रहा है।

• ऐतिहासिक पहलू:

- भारत और रूस ने सोवियत काल के दौरान **उच्चतम** स्तरों पर दशकों के घनिष्ठ संबंध साझा किए। हालाँकि ,सोवियत-पश्चात के वर्षों की उथल-पुथल , भारत-रूस संबंधों के माध्यम से भी प्रतिध्वनित हुई ,क्योंकि नव स्थापित रूसी संघ ने अपनी विदेश नीति के **पुनर्निर्माण** की मांग की। सोवियत संघ के पतन के तुरंत बाद के वर्षों में बोरिस येल्तसिन प्रशासन ने पश्चिमी विदेश नीति के उन्मुखीकरण को अपनाया। इस बीच ,भारत के लिए ,यह वह समय था जब उसने अपनी अर्थव्यवस्था को उदार बनाना शुरू किया और व्यापार और निवेश के लिए पश्चिम की ओर देखा। इसलिए ,संयुक्त राज्य अमेरिका) यूएस (के साथ एकमात्र महाशक्ति के रूप में एक बदली हुई विश्व व्यवस्था को समायोजित करते हुए ,दोनों देशों को घरेलू प्राथमिकताओं पर कब्जा कर लिया गया था।
- फिर भी ,भारत और रूस दोनों ने अपने संबंधों को पुनर्जीवित करने के प्रयास किए। 1993 में उन्होंने मैत्री और सहयोग की संधि पर हस्ताक्षर किए , और एक साल बाद उन्होंने सैन्य-तकनीकी सहयोग समझौते के साथ इसका पालन किया। 93-1990 की एक संक्षिप्त अवधि के बाद ,जब हथियारों की बिक्री की मात्रा में भारी गिरावट आई थी ,भारत अंततः रूसी हथियारों का एक प्रमुख आयातक बन जाएगा।

- हालांकि ,आर्थिक संबंधों में कोई समानांतर पुनरुद्धार नहीं हुआ है। 1990 के दशक में ,रुपया-रूबल दर और भारत द्वारा बकाया राशि के पुनर्भुगतान के संबंध में विवाद जारी रहा। रूसी अर्थव्यवस्था की गिरावट ,अन्य तेजी से विकासशील देशों से प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सोवियत राज्य के बाद के कानूनों की अस्पष्टता ,सभी ने रूसी व्यापार में भारत के हिस्से में गिरावट में योगदान दिया। 1996 तक ,भारत के साथ रूस के व्यापार ने रूस के कुल व्यापार में केवल एक प्रतिशत का योगदान दिया।
- सांस्कृतिक और लोगों से लोगों के संपर्क जो सोवियत संघ की अवधि के दौरान फले-फूले थे - नियमित आदान-प्रदान के लिए महत्वपूर्ण धन और छात्रवृत्ति से मजबूत हुए - भी गिर गए। भारत में रूसी भाषा पढ़ाने वाले संस्थानों की संख्या में गिरावट आई है ,साथ ही इन पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों की संख्या में भी गिरावट आई है।
- 2000में व्लादिमीर पुतिन की अध्यक्षता की शुरुआत में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने का एक नया प्रयास किया गया था ,जब भारत और रूस के बीच वार्षिक शिखर सम्मेलन की स्थापना की गई थी। 2010 में ,दोनों देशों के बीच' रणनीतिक साझेदारी पर घोषणा 'के एक दशक को चिह्नित करते हुए ,संयुक्त बयान ने घोषणा की कि संबंध" एक विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के स्तर "पर पहुंच गए हैं।
- हालिया संघर्ष पर भारत की स्थिति
- चल रहे रूस-यूक्रेन संघर्ष के संदर्भ में ,जबकि पश्चिम अपनी बहुपक्षवाद की नीति के अनुसार भारत की संतुलित स्थिति की आलोचना करता रहा है , रूस ने चल रहे संकट पर भारत के रुख के साथ-साथ समझ का प्रदर्शन किया है। भारत में रूस के नव नियुक्त राजदूत डेनिस अलीपोव ने हाल ही में व्यक्त किया कि भारत रूस-यूक्रेन संघर्ष के संबंध में" काफी संतुलित स्थिति "ले रहा है। उन्होंने आगे कहा कि मौजूदा स्थिति सैन्य-तकनीकी क्षेत्र में रूस-भारत सहयोग को प्रभावित नहीं करेगी।
- फार्मास्युटिकल क्षेत्र में ,भारतीय कंपनियां पश्चिमी निर्माताओं द्वारा पैदा की गई शून्य को भर सकती हैं। हाइड्रोकार्बन आपूर्ति पर भारत के साथ सहयोग बढ़ाने की पुष्टि करते हुए ,रूसी राजदूत ने कहा कि यदि नई दिल्ली ने रुचि दिखाई ,तो मॉस्को भारत को अपनी एस 500-प्रणाली बेचने की संभावना का बारीकी से अध्ययन करने के लिए तैयार है।
- दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक सामरिक संबंधों को देखते हुए और यूक्रेन में रूस के" विशेष सैन्य अभियान "की पृष्ठभूमि में ,भारत के साथ बातचीत रूस के लिए महत्वपूर्ण महत्व रखती है। मॉस्को इस स्तर पर भारत के साथ राजनीतिक वार्ता को महत्वपूर्ण मानता है ;और साथ ही यह स्वीकार करता है कि पश्चिमी प्रतिबंधों के विस्तार के साथ ,आर्थिक क्षेत्र में भारत के साथ सहयोग और भी महत्वपूर्ण हो गया है। इसलिए ,रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की भारत यात्रा को न केवल चल रहे ऑपरेशन के आलोक में देखा जाना चाहिए ,बल्कि दीर्घकालिक और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सहयोग स्थापित करने के लिए दोनों देशों के दृष्टिकोण के चश्मे से भी देखा जाना चाहिए। भारत और रूस के बीच संबंधों में एक अनूठी ताकत है जिसने बार-बार दिखाया है कि यह अपने तर्क का पालन करता है और तीसरे देशों के दबाव से मुक्त है।

दृष्टिकोण कैसा होना चाहिए

- बहुआयामी संबंधों को फिर से स्थापित करने की प्रक्रिया लंबी रही है ;इसे क्षेत्रीय और वैश्विक दोनों स्तरों पर भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक बदलावों से भी जूझना पड़ा है। इसके लिए दोनों देशों को भारत-सोवियत संबंधों के पुराने रूमानियत को दूर करने और व्यावहारिक स्तर पर जुड़ने की आवश्यकता है। आज दोनों देशों के बीच मौजूद आपसी विश्वास और दोस्ती को कोई नकार नहीं रहा है। हालांकि ,दोनों देशों के लक्ष्यों में अंतर हाल के दिनों में तेज हुआ है ,जो द्विपक्षीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों कारकों से प्रेरित है - और भारत-रूस संबंधों के भविष्य को गहराई से प्रभावित करने की क्षमता रखता है

न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु

संदर्भ :बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) सहित अधिवक्ता निकाय ,सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

परिचय:

- बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने राज्य बार काउंसिलों और उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ संयुक्त बैठकें करने के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि न्यायाधीशों की आयु में वृद्धि की जानी चाहिए।
- उन्होंने उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की आयु 62 से 65 और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की आयु 65 से 67 वर्ष करने के लिए संशोधन की मांग की।
- वे अपने संकल्प को प्रधान मंत्री और केंद्रीय कानून मंत्री को संप्रेषित करने का इरादा रखते हैं।

- केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री ने संसद को बताया कि सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

पार्श्वभूमि:

- संविधान 2002 ,के कामकाज की समीक्षा करने के लिए राष्ट्रीय आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय दोनों के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाने की सिफारिश की।
- संविधान 114) वां संशोधन (विधेयक 2010 में उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाकर 65 करने के लिए पेश किया गया था। हालांकि ,इसे संसद में विचार के लिए नहीं लिया गया और 15 वीं लोकसभा के विघटन के साथ समाप्त हो गया।
- सुप्रीम कोर्ट के कई न्यायाधीशों ने लंबित मामलों को कम करने के लिए उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाने की भी सिफारिश की है।
- भारत के महान्यायवादी केके वेणुगोपाल ने विभिन्न अवसरों पर सार्वजनिक रूप से इसके समर्थन में आवाज उठाई है।

संवैधानिक प्रावधान:

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद (2)124 के तहत सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष है।
- संविधान के अनुच्छेद (1)217 के अनुसार ,उच्च न्यायालय के न्यायाधीश 62 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं।
- संविधान सभा द्वारा उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु 60 निर्धारित की गई थी ,जिसे बाद में 1963 में एक संवैधानिक संशोधन द्वारा बढ़ाकर 62 कर दिया गया था।
- सेवानिवृत्ति की आयु में वृद्धि की आवश्यकता:
- भारत में जज-जनसंख्या अनुपात दुनिया में सबसे कम 19.66 जजों पर प्रति मिलियन लोगों में से एक है।
- भारत भी बहुत अधिक संख्या में लंबित मामलों का सामना कर रहा है। 2 अगस्त 2022 ,तक भारत के सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों की कुल संख्या 71,411 है।
- यह सेवानिवृत्ति के बाद के कार्यों को भी अनाकर्षक बना देगा और लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए न्यायपालिका की स्वतंत्रता को मजबूत करेगा।
- वैश्विक प्रथाएं:
- संयुक्त राज्य अमेरिका में ,सर्वोच्च न्यायालय का एक न्यायाधीश अपनी मृत्यु तक पद धारण करता है।
- नॉर्वे ,ऑस्ट्रेलिया ,डेनमार्क ,बेल्जियम ,नीदरलैंड और आयरलैंड में सेवानिवृत्ति की निर्धारित आयु 70 वर्ष है।
- जर्मनी में ,यह 68 वर्ष है।
- कनाडा में सेवानिवृत्ति की आयु 75 वर्ष है।

RACE IAS

सामान्य अध्ययन पेपर-III

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह सितंबर 1 से 7 :2022

भारत में हर साल सितंबर के पहले सप्ताह को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के रूप में मनाया जाता है। यह सप्ताह हर साल तक र ंब सित 7 से 1 मनाया जाता है। इस सप्ताह का उद्देश्य स्वस्थ जीवन शैली को बनाए रखने के लिए स्वस्थ भोजन प्रथाओं और उचित पोषण के मूल्य के बारे में आम जनता के बीच जागरूकता बढ़ाना है। सरकार इस पूरे सप्ताह पोषण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम शुरू करती है।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह :2022थीम

इस वर्ष का विषय है "फ्लेवर की दुनिया"। हर साल, राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के हिस्से के रूप में, सरकार एक विशेष विषय भी पेश करती है जो मुख्य रूप से उस वर्ष के विषय पर केंद्रित है। पिछले साल, सरकार ने सप्ताह के लिए इस थीम की घोषणा की शुरू से ही स्मार्ट खिलाना। -

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह :2022महत्व

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह लोगों को स्वस्थ और पौष्टिक भोजन के बारे में शिक्षित करने के लिए मनाया जाता है। भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय का खाद्य और पोषण बोर्ड इस बुनियादी घटना के बारे में लोगों को सूचित करने के लिए राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के वार्षिक सप्ताह भर के उत्सव का आयोजन करता है। मानव शरीर में स्वस्थ आहार के महत्व और भूमिका पर जोर दिया जाता है। स्वस्थ विकास और कार्य के लिए आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार आवश्यक है। भारत सरकार ने ऐसे कार्यक्रम शुरू किए हैं जो अच्छे पोषण, पौष्टिक भोजन और स्वस्थ जीवन शैली पर जोर देते हैं।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताहइतिहास :

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह की स्थापना के सदस्यों द्वारा की गई थी (एडीए) में अमेरिकन डायटेटिक एसोसिएशन 1975, जिसे अब पोषण और आहार विज्ञान अकादमी के रूप में जाना जाता है। इस सप्ताह को अच्छे पोषण के मूल्य और सक्रिय जीवन शैली की आवश्यकता के बारे में आम जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए अलग रखा गया था। जनता से सकारात्मक स्वागत के कारण, में इस सप्ताह का 1980 उत्सव पूरे एक महीने तक खिंच गया। उस दौर में भारत में ज्यादातर लोग कुपोषण की समस्या से जूझ रहे थे। में भारत में पहली बार 1982 राष्ट्रीय पोषण सप्ताह शुरू किया गया था।

मोबाइल बैंकिंग के लिए साइबर खतरा

खबरों में क्यों?

हाल ही में हुए एक अध्ययन के अनुसार, अधिक लोग डिजिटल भुगतान की ओर झुक रहे हैं और उनके स्मार्टफोन के माध्यम से उनके बैंक या बैंक खातों के साथ लोगों की बातचीत की संख्या में वृद्धि हुई है।

§ इसके अलावा, यह त्वरण अपने साथ एक भेद्यता लाता है: मोबाइल उपकरणों पर साइबर हमलों का खतरा बढ़ जाता है।

साइबर खतरे क्या हैं?

§ **करीबन:**

साइबर या साइबर सुरक्षा खतरा एक दुर्भावनापूर्ण कार्य है जो डेटा को नुकसान पहुंचाना, डेटा चोरी करना या सामान्य रूप से डिजिटल जीवन को बाधित करना चाहता है। इसमें कंप्यूटर वायरस, डेटा ब्रीच, डेनियल ऑफ सर्विस (डीओएस) हमले और अन्य हमले वैक्टर शामिल हैं।

§ **विभिन्न प्रकार:**

मैलवेयर: दुर्भावनापूर्ण सॉफ़्टवेयर के लिए मैलवेयर शॉर्ट किसी भी प्रकार के सॉफ़्टवेयर को संदर्भित करता है जो किसी एकल कंप्यूटर, सर्वर या कंप्यूटर नेटवर्क को नुकसान पहुंचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। रैंसमवेयर, स्पाई वेयर, वर्म्स, वायरस और ट्रोजन सभी मैलवेयर की किस्में हैं।

फ़िशिंग: यह भ्रामक ई-मेल और वेबसाइटों का उपयोग करके व्यक्तिगत जानकारी इकट्ठा करने की कोशिश करने का एक तरीका है।

सेवा हमलों से इनकार: एक इनकार-सेवा (डीओएस) हमला एक मशीन या नेटवर्क को बंद करने के लिए एक हमला है, जिससे यह अपने इच्छित उपयोगकर्ताओं के लिए दुर्गम हो जाता है। डॉस हमले यातायात के साथ लक्ष्य को बाढ़ करके, या इसे ऐसी जानकारी भेजकर पूरा करते हैं जो दुर्घटना को ट्रिगर करता है।

ओ मैन-इन-द-मिडिल (एमआईटीएम) हमले, जिसे ईव्सड्रॉपिंग हमलों के रूप में भी जाना जाता है, तब होते हैं जब हमलावर खुद को दो-पक्षीय लेनदेन में सम्मिलित करते हैं। एक बार जब हमलावर ट्रैफिक को बाधित करते हैं, तो वे डेटा को फ़िल्टर और चोरी कर सकते हैं।

ओ सोशल इंजीनियरिंग एक ऐसा हमला है जो आमतौर पर संरक्षित संवेदनशील जानकारी प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं को सुरक्षा प्रक्रियाओं को तोड़ने के लिए मानव संपर्क पर निर्भर करता है।

मोबाइल बैंकिंग पर साइबर खतरों के मुद्दे क्या हैं?

बढ़ते साइबर हमले:

साइबर सुरक्षा फर्म कैस्परस्की के एक अध्ययन में एशिया प्रशांत (एपीएसी) में एंड्रॉइड और आईओएस उपकरणों पर साइबर हमलों में वृद्धि की चेतावनी दी गई है क्योंकि अधिक लोग इस क्षेत्र में मोबाइल बैंकिंग पर स्विच करते हैं।

ट्रोजन और मैलवेयर का उपयोग:

- कैस्परस्की के अनुसार, मोबाइल बैंकिंग ट्रोजन खतरनाक मैलवेयर है जो दुर्भावनापूर्ण एप्लिकेशन को एक वैध ऐप के रूप में प्रच्छन्न करके मोबाइल उपयोगकर्ताओं के बैंक खातों से पैसे चुरा सकता है ताकि अनजान लोगों को मैलवेयर इंस्टॉल करने के लिए लुभाया जा सके।
- उदाहरण के लिए, मोबाइल बैंकिंग ट्रोजन, जिसे अनुबिस कहा जाता है, 2017 से एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं को लक्षित कर रहा है।
    - इसके अलावा, इसके विश्वव्यापी अभियानों ने रूस, तुर्की, भारत, चीन, कोलंबिया, फ्रांस, जर्मनी, अमेरिका, डेनमार्क और वियतनाम में उपयोगकर्ताओं को प्रभावित किया है।

पद्धति:

- अपराधी गूगल प्ले पर वैध दिखने वाले और उच्च रैंकिंग वाले दुर्भावनापूर्ण ऐप, स्मिशिंग (एसएमएस के माध्यम से भेजे गए फ़िशिंग संदेश), और बियानलियन मैलवेयर, एक अन्य मोबाइल बैंकिंग ट्रोजन के माध्यम से डिवाइस को संक्रमित करते हैं।
    - रोमिंग मंटिस मोबाइल बैंकिंग उपयोगकर्ताओं को लक्षित करने वाला एक और विपुल मैलवेयर है।
    - समूह एंड्रॉइड उपकरणों पर हमला करता है और स्मिशिंग कारनामों के माध्यम से डोमेन नाम सिस्टम (डीएनएस) का अपहरण करके दुर्भावनापूर्ण कोड फैलाता है।

इंटरऑपरेबिलिटी मुद्दा:

चूंकि गूगल पे, पेटीएम, फोनपे, स्क्वायर, PayPal और अलीपे जैसे विभिन्न भुगतान प्लेटफार्मों ने मोबाइल बैंकिंग को अपनाकर उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव से लाभउठाया है।

- नतीजतन, उन्होंने अपने लाभ के लिए भुगतान खेल को स्थायी रूप से बदल दिया है।

बंद लूप भुगतान प्रणाली:

- ये प्लेटफॉर्म क्लोज्ड लूप पेमेंट वर्ल्ड में काम कर रहे हैं जहां गूगल पे यूजर केवल सर्च दिग्गज के पेमेंट प्लेटफॉर्म के जरिए दूसरे बैंक अकाउंट में पैसे भेज सकता है।

- यह वीजा और मास्टरकार्ड के संचालन के समान है क्योंकि वे भुगतान लेनदेन को केवल अपने नेटवर्क के भीतर होने देते हैं, एक दूसरे के बीच नहीं।

व्यापार मॉडल में परिवर्तन:

- यह आंशिक रूप से नियामकों द्वारा संचालित होता है जो खुले, मानकीकृत प्लेटफार्मों को पसंद करते हैं जो प्रवेश के लिए बाधाओं को कम करते हैं।
- कुछ देश पहले से ही भुगतान मंच प्रदाताओं को अपने व्यापार मॉडल को बदल रहे हैं।
  - उदाहरण के लिए, चीन ने अपनी इंटरनेट कंपनियों को अपने प्लेटफॉर्म पर अपनी प्रतिद्वंद्वी फर्मों को लिंक और भुगतान सेवाएं प्रदान करने का आदेश दिया है।
  - भारत में, एक नया कानून मांग करता है कि सभी लाइसेंस प्राप्त मोबाइल भुगतान प्लेटफ़ॉर्म वॉलेट के बीच इंटरऑपरेबिलिटी प्रदान करने में सक्षम हों।
- नियामकों की ओर से भुगतान प्लेटफार्मों को इंटरऑपरेबल बनाने पर जोर ऐसे समय में आया है जब तकनीकी विशेषज्ञों की मांग बैंकिंग उद्योग में एक गंभीर चिंता का विषय है।

सुरक्षा विशेषज्ञों की कमी:

- बैंकों द्वारा अपनी डिजिटल आकांक्षाओं को साकार करने के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, डेटा और सुरक्षा विशेषज्ञों की कमी एक बहुत व्यापक समस्या को छिपाने की प्रवृत्ति रखती है: सभी प्रकार की प्रतिभाओं के पहली पसंद नियोक्ता के रूप में बैंकों की अपील फीकी पड़ गई है।

पर्याप्त साइबर सुरक्षा नीति का अभाव:

- पर्याप्त साइबर सुरक्षा की कमी और बैंकिंग में प्रतिभा की कमी संभावित रूप से उपयोगकर्ता उपकरणों पर साइबर हमलों में और वृद्धि का कारण बन सकती है।
  - और जब तक यह बेमेल ठीक नहीं हो जाता है, तब तक भुगतान करने के लिए मोबाइल डिवाइस का उपयोग करते समय सावधान और बेहद सतर्क रहने में मदद मिलती है।

आगे का रास्ता

डिजिटल स्वच्छता का सामान्य अभ्यास जैसे फोन को अप-टू-डेट रखना और नियमित रूप से रिबूट करना।

इसके अलावा, उपभोक्ता यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि वे बैंकिंग के लिए अपने फोन का उपयोग केवल तभी करें जब डिवाइस एक सुरक्षित वीपीएन से जुड़ा हो (वीपीएन "वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क" के लिए खड़ा है और सार्वजनिक नेटवर्क का उपयोग करते समय एक संरक्षित नेटवर्क कनेक्शन स्थापित करने के अवसर का वर्णन करता है) और आईओएस 16 उपयोगकर्ता लॉकडाउन मोड को चालू कर सकते हैं क्योंकि यह डिवाइस की कार्यक्षमता को सीमित करता है और इसे किसी भी संभावित मैलवेयर से बचाता है।

5वां राष्ट्रीय पोषण माह 2022 1 सितंबर से 30 सितंबर तक मनाया जा रहा है

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय 1 सितंबर से 30 सितंबर तक पूरे देश में 5वां राष्ट्रीय पोषण माह 2022 मना रहा है। राष्ट्रीय पोषण माह पोषण और अच्छे स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। माह पोषण और अच्छे स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। 5वें राष्ट्रीय पोषण माह में, प्रधानमंत्री के सुपोषित भारत के सपने को पूरा करने के लिए जन आंदोलन को जनभागीदारी में बदलने का लक्ष्य है। पोषण माह 2022 का केंद्रीय विषय "महिला और स्वास्थ्य" और "बच्चा और शिक्षा" है।

पोषण माह क्या है?

पोषण माह को केंद्र सरकार के प्रमुख कार्यक्रम, पोषण अभियान के हिस्से के रूप में मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए पोषण संबंधी परिणामों में सुधार करना है। 5वें राष्ट्रीय पोषण माह के हिस्से के रूप में, मंत्रालय ने महिलाओं के स्वास्थ्य और बच्चों की शिक्षा पर मुख्य ध्यान देने के साथ ग्राम पंचायतों को पोषण पंचायतों के रूप में शामिल करने की योजना बनाई है।

समग्र पोषण योजना- पोषण अभियान छह साल से कम उम्र के बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए पोषण संबंधी परिणामों में सुधार के लिए सरकार का प्रमुख कार्यक्रम है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 मार्च 2018 को राजस्थान के झुंझुनू से कार्यक्रम की शुरुआत की थी। पोषण अभियान के उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, सरकार ने एक एकीकृत पोषण सहायता कार्यक्रम के रूप में मिशन पोषण 2.0 शुरू किया है।

गतिविधियों को निम्नलिखित प्रमुख उद्देश्यों के साथ आयोजित किया जाएगा:

1. जमीनी स्तर पर पोषण के बारे में जागरूकता फैलाना
2. नागरिकों को पोषण के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए संवेदीकरण अभियान चलाना
3. गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए पहचान और आउटरीच कार्यक्रम
4. छह साल से कम उम्र के बच्चों और किशोरियों के लिए जागरूकता अभियान, शिविर और मेले
5. 'स्वस्थ भारत' के उद्देश्यों पर प्रकाश डालें और इसके बारे में नागरिकों को संवेदनशील बनाने के लिए गतिविधियों की योजना बनाएं।

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने डिजिटल ऋण के लिए दिशानिर्देश जारी किए

- आरबीआई ने उपभोक्ताओं को डेटा गोपनीयता के उल्लंघन, अनुचित व्यावसायिक आचरण, अत्यधिक ब्याज दरों पर शुल्क लगाने और फिनटेक खिलाड़ियों द्वारा अनैतिक वसूली प्रथाओं से बचाने के लिए डिजिटल ऋण देने के मानदंडों को कड़ा किया।
- डिजिटल लेंडिंग में वेब प्लेटफॉर्म या मोबाइल ऐप के माध्यम से उधार देना, प्रमाणीकरण और क्रेडिट मूल्यांकन के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना शामिल है। दिशानिर्देश सभी विनियमित संस्थाओं (आरई) अर्थात वाणिज्यिक बैंकों, प्राथमिक (शहरी) सहकारी बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) आदि पर लागू होते हैं। दिशानिर्देशों की मुख्य विशेषताएं

दिशानिर्देशों की मुख्य विशेषताएं

- सभी ऋण संवितरण / पुनर्भुगतान केवल उधारकर्ता और आरई के बैंक खातों के बीच निष्पादित किए जाने हैं।
- बिना किसी जुर्माने के मूलधन और आनुपातिक वार्षिक प्रतिशत दर का भुगतान करके डिजिटल ऋण से बाहर निकलने के लिए कूलिंग ऑफ / लुक-अप अवधि प्रदान की जाएगी।
- ऋणदाता नाम, ग्राहक का पता आदि जैसी जानकारी संग्रहीत कर सकते हैं जो ऋण को संसाधित करने और वितरित करने और उसके पुनर्भुगतान के लिए आवश्यक हैं।
- डिजिटल लेंडिंग ऐप्स (डीएलए) द्वारा उधारकर्ता की बायोमेट्रिक जानकारी संग्रहीत नहीं की जा सकती है।
- आरई सभी डिजिटल उधार उत्पादों के लिए एक मानकीकृत प्रारूप में अनुबंध के निष्पादन से पहले उधारकर्ता को एक मुख्य तथ्य विवरण (केएफएस) प्रदान करेंगे।
- सीआईसी (विनियमन) अधिनियम, 2005 और अन्य के अनुसार क्रेडिट सूचना कंपनियों (सीआईसी) को सभी उधार की रिपोर्टिंग।

सम्बंधित खबर

- ऋण को और अधिक कुशल बनाने के लिए, उधारकर्ताओं की लागत कम करने और टर्नअराउंड समय के लिए, RBI ने किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) उधार के एंड-टू-एंड डिजिटलीकरण के लिए पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए हैं।
- पायलट प्रोजेक्ट मध्य प्रदेश और तमिलनाडु के चुनिंदा जिलों में क्रमशः यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और फेडरल बैंक के साथ चलेगा।

सागरमाला परियोजना

भारत में बंदरगाह के नेतृत्व वाले विकास को बढ़ावा देने के लिए 2015 में कैबिनेट की मंजूरी के बाद भारत सरकार द्वारा सागरमाला परियोजना शुरू की गई है। इस परियोजना का लक्ष्य देश की 7500 किलोमीटर लंबी तटरेखा का दोहन करना है ताकि इसकी आर्थिक क्षमता का पता लगाया जा सके। यह परियोजना बंदरगाहों से जल्दी, कुशलता से और लागत प्रभावी ढंग से माल परिवहन के लिए बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने का भी प्रयास करती है।

सागरमाला परियोजना घटक

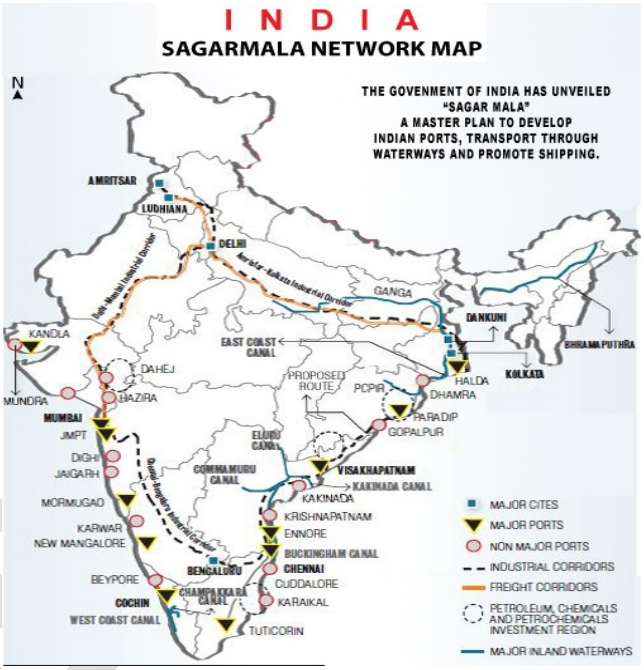

- पोर्ट आधुनिकीकरण और नया बंदरगाह विकास - मौजूदा बंदरगाहों की क्षमता का विस्तार और नए बंदरगाहों का विकास
- पोर्ट कनेक्टिविटी एन्हांसमेंट - घरेलू जलमार्गों सहित मल्टी-मोडल लॉजिस्टिक्स समाधानों के माध्यम से पोर्ट-इन्टरलैंड कनेक्टिविटी में सुधार, लागत और कार्गो की आवाजाही के समय का अनुकूलन
- पोर्ट-लिंक्ड औद्योगीकरण - बंदरगाहों के करीब औद्योगिक क्लस्टर विकसित करना और तटीय आर्थिक क्षेत्र विकसित करना
- तटीय सामुदायिक विकास - कौशल विकास और आजीविका सृजन गतिविधियों, मत्स्य विकास, तटीय पर्यटन आदि के माध्यम से तटीय समुदायों के सतत विकास को बढ़ावा देना।
- तटीय नौवहन और अंतर्देशीय जलमार्ग परिवहन - स्थायी अंतर्देशीय और तटीय जलमार्ग मोड के माध्यम से कार्गो को स्थानांतरित करने के लिए।

सागरमाला परियोजना के उद्देश्य

एक्जिम की रसद लागत में कमी सागरमाला परियोजना का विजन है। परियोजना के उद्देश्य हैं:-

- मोडल मिक्स को इष्टतम करके घरेलू कार्गो के परिवहन की लागत को कम करना।
- थोक वस्तुओं की रसद लागत को कम करने के लिए तटों के पास भविष्य की औद्योगिक क्षमताओं की पहचान करना।
- निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए बंदरगाहों के करीब असतत विनिर्माण क्लस्टर विकसित करना।
- निर्यात-आयात कंटेनर संचलन की समय-लागत का अनुकूलन।
- परियोजना बुनियादी ढांचे में अनुकूलित निवेश के माध्यम से घरेलू कार्गो की रसद लागत को कम करने का भी प्रयास करती है। यह योजना 40 लाख नए प्रत्यक्ष रोजगार और 60 लाख नए अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित करने का भी प्रयास करती है।

सागरमाला डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड

- सागरमाला डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (एसडीसीएल), 2016 में स्थापित, सागरमाला परियोजना की राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना से उत्पन्न परियोजनाओं को विकसित और तैयार करती है। SDCL को कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत शामिल किया गया है।
- एसडीसीएल के उद्देश्य हैं: -
- यह उन परियोजनाओं को विकसित करता है जो एनपीपी के तहत तैयार की जाती हैं।
- केंद्र, राज्य सरकार या राज्य समुद्री बोर्डों या बंदरगाहों द्वारा सागरमाला परियोजना के साथ संरेखित परियोजनाओं के लिए निर्धारित विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) एसडीसीएल द्वारा समर्थित हैं।

- यह अवशिष्ट परियोजनाओं को वित्त पोषण विंडो प्रदान करता है और परियोजना की आवश्यकता के अनुसार धन भी जुटाता है।
- एसडीसीएल एनपीपी के तहत पहचाने जाने वाले तटीय आर्थिक क्षेत्रों (सीईजेड) के लिए एक विस्तृत मास्टर प्लान बनाता है।

तटीय आर्थिक क्षेत्र

सागरमाला परियोजना को लागू करने के लिए, तटीय आर्थिक क्षेत्र (सीईजेड) कहे जाने वाले संभावित भौगोलिक क्षेत्रों की पहचान करने के लिए संपूर्ण समुद्र तट के लिए एक राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) तैयार की गई है। सीईजेड में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर में सागरमाला परियोजना से काफी सुधार होने की उम्मीद है।

भारत 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है

हाल ही में, भारतीय स्टेट बैंक (SBI) ने एक शोध रिपोर्ट जारी की जिसमें कहा गया है कि भारत के 2029 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है।

हाइलाइट

- रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत 2014 के बाद से एक बड़े संरचनात्मक परिवर्तन से गुजरा है (जब यह 10 वें स्थान पर था) और अब यूनाइटेड किंगडम को पछाड़कर 5 वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।
- इस बात की भी संभावना है कि भारत 2027 तक जर्मनी और 2029 तक जापान से आगे निकल जाएगा। भारत डॉलर के मामले में अर्थव्यवस्था के आकार के मामले में केवल 5 देशों (यूएसए, चीन, जापान और जर्मनी) से पीछे है।
- भारत के सकल घरेलू उत्पाद का हिस्सा अब 3.5% है, जो 2014 में 2.6% था और 2027 में 4% को पार करने की संभावना है। वैश्विक जीडीपी पर जर्मनी की रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि भारत को लाभ होने की संभावना है क्योंकि चीन नए निवेश इरादों के मामले में धीमा है।
- सशक्तिकरण का व्यापक-आधारित विकास भारत की प्रति व्यक्ति आय को मौजूदा स्तरों से भी ऊपर उठाएगा और बेहतर कल के लिए एक बल गुणक के रूप में भी कार्य कर सकता है।

वेंचराइज: कर्नाटक स्टार्टअप चैलेंज

कर्नाटक सरकार ने हाल ही में "VentuRISE" - ग्लोबल स्टार्टअप चैलेंज लॉन्च किया है, जो विनिर्माण और स्थिरता से संबंधित क्षेत्रों में विकास चरण के स्टार्टअप को पहचानने, पुरस्कृत करने और समर्थन करने के लिए है। स्टार्टअप चैलेंज 2 से 4 नवंबर 2022 तक आयोजित होने वाले बैंगलोर पैलेस फ्लैगशिप इवेंट का एक हिस्सा है।

हाइलाइट

- यह वैश्विक चुनौती दुनिया भर में उभरते उद्यमियों को दुनिया भर के उद्यमियों को अपने उत्पाद/समाधान प्रदर्शित करने और अपने उद्यमों को समर्थन देने के लिए एक मजबूत नेटवर्क बनाने का अवसर प्रदान करेगी।
- चुनौती अगले दो महीनों के लिए क्षेत्र में विशेषज्ञों द्वारा आयोजित एक स्क्रीनिंग और चयन प्रक्रिया के माध्यम से विनिर्माण और स्थिरता से संबंधित क्षेत्रों में स्टार्टअप पर केंद्रित होगी।
- इसके विजेताओं के लिए 1,00,000 अमेरिकी डॉलर का नकद पुरस्कार निर्धारित किया गया है। विजेताओं को ग्राहकों तक पहुंच, इन्वेस्ट कर्नाटक में विशेष पिच सत्र और एक निवेशक बैठक और उसी पर क्यूरेट मेंटरिंग सत्र की सुविधा मिलती है। मार्की पीई, वीसी और एंजेल निवेशकों के भाग लेने की उम्मीद है।

भारत बना दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

- **खबरों में क्यों?**
- हाल ही में भारत यूनाइटेड किंगडम को पछाड़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अब, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी ही ऐसे देश हैं जिनकी अर्थव्यवस्था भारत से बड़ी है।

- अनिश्चितताओं से भरी दुनिया में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6-6.5% की वृद्धि नई सामान्य है और भारत 2029

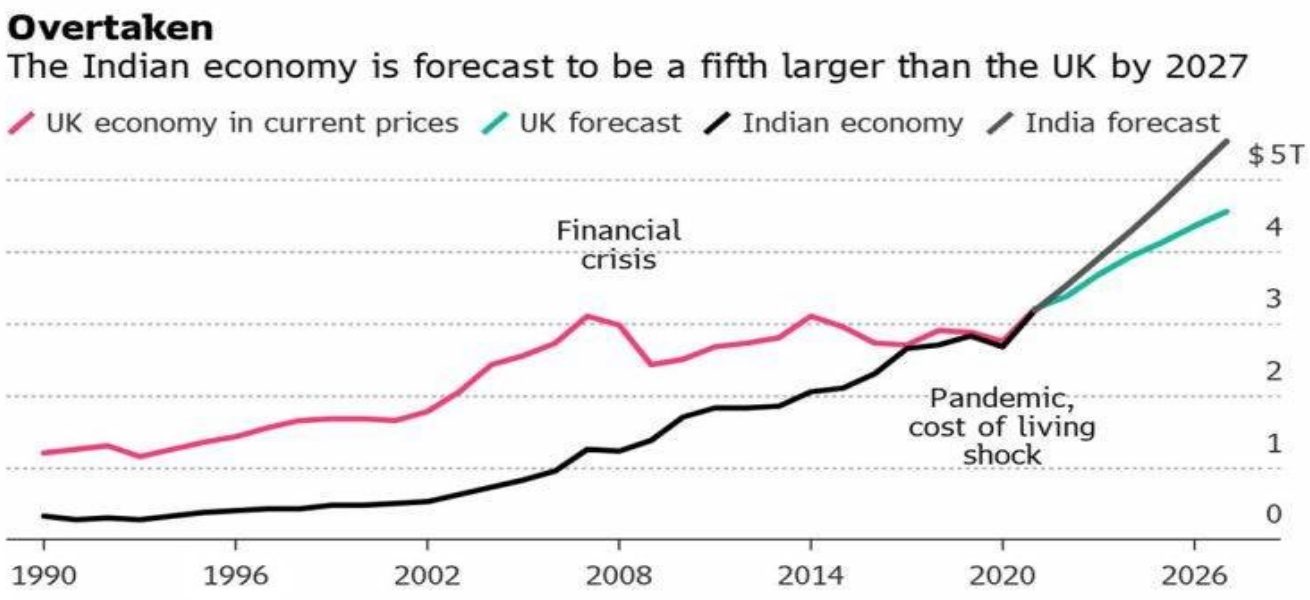

तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है।

- **<u>इस उपलब्धि की मुख्य विशेषताएं क्या हैं?</u>**
- **नया मील का पत्थर:**
- दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक को पीछे छोड़ना, विशेष रूप से दो शताब्दियों तक भारतीय उपमहाद्वीप पर शासन करने वाली अर्थव्यवस्था, एक प्रमुख मील का पत्थर है।
- **अर्थव्यवस्था का आकार:**
- मार्च, 2022 की तिमाही में 'नाममात्र' नकद शर्तों में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 854.7 बिलियन अमरीकी डॉलर था जबकि यूके के लिए 816 बिलियन अमरीकी डॉलर था।
- **यूनाइटेड किंगडम के साथ तुलना:**
- **जनगणना:**
- 2022 तक, भारत की जनसंख्या 1.41 बिलियन है जबकि यूके की जनसंख्या 68.5 मिलियन है।

कैबिनेट ने प्रधानमंत्री श्री योजना को मंजूरी दी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया योजना (एसएचआरआई) को मंजूरी दी, जो एक नई केंद्र प्रायोजित योजना है जिसका उद्देश्य देश भर में सभी प्रकार की सरकारों द्वारा प्रबंधित किए जा रहे चुनिंदा मौजूदा स्कूलों को मजबूत करके देश भर में 14500 से अधिक स्कूलों का विकास करना है।

<u>यह कैसे प्रभाव डालता है</u>

पीएम श्री स्कूलों का उद्देश्य छात्रों के संज्ञानात्मक विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रदान करना और 21 वीं सदी के प्रमुख कौशल से लैस समग्र और अच्छी तरह से गोल व्यक्तियों का निर्माण और पोषण करना है। वे शिक्षा द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सभी घटकों को एक समान, समावेशी और आनंदमय स्कूल वातावरण में प्रदर्शित करेंगे जो विविध पृष्ठभूमि, बहुभाषी आवश्यकताओं और बच्चों की विभिन्न शैक्षणिक क्षमताओं का ध्यान रखता है।

इसका क्या उद्देश्य है

पीएम श्री स्कूलों में हर कक्षा में प्रत्येक बच्चे के सीखने के परिणामों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा और छात्रों का मूल्यांकन वास्तविक जीवन की स्थितियों में वैचारिक समझ और ज्ञान के अनुप्रयोग पर आधारित होगा। छात्रों का मूल्यांकन एक स्कूल क्वालिटी असेसमेंट फ्रेमवर्क (एसक्यूएएफ) के माध्यम से किया जाएगा जिसे विकसित किया जा रहा है। यह परिणामों को मापने के लिए प्रमुख प्रदर्शन संकेतक निर्दिष्ट करेगा। इन स्कूलों में रोजगार क्षमता बढ़ाने और बेहतर रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए सेक्टर स्किल काउंसिल और स्थानीय उद्योग के साथ जुड़ाव का पता लगाया जाएगा।

ग्रीन इंफ्रा पर फोकस

इस योजना के तहत, पीएम श्री स्कूलों को ग्रीन स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसमें सौर पैनल और एलईडी लाइट, प्राकृतिक खेती के साथ पोषण उद्यान, अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक मुक्त, जल संरक्षण और कटाई, परंपराओं का अध्ययन जैसे पर्यावरण के अनुकूल पहलुओं को शामिल करना होगा। /पर्यावरण की सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन से संबंधित हैकाथॉन और एक स्थायी जीवन शैली अपनाने के लिए जागरूकता पैदा करने से संबंधित अभ्यास।

पीएम श्री स्कूलों का चयन

अनुकरणीय स्कूल बनने के लिए स्कूलों को एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करनी होगी। पीएम श्री स्कूलों का चयन चैलेंज मोड के माध्यम से किया जाएगा जिसके लिए स्कूलों को ऑनलाइन पोर्टल पर स्वयं आवेदन करना होगा। योजना के पहले दो वर्षों में ऑनलाइन पंजीकरण के लिए हर तिमाही में एक बार पोर्टल साल में चार बार खोला जाएगा। पीएम श्री योजना में स्कूलों के चयन के लिए तीन चरणों की आवश्यकता होगी:

1) संबंधित राज्य/केंद्र शासित प्रदेश एनईपी को पूरी तरह से लागू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करेंगे और फिर केंद्र इन स्कूलों को समर्थन देने और निर्दिष्ट गुणवत्ता आश्वासन प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्धताओं को पूरा करेगा।
2) जो स्कूल पीएम श्री योजना के तहत चयनित होने के योग्य हैं, उनकी पहचान यूडीआईएसई+ डेटा के माध्यम से निर्धारित न्यूनतम बेंचमार्क के आधार पर की जाएगी।
3) चिन्हित स्कूल चुनौती की स्थिति को पूरा करने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे शर्तों की पूर्ति को राज्यों/केवीएस/जेएनवी द्वारा भौतिक निरीक्षण के माध्यम से प्रमाणित किया जाएगा।

प्रति ब्लॉक/यूएलबी अधिकतम दो विद्यालयों एक प्राथमिक और एक माध्यमिक/वरिष्ठ माध्यमिक का चयन किया जाएगा। पीएम श्री योजना को कुल 27360 करोड़ रुपये की लागत से लागू किया जाएगा, जिसमें से केंद्र रुपये का वहन करेगा। वर्ष 2022-23 से 2026-27 तक पांच वर्षों की अवधि के लिए 18128 करोड़।

नीति आयोग ने पोषण पर चौथी प्रगति रिपोर्ट जारी की (प्रधानमंत्री की समग्र पोषण के लिए व्यापक योजना) अभियान

पोषण अभियान के बारे में

भारत सरकार ने मिशन-मोड में कुपोषण के खिलाफ राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करने और कार्रवाई करने के लिए 2018 में अपना प्रमुख कार्यक्रम पोषण (समग्र पोषण के लिए प्रधान मंत्री की व्यापक योजना) अभियान शुरू किया।

Figure 2: Pillars of POSHAN Abhiyaan

पोषण अभियान बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं और किशोरों के लिए पोषण संबंधी परिणामों में सुधार के लिए भारत सरकार का प्रमुख कार्यक्रम है।

पोषण अभियान के उद्देश्य चौथी प्रगति रिपोर्ट:

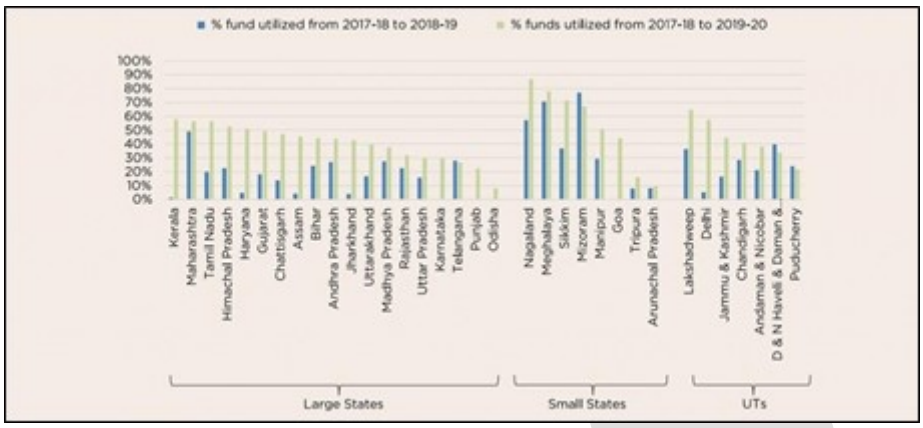

1. प्रासंगिक डेटा का उपयोग करते हुए सभी पोषण अभियान हस्तक्षेपों को शुरू करने की अब तक की प्रगति की जांच करें।

2. कोविड-19 महामारी के संदर्भ में पोषण एजेंडा पर प्रगति को बनाए रखने के महत्व पर चर्चा करें; तथा

3. भारत के पोषण लक्ष्यों की दिशा में प्रगति में तेजी लाने के लिए प्रमुख कार्यों की सिफारिश करना।

रिपोर्ट में पोषण अभियान योजना के पांच प्रमुख तत्वों को सूचीबद्ध किया गया है:

1. एक बच्चे के जीवन के पहले 1,000 दिनों में हस्तक्षेपों का एक उच्च-प्रभाव वाला पैकेज वितरित करें

2. प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के माध्यम से इन हस्तक्षेपों के वितरण को सुदृढ़ बनाना

3. फ्रंटलाइन वर्कर्स की क्षमता में सुधार

4. कुपोषण की बहु-आयामी प्रकृति को संबोधित करने के लिए क्रॉस-सेक्टरल अभिसरण को सुगम बनाना

5. व्यवहार में बदलाव और सामुदायिक लामबंदी को बढ़ाएं

रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष

- मोबाइल फोन के खराब वितरण और विकास निगरानी उपकरणों के साथ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) कम फंड उपयोग वाले लोगों के रूप में उभरे।
- इस योजना के लिए 2017-18 से 9,046.17 करोड़ रुपये का तीन साल का बजट रखा गया है। आधे से ज्यादा फंड (60 फीसदी) 31 मार्च, 2020 तक अप्रयुक्त रहे।
- केवल तीन राज्यों ने 2017-2018 और 2018-2019 के बीच अपने पोषण अभियान निधि के 50 प्रतिशत से अधिक का उपयोग किया था। यह 2017-2019 और वित्त वर्ष 2019-2020 के बीच मामूली सुधार होकर 12 हो गया।
- नागालैंड (87 प्रतिशत), मेघालय (78 प्रतिशत), सिक्किम (71 प्रतिशत), मिजोरम (67 प्रतिशत) और लक्षद्वीप (65 प्रतिशत) ने 2019-2020 के अंत तक धन के अधिकतम अनुपात का उपयोग किया था।
- वित्त वर्ष 2018-19 और वित्त वर्ष 2017-18 और वित्त वर्ष 2019-20 तक उपयोग की गई प्रतिशत निधि की राज्य-वार तुलना
- पंजाब (22 फीसदी), पुडुचेरी (22 फीसदी), त्रिपुरा (16 फीसदी), अरुणाचल प्रदेश (9 फीसदी) और ओडिशा (8 फीसदी) सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले रहे।
- अधिकांश राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में उपयोग की जा रही निधियों की संख्या में 35 में से 30 में सुधार हुआ है। तेलंगाना, मिजोरम, दमन और दीव, दादरा और नगर हवेली और पुडुचेरी में इसमें कमी आई है।

मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) के कार्यालय द्वारा शुरू की गई इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी (पश्चिम) में महिलाएं

शिक्षक दिवस के अवसर पर, भारतीय विज्ञान प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग सुविधाओं के मानचित्र (आई-एसटीईएम) ने वैज्ञानिक रूप से इच्छुक महिलाओं के प्रयासों को मजबूत करने के लिए एक पहल शुरू की। यह इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी (पश्चिम) में महिलाओं का समर्थन करने के लिए एक विशेष अभियान है।

• पिछली प्रगति रिपोर्टों की तुलना में पोषण अभियान हस्तक्षेपों को पूरा करने की तैयारी और क्षमताओं में सुधार हुआ है। मानव संसाधन, बुनियादी ढांचे, आपूर्ति, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण जैसे अन्य संकेतकों का आकलन करके इसे उजागर किया गया है।

I-STEM is inviting researchers specially scientifically inclined women to join the event on occasion of Teachers Day 2022 at 11am. **@PMOIndia @iiscbangalore @PrinSciAdvGoI @TheScientistLLC @AjaySoodIISc**

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी)

2019 में शुरू किया गया राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP), 122 शहरों में बेहतर वायु गुणवत्ता के लिए भारत का प्रमुख कार्यक्रम है।

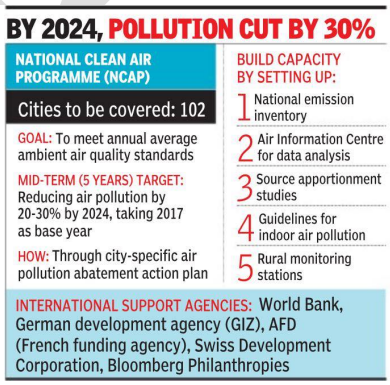

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) को संशोधित करने का निर्देश दिया है, जो 2024 तक वायु प्रदूषण में 20-30% की कमी का प्रस्ताव करता है।

एनसीएपी के प्रमुख बिंदु

- इसे MoEFCC द्वारा जनवरी 2019 में लॉन्च किया गया था।
- समयबद्ध कमी लक्ष्य के साथ वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय ढांचा तैयार करने का देश में यह पहला प्रयास है।
- यह अगले पांच वर्षों में मोटे (व्यास 10 माइक्रोमीटर या उससे कम, या पीएम 10 के कण पदार्थ) और महीन कणों (व्यास 2.5 माइक्रोमीटर या उससे कम, या पीएम 2.5 के कण पदार्थ) की एकाग्रता में कम से कम 20% की कटौती करना चाहता है, तुलना के लिए आधार वर्ष 2017 के साथ।
- इस योजना में 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 102 गैर-प्राप्ति शहर शामिल हैं, जिनकी पहचान केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने 2011 और 2015 के बीच उनके परिवेशी वायु गुणवत्ता डेटा के आधार पर की थी।
- गैर-प्राप्ति वाले शहर: ये वे शहर हैं जो पांच वर्षों से अधिक समय से राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों (NAAQS) से कम हैं।

एनजीटी के बारे में

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल

- यह पर्यावरण संरक्षण और वनों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से संबंधित मामलों के प्रभावी और शीघ्र निपटान के लिए राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम, 2010 के तहत स्थापित एक विशेष निकाय है।
- यह भारत के अनुच्छेद 21 के संवैधानिक प्रावधान से प्रेरणा लेता है, जो भारत के नागरिकों को स्वस्थ पर्यावरण का अधिकार देता है।

- मूल क्षेत्राधिकार: यह "पर्यावरण से संबंधित पर्याप्त प्रश्न" और "विशिष्ट गतिविधि के कारण पर्यावरण को नुकसान" के मामलों से संबंधित है।
- यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करता है।
- एनजीटी को आवेदनों या अपीलों को दाखिल करने के 6 महीने के भीतर अंतिम रूप से निपटाने के लिए अनिवार्य है।
- एनजीटी में पांच बैठकें हैं, नई दिल्ली बैठने का प्रमुख स्थान है और भोपाल, पुणे, कोलकाता और चेन्नई अन्य चार स्थान हैं।

सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर प्रगति: जेंडर स्नैपशॉट 2022 रिपोर्ट

- रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र महिला द्वारा शुरू की गई थी, जो लैंगिक समानता और संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग (यूएन डीईएसए) के लिए काम करती है।
- रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं प्रगति की वर्तमान दर पर पूर्ण लैंगिक समानता प्राप्त करने में 286 वर्ष लगेंगे। 2022 के अंत तक, 368 मिलियन पुरुषों और लड़कों की तुलना में लगभग 383 मिलियन महिलाएं और लड़कियां अत्यधिक गरीबी (प्रति दिन $ 1.90 से कम पर) में जी रही होंगी।
- 1.2 अरब से अधिक महिलाएं और प्रजनन आयु (15-49) की लड़कियां सुरक्षित गर्भपात तक पहुंच पर कुछ प्रतिबंधों वाले देशों और क्षेत्रों में रहती हैं।
- दुनिया भर में विज्ञान, इंजीनियरिंग और सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की हर 10 नौकरियों में महिलाओं के पास केवल 2 नौकरियां हैं।
- COVID-19 महामारी और उसके बाद, हिंसक संघर्ष और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियां लैंगिक असमानताओं को और बढ़ा रही हैं।
- सिफारिशें लिंग समानता एजेंडा में सहयोग, भागीदारी और निवेश पाठ्यक्रम को सही करने और लैंगिक समानता को वापस पटरी पर लाने के लिए आवश्यक हैं।
- 2030 तक बाल विवाह को समाप्त करने के लिए पिछले दशक की प्रगति की तुलना में प्रगति 17 गुना तेज होनी चाहिए। लैंगिक समानता, कानूनों और प्रथाओं के लिए दीर्घकालिक संरचनात्मक बाधाओं को दूर करने और समाप्त करने की आवश्यकता है।

राजस्थान शहरी रोजगार गारंटी (यूईजी) योजना शुरू करेगा

- यूईजी योजना महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की तर्ज पर शहरी क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को 100 दिनों का रोजगार प्रदान करेगी।
- योजना के तहत पर्यावरण और जल संरक्षण, स्वच्छता और स्वच्छता, संपत्ति के विरूपण को रोकने, सेवा से संबंधित कार्यों, अभिसरण कार्य और विरासत संरक्षण के क्षेत्रों में रोजगार प्रदान किया जाएगा।
- यूईजी योजना की मुख्य विशेषताएं 18 से 60 आयु वर्ग के लोग इस योजना के लिए पात्र हैं। 15 दिनों के भीतर लाभार्थी के बैंक खातों में भुगतान कर दिया जाएगा।
- यूईजी योजना की आवश्यकता आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण 2019-20 के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों (4%) की तुलना में शहरी क्षेत्रों में उच्च बेरोजगारी दर (7%) है। शहरी गरीबों में बढ़ता संकट।
- भारतीय कस्बों और शहरों में कम वेतन, खराब गुणवत्ता, अनौपचारिक काम की व्यापकता।
- बढ़ती शहरी आबादी। यूईजी योजना से जुड़ी चुनौतियां मनरेगा जैसे शहरी क्षेत्रों के लिए राष्ट्रीय स्तर की कानूनी कार्य गारंटी योजना का अभाव।
- वित्तीय और मानवीय क्षमता की कमी के कारण शहरी स्थानीय निकायों की सीमित भूमिका। अनौपचारिक रोजगार के प्रभुत्व के कारण सामाजिक सुरक्षा का अभाव।

प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) की दूसरी वर्षगांठ मनाई गई

हाल ही में, प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) की दूसरी वर्षगांठ मनाई गई। PMMSY को भारत में मत्स्य पालन क्षेत्र के सतत और जिम्मेदार विकास के माध्यम से नीली क्रांति लाने के लिए 2020 में (मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय द्वारा) लॉन्च किया गया था।

पीएमएसएसवाई क्या है?

PMMSY को भारत सरकार द्वारा 'आत्मनिर्भर भारत' पैकेज के हिस्से के रूप में रुपये के निवेश के साथ पेश किया गया था। 20,050 करोड़, मत्स्य क्षेत्र में अब तक का सबसे अधिक निवेश।

मछुआरों को बीमा कवर, वित्तीय सहायता और किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा भी प्रदान की जाती है।

PMMSY का उद्देश्य ग्रामीण संसाधनों का उपयोग करके ग्रामीण विकास के उद्देश्य से और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ावा देना है।

- मत्स्य पालन क्षेत्र में PMMSY का मुख्य आदर्श वाक्य 'रिफॉर्म, परफॉर्म एंड ट्रांसफॉर्म' है।
- पीएमएमएसवाई योजना में सुधार और पहलों को इसमें शामिल किया गया है:
- कोर और ट्रंक इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट
- जैसे प्रयासों को शुरू करके भारतीय मत्स्य पालन का आधुनिकीकरण:
- नए मछली पकड़ने के बंदरगाहों / लैंडिंग केंद्रों के लिए धक्का
- पारंपरिक मछुआरों के शिल्प-ट्रॉलर-गहरे समुद्र में जाने वाले जहाजों का आधुनिकीकरण और मशीनीकरण
- फसल कटाई के बाद के नुकसान को कम करने के लिए कटाई उपरांत सुविधाओं का प्रावधान
- कोल्ड चेन सुविधाएं
- स्वच्छ और स्वच्छ मछली बाजार
- बर्फ के डिब्बे वाले दुपहिया वाहन

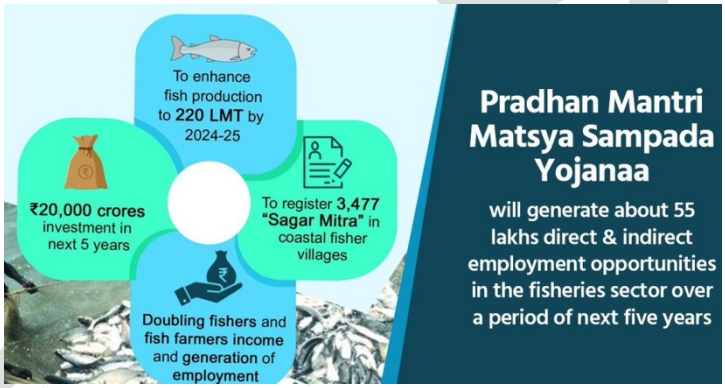

कार्यान्वयन:

इसे दो अलग-अलग घटकों के साथ एक छत्र योजना के रूप में लागू किया गया है: -

1. केंद्रीय क्षेत्र योजना: परियोजना की लागत केंद्र सरकार द्वारा वहन की जाएगी।

2. केंद्र प्रायोजित योजना: सभी उप-घटक/गतिविधियां राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा कार्यान्वित की जाएंगी और लागत केंद्र और राज्य के बीच साझा की जाएगी।

पीएमएमएसवाई की उपलब्धियां

- वर्ष 2021-22 के दौरान मछली उत्पादन 161.87 लाख टन के अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।
- 74% मछली उत्पादन में अंतर्देशीय मत्स्य पालन और 26% समुद्री मत्स्य पालन द्वारा योगदान दिया गया था। 7.76 बिलियन अमरीकी डालर (2021-22) का सर्वकालिक उच्च निर्यात हासिल किया

चिमेरिक एंटीजन रिसेप्टर (सीएआर) टी-सेल थेरेपी

परिचय

- प्रतिरक्षा प्रणाली संक्रमण और कैंसर के खिलाफ शरीर की रक्षा है। यह अरबों कोशिकाओं से बना है जो कई अलग-अलग प्रकारों में विभाजित हैं।

- लिम्फोसाइट्स, सफेद रक्त कोशिकाओं का एक उपप्रकार, प्रतिरक्षा प्रणाली का एक बड़ा हिस्सा होता है। लिम्फोसाइट्स तीन प्रकार के होते हैं-
  - बी लिम्फोसाइट्स (बी कोशिकाएं) संक्रमण से लड़ने के लिए एंटीबॉडी बनाती हैं।
  - टी लिम्फोसाइट्स (टी कोशिकाएं) के कई कार्य हैं, जिसमें बी लिम्फोसाइटों को संक्रमण से लड़ने के लिए एंटीबॉडी बनाने में मदद करना और शरीर में सीधे संक्रमित कोशिकाओं को मारना शामिल है।
  - प्राकृतिक हत्यारे कोशिकाएं भी संक्रमित कोशिकाओं पर हमला करती हैं और वायरस को खत्म करती हैं।

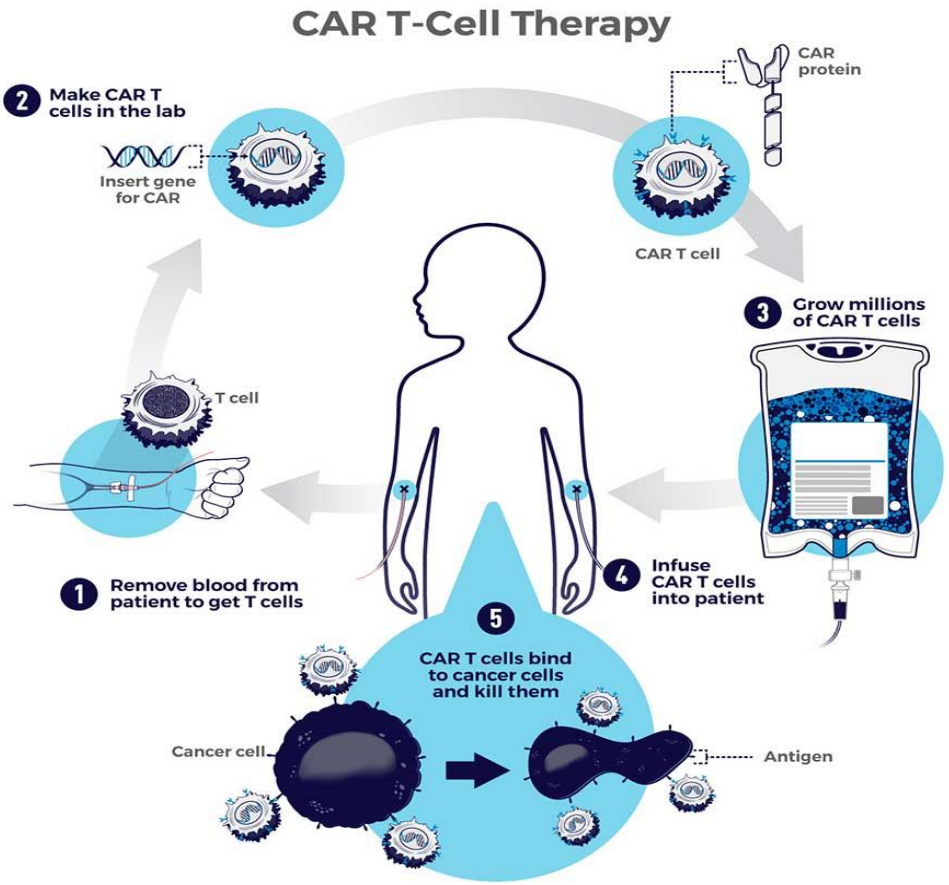

Immunotherapy

- एक प्रकार का उपचार है जो कैंसर से लड़ने के लिए शरीर की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली का उपयोग करता है
- कैंसर कोशिकाओं का पता लगाने और उन्हें मारने की शरीर की क्षमता में सुधार इस अवधारणा पर आधारित है कि प्रतिरक्षा कोशिकाएं या एंटीबॉडी कैंसर कोशिकाओं को पहचान सकती हैं और उन्हें मार सकती हैं।
- प्रतिरक्षा कोशिकाओं या एंटीबॉडी को प्रयोगशाला में कड़ाई से नियंत्रित परिस्थितियों में उत्पादित किया जा सकता है और फिर रोगियों को कैंसर के इलाज के लिए दिया जा सकता है। विभिन्न प्रकार के कैंसर के उपचार में उनकी प्रभावशीलता को निर्धारित करने के लिए कई प्रकार की इम्यूनोथेरेपी या तो उपयोग के लिए अनुमोदित हैं या नैदानिक परीक्षणों में अध्ययन के अधीन हैं।

टी कोशिकाओं को एक मरीज से एकत्र किया जाता है। टी कोशिकाओं को एफेरेसिस के माध्यम से एकत्र किया जाता है, एक प्रक्रिया जिसके दौरान शरीर से रक्त निकाला जाता है और एक या अधिक रक्त घटकों (जैसे प्लाज्मा, प्लेटलेट्स या सफेद रक्त कोशिकाओं) को हटा दिया जाता है। फिर बचा हुआ खून शरीर में वापस कर दिया जाता है।

टी कोशिकाओं को एक प्रयोगशाला में फिर से तैयार किया जाता है। कोशिकाओं की सतह पर काइमेरिक एंटीजन रिसेप्टर्स (सीएआर) का उत्पादन करने के लिए, टी कोशिकाओं को एक प्रयोगशाला या दवा निर्माण सुविधा में भेजा जाता है, जहां उन्हें डीएनए पेश करके आनुवंशिक रूप से इंजीनियर किया जाता है।

इस पुनर्रचना के बाद, टी कोशिकाओं को "काइमेरिक एंटीजन रिसेप्टर (सीएआर) टी कोशिकाओं" के रूप में जाना जाता है। सीएआर प्रोटीन होते हैं जो टी कोशिकाओं को लक्षित ट्यूमर कोशिकाओं पर एंटीजन को पहचानने की अनुमति देते हैं।

फिर से इंजीनियर सीएआर टी कोशिकाओं को गुणा किया जाता है। प्रयोगशाला में बढ़ती कोशिकाओं द्वारा रोगी की आनुवंशिक रूप से संशोधित टी कोशिकाओं की संख्या "विस्तारित" होती है। जब उनमें से पर्याप्त होते हैं, तो इन सीएआर टी कोशिकाओं को जमे हुए होते हैं और अस्पताल या केंद्र में भेजा जाता है जहां रोगी का इलाज किया जा रहा है।

अस्पताल या उपचार केंद्र में, सीएआर टी कोशिकाओं को पिघलाया जाता है और फिर रोगी में डाला जाता है। कई रोगियों को एक या एक से अधिक कीमोथेरेपी एजेंटों का एक संक्षिप्त कोर्स दिया जाता है, जिसे "लिम्फोडेप्लेशन" कहा जाता है, इससे पहले कि वे सीएआर टी कोशिकाओं का जलसेक प्राप्त करते हैं। सीएआर टी कोशिकाएं जो रोगी के रक्तप्रवाह में वापस आ गई हैं, संख्या में कई गुना बढ़ जाती हैं। ये "हमलावर" कोशिकाएं हैं जो उन कोशिकाओं को पहचानती हैं और हमला करती हैं जिनकी सतह पर लक्षित एंटीजन होता है।

सीएआर टी कोशिकाएं पुनरावृत्ति से बचाव में मदद कर सकती हैं। सीएआर टी कोशिकाएं सभी कैंसर कोशिकाओं को मिटा सकती हैं और जलसेक पूरा होने के महीनों बाद भी शरीर में रह सकती हैं। थेरेपी के परिणामस्वरूप कुछ प्रकार के रक्त कैंसर के लिए दीर्घकालिक छूट मिली है।

Qimingxing-50: चीन का पहला पूर्ण सौर-संचालित मानव रहित हवाई वाहन (UAV)

चीन ने अपने पहले पूर्ण सौर-संचालित मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है जो महीनों तक उड़ सकता है और आवश्यकता पड़ने पर उपग्रह के रूप में भी काम कर सकता है। चीनी सरकार के एक अधिकारी ने एक ट्वीट में जानकारी दी कि Qimingxing-50 की पहली उड़ान हासिल कर ली गई है, जिससे यह केवल सौर ऊर्जा से संचालित पहला बड़े आकार का UAV बन गया है।

अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (IFSCA) क्या है?

- IFSCA की स्थापना अप्रैल 2020 में अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण अधिनियम, 2019 के तहत की गई थी। यह भारत सरकार द्वारा स्थापित एक वैधानिक प्राधिकरण है।
- यह भारत में अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (IFSC) में वित्तीय सेवाओं, वित्तीय उत्पादों और वित्तीय संस्थानों को विकसित और विनियमित करने का एक प्राधिकरण है।
- वर्तमान में, भारत में केवल एक IFSC विकसित किया जा रहा है, गिफ्ट सिटी, गांधीनगर, गुजरात में।
- IFSCA की स्थापना से पहले, वित्तीय सेवाओं और संस्थानों को घरेलू वित्तीय नियामकों जैसे SEBI, RBI, IRDAI, PFRDA, आदि द्वारा नियंत्रित किया जाता था।
- आईएफएससीए का मुख्य लक्ष्य आईएफएससी में व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देना और विश्व स्तरीय नियामक वातावरण प्रदान करना है।
- IFSCA न केवल उस व्यवसाय की प्रकृति को विनियमित करेगा जो IFSC में लेन-देन किया जाएगा, बल्कि IFSC में व्यापार करने वाली संस्थाओं के कामकाज को भी विनियमित करेगा।
- IFSCA का मुख्यालय गांधीनगर में है। इसके वर्तमान अध्यक्ष इंजेती श्रीनिवास हैं।

IFSCA सदस्य

IFSCA में भारत सरकार द्वारा नियुक्त नौ सदस्य होते हैं। सदस्य हैं:

1. अध्यक्ष

2. आरबीआई से 1 सदस्य

3. सेबी से 1 सदस्य

4. पीएफआरडीए से 1 सदस्य

5. आईआरडीएआई से 1 सदस्य

6. वित्त मंत्रालय से 2 सदस्य

7. 2 सदस्य चयन समिति की सिफारिश पर नियुक्त

प्रत्येक सदस्य का कार्यकाल पुनर्नियुक्ति के अधीन तीन वर्ष का होता

एक अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र क्या है?

एक अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) एक वित्तीय केंद्र है जो घरेलू अर्थव्यवस्था के अधिकार क्षेत्र से बाहर के ग्राहकों को पूरा करता है। इसे एक अपतटीय वित्तीय केंद्र के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह सीमाओं के पार वित्त, वित्तीय उत्पादों और सेवाओं के प्रवाह से संबंधित है।

एक IFSC, इस प्रकार, एक अधिकार क्षेत्र है जो गैर-निवासियों और निवासियों को विश्व स्तर की वित्तीय सेवाएं प्रदान करता है, वर्तमान नियमों के तहत अनुमत सीमा तक, उस स्थान की घरेलू मुद्रा के अलावा किसी अन्य मुद्रा में जहां IFSC स्थित है।

• मौजूदा अंतरराष्ट्रीय या वैश्विक वित्तीय केंद्रों के उदाहरण लंदन, सिंगापुर और न्यूयॉर्क हो सकते हैं।

• शंघाई और दुबई IFSCs उभर रहे हैं।

आईएफएससी क्यों? (आईएफएससी के लाभ)

• वे विदेशी वित्तीय संस्थानों द्वारा वर्तमान में भारत से बाहर की जा रही वित्तीय सेवाओं को लाकर विदेशी निवेशकों को आकर्षित करना चाहते हैं।

• वैश्वीकरण के इस युग में, IFSCs धन उगाहने, वैश्विक कर प्रबंधन और कॉर्पोरेट खजाना प्रबंधन सहित कई उद्देश्यों की पूर्ति करते हैं।

• आईएफएससी वित्तीय सेवाओं और लेन-देनों के पुन: मार्ग की सुविधा प्रदान करता है जो वर्तमान में भारतीय कॉर्पोरेट संस्थाओं और विदेशी शाखाओं/वित्तीय संस्थानों की सहायक कंपनियों (जैसे बैंक, बीमा कंपनियों, आदि) द्वारा भारत में अपतटीय वित्तीय केंद्रों में किए जाते हैं।

• भारत में IFSC द्वारा पेश किए जाने वाले व्यापार और नियामक वातावरण की तुलना लंदन, न्यूयॉर्क आदि से की जा सकती है, जो निवेशकों को आकर्षित करता है।

• यह भारतीय कॉरपोरेट्स के लिए वैश्विक वित्तीय बाजारों तक बेहतर पहुंच प्रदान कर सकता है।

• IFSC में स्थापित संस्थाओं के लिए कई कर लाभ भी हैं।

• IFSCs फिनटेक हब बनाने में मदद करते हैं। भारत से बाहर बड़ी संख्या में भारतीय फिनटेक में काम कर रहे हैं, इसलिए भारत को फिनटेक हब के रूप में स्थापित किया जा सकता है।

1. निगमों, व्यक्तियों और सरकारों के लिए धन उगाहने वाली सेवाएं।

2. धन प्रबंधन।

3. पेंशन/म्यूचुअल फंड और बीमा फर्मों द्वारा किए गए परिसंपत्ति प्रबंधन और वैश्विक पोर्टफोलियो विविधीकरण।

4. वैश्विक कर प्रबंधन और सीमा पार कर देयता अनुकूलन, वित्तीय मध्यस्थों, कानून फर्मों और लेखाकारों के लिए एक व्यावसायिक अवसर प्रदान करना।

5. जोखिम प्रबंधन संचालन (बीमा और पुनर्बीमा)।

6. वैश्विक और क्षेत्रीय कॉर्पोरेट खजाना प्रबंधन संचालन।

7. अंतरराष्ट्रीय निगमों के बीच विलय और अधिग्रहण।

कोरिया का फ्यूजन रिएक्टर 30 सेकंड के लिए सूर्य से 7 गुना अधिक गर्म तापमान बनाए रखता है

- दक्षिण कोरिया का KSTAR (**कोरिया** सुपरकंडक्टिंग टोकामक एडवांस्ड रिसर्च) रिएक्टर पूरे 30 सेकंड के लिए 100 मिलियन डिग्री सेल्सियस के तापमान पर पहुंच गया।
- यह उपलब्धि इस बात पर प्रकाश डालती है कि परमाणु संलयन इसके हार्डवेयर के साथ कुछ हद तक विषम है।
- KSTAR फ्रांस में ITER के लिए एक महत्वपूर्ण फीडर प्रोजेक्ट है, जिससे यह रिकॉर्ड और भी महत्वपूर्ण हो गया है।

ITER (लैटिन में "द वे") आज दुनिया की सबसे महत्वाकांक्षी ऊर्जा परियोजनाओं में से एक है।

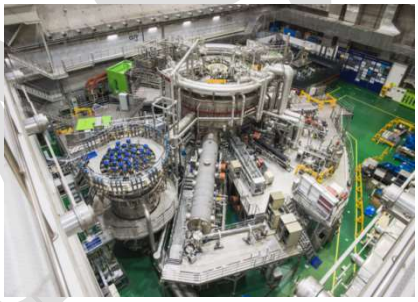

- दक्षिणी फ्रांस में, 35 राष्ट्र दुनिया के सबसे बड़े टोकामक, एक चुंबकीय संलयन उपकरण के निर्माण के लिए सहयोग कर रहे हैं, जिसे उसी सिद्धांत पर आधारित ऊर्जा के बड़े पैमाने पर और कार्बन-**मुक्त** स्रोत के रूप में संलयन की व्यवहार्यता को साबित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो हमारी शक्तियों को शक्ति प्रदान करता है। सूरज और तारे।
- फ्यूजन साइंस को आगे बढ़ाने और कल के फ्यूजन पावर प्लांट के लिए रास्ता तैयार करने के लिए आईटीईआर में किया जाने वाला प्रायोगिक अभियान महत्वपूर्ण है।
- हजारों इंजीनियरों और वैज्ञानिकों ने ITER के डिजाइन में योगदान दिया है क्योंकि पहली बार **फ्यूजन** में एक अंतरराष्ट्रीय संयुक्त प्रयोग का विचार 1985 में शुरू किया गया था। ITER सदस्य- चीन, यूरोपीय संघ, भारत, जापान, कोरिया, रूस और संयुक्त **राज्य** अमेरिका- अब आईटीईआर प्रायोगिक उपकरण बनाने और संचालित करने के लिए 35 साल के सहयोग में लगे हुए हैं, और साथ में फ्यूजन को उस बिंदु पर लाते हैं जहां एक **प्रदर्शन** संलयन रिएक्टर डिजाइन किया जा सकता है।

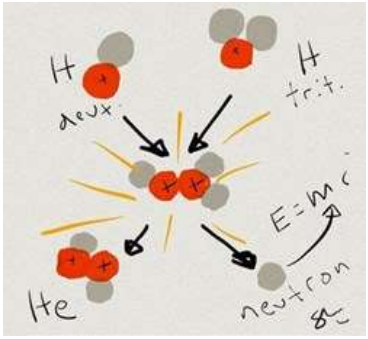

इटर क्या करेगा?

1) ITER लगभग 7 मिनट के लिए 500 मेगावाट की सीमा में महत्वपूर्ण मात्रा में ऊष्मा का उत्पादन करेगा।
2) फ्यूजन पावर प्लांट के लिए **प्रौद्योगिकियों** के एकीकृत संचालन का प्रदर्शन

फ्यूजन क्या है?

- संलयन सूर्य और तारों का ऊर्जा **स्रोत** है। इन तारकीय पिंडों के मूल में अत्यधिक गर्मी और **गुरुत्वाकर्षण** में, हाइड्रोजन नाभिक टकराते हैं, भारी हीलियम परमाणुओं में विलीन हो जाते हैं और इस प्रक्रिया में जबरदस्त मात्रा में ऊर्जा छोड़ते हैं।
- बीसवीं शताब्दी के संलयन विज्ञान ने प्रयोगशाला सेटिंग में दो हाइड्रोजन आइसोटोप, **ड्यूटेरियम** (डी) और ट्रिटियम (टी) के बीच प्रतिक्रिया होने के लिए सबसे कुशल संलयन प्रतिक्रिया की पहचान की। डीटी संलयन **प्रतिक्रिया** "निम्नतम" तापमान पर उच्चतम ऊर्जा लाभ पैदा करती है।

टोकामक क्या है?

टोकामक एक प्रायोगिक मशीन है जिसे संलयन की ऊर्जा का उपयोग करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एक टोकामक के अंदर, परमाणुओं के संलयन से उत्पन्न ऊर्जा को **बर्तन** की दीवारों में गर्मी के रूप में अवशोषित किया जाता है। एक पारंपरिक बिजली संयंत्र की तरह, एक संलयन बिजली संयंत्र इस गर्मी का उपयोग भाप और फिर टर्बाइन और जनरेटर के माध्यम से बिजली पैदा करने के लिए करेगा।

कौन भाग ले रहा है?

- आईटीईआर परियोजना 35 देशों का एक विश्वव्यापी सहयोग है।
- आईटीईआर सदस्य चीन, यूरोपीय संघ, भारत, जापान, कोरिया, रूस और संयुक्त राज्य **अमेरिका** के पास विज्ञान की सबसे बड़ी सीमाओं में से एक पर विजय प्राप्त करने के लिए संयुक्त संसाधन हैं-पृथ्वी पर सूर्य और सितारों को ईंधन देने वाली असीमित ऊर्जा का पुनरुत्पादन।

- 2006 में संपन्न आईटीईआर समझौते के हस्ताक्षरकर्ताओं के रूप में, सात सदस्य परियोजना निर्माण, संचालन और डीकमिशनिंग की लागत का हिस्सा होंगे। वे प्रयोगात्मक परिणामों और निर्माण, निर्माण और संचालन चरणों द्वारा उत्पन्न किसी भी बौद्धिक संपदा को भी साझा करते हैं।

आईटीईआर . का स्थान

- यूरोपीय संघ ने फ्रांस का सुझाव दिया, लेकिन जापान चाहता था कि इसे जापान में स्थापित किया जाए।
- यूरोपीय संघ और जापान ने एक समाधान पर आने का फैसला किया
- अंत में, मास्को में, 28 जून 2005 को, सभी सदस्य देशों ने फ्रांस को उस स्थान के रूप में तय किया जहां आईटीईआर परियोजना स्थापित और चलाई जाएगी।
- निर्माण 2007 में शुरू हुआ।

भारत और आईटीईआर

- यह महसूस करते हुए कि आईटीईआर संलयन ऊर्जा के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, भारत ने पहले से मौजूद छह भागीदारों को अपनी इच्छा दिखाते हुए एक समान भागीदार के रूप में आईटीईआर में शामिल होने की प्रक्रिया शुरू की।
- कई कदमों और बातचीत के बाद, भारत आईटीईआर परियोजना में भागीदार बन गया है।
- भारत इस प्रयोग में लगभग 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर के उपकरणों का योगदान करेगा और इसके बाद के संचालन और प्रयोगों में भी भाग लेगा।
- यह उपकरण बड़े पैमाने पर भारतीय उद्योगों द्वारा बनाया जाएगा।
- भारत ने निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ इस दीर्घकालिक कार्यक्रम के लिए प्रतिबद्ध किया है, अर्थात्:
- भारत द्वारा स्वीकृत प्रोक्योरमेंट पैकेज देने की प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए।
- ITER में फ्यूजन प्लाज्मा जलाने में अनुसंधान में योगदान देना।
- आईटीईआर के निर्माण और संचालन में सक्रिय रूप से भाग लेकर फ्यूजन रिएक्टर प्रौद्योगिकियों के महत्वपूर्ण क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करना।
- इस परियोजना के सफलतापूर्वक पूरा होने पर भारत अपना फ्यूजन रिएक्टर बनाने के लिए तैयार हो जाएगा।

घरेलू एजेंसियां

ITER परियोजना के प्रत्येक सदस्य - यूरोपीय संघ, चीन, भारत, जापान, कोरिया, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका - ने अपने योगदान और खरीद जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए एक घरेलू एजेंसी बनाई है। ये एजेंसियां अपने स्वयं के कर्मचारियों को नियुक्त करती हैं, उनका अपना बजट होता है, और सीधे सभी औद्योगिक अनुबंधों और उपठेकेदारों की देखरेख करते हैं।(188)

आईटीईआर ईयू

ITER समझौते पर EU का प्रतिनिधित्व करने वाले Euratom द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। फ़्यूज़न फ़ॉर एनर्जी, जिसे अक्सर F4E के रूप में संदर्भित किया जाता है, 2007 में यूरोपीय संघ की घरेलू एजेंसी के रूप में बनाया गया था, जिसका मुख्यालय बार्सिलोना, स्पेन में है, और इसके अन्य कार्यालय Cadarache, फ्रांस, Garching, जर्मनी और Rokkasho, Japan में हैं। F4E वैक्यूम वेसल, डायवर्टर और मैग्नेट जैसे घटकों के डिजाइन और निर्माण में योगदान के लिए जिम्मेदार है।

आईटीईआर चीन

ITER में चीन के योगदान का प्रबंधन चीन अंतर्राष्ट्रीय परमाणु संलयन ऊर्जा कार्यक्रम या CNDA के माध्यम से किया जाता है। चीनी एजेंसी करेक्शन कॉइल, मैग्नेट सपोर्ट, फर्स्ट वॉल और शील्ड ब्लैंकेट जैसे घटकों पर काम कर रही है। चीन अपने HL-2M टोकामक पर चेंगदू और HT-7U (EAST) में हेफ़ेई पर भी प्रयोग चला रहा है ताकि आईटीईआर अनुसंधान में सहायता मिल सके।

आईटीईआर इंडिया

ITER-India भारत के प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान द्वारा संचालित एक विशेष परियोजना है। आईटीईआर-भारत की अनुसंधान सुविधा गुजरात राज्य के अहमदाबाद में स्थित है। आईटीईआर परियोजना के लिए भारत के डिलिवरेबल्स में क्रायोस्टेट, इन-वेसल शील्डिंग, कूलिंग और कूलिंग वॉटर सिस्टम शामिल हैं।]

आईटीईआर जापान

जापान के नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर क्वांटम एंड रेडियोलॉजिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, या क्यूएसटी, अब आईटीईआर परियोजना के लिए नामित जापानी घरेलू एजेंसी है। संगठन चिबा, जापान में स्थित है। जापान आईटीईआर संगठन और आईटीईआर सदस्यों के साथ मिलकर

टोकामक के लिए घटकों के डिजाइन और उत्पादन में मदद करता है, जिसमें कंबल रिमोट हैंडलिंग सिस्टम, सेंट्रल सोलनॉइड कॉइल, प्लाज्मा डायग्नोस्टिक सिस्टम और न्यूट्रल बीम इंजेक्शन हीटिंग सिस्टम शामिल हैं।

आईटीईआर कोरिया

ITER कोरिया की स्थापना 2007 में कोरिया के नेशनल फ्यूजन रिसर्च इंस्टीट्यूट के तहत हुई थी और यह संगठन दक्षिण कोरिया के डेजॉन में स्थित है। खरीद वस्तुओं में से ITER कोरिया वैक्यूम पोत के चार क्षेत्रों, कंबल शील्ड ब्लॉक, थर्मल शील्ड और ट्रिटियम भंडारण और वितरण प्रणाली के लिए जिम्मेदार है।

आईटीईआर रूस

अंतर्राष्ट्रीय आईटीईआर परियोजना के कार्यान्वयन में रूस प्रमुख पदों में से एक है। आईटीईआर परियोजना में रूसी संघ का योगदान उच्च तकनीक वाले उपकरणों और बुनियादी रिएक्टर प्रणालियों के निर्माण और आपूर्ति में निहित है। रूसी संघ का योगदान रोसाटॉम या राज्य परमाणु ऊर्जा निगम के तत्वावधान में किया जा रहा है। ITER परियोजना के लिए रूसी संघ के कई दायित्व हैं, जिसमें एक टॉरॉयडल क्षेत्र के घुमावदार कॉइल के लिए 80 टन सुपरकंडक्टिंग Nb3Sn स्ट्रैंड्स पर आधारित 22 किलोमीटर कंडक्टर की आपूर्ति और विंडिंग के लिए 40 टन सुपरकंडक्टिंग NbTi स्ट्रैंड्स पर आधारित 11 किमी कंडक्टर शामिल हैं। ITER चुंबकीय प्रणाली के एक पोलोइडल क्षेत्र के कॉइल। रूस पहली दीवार के सबसे अधिक ऊर्जा-गहन (5 मेगावाट / वर्ग मीटर तक) पैनलों के 179 के निर्माण के लिए जिम्मेदार है। पैनल बेरिलियम प्लेटों से ढके होते हैं जिन्हें CuCrZr कांस्य में मिलाया जाता है, जो एक स्टील बेस से जुड़ा होता है। पैनल का आकार 2 मीटर चौड़ा, 1.4 मीटर ऊंचा; इसका द्रव्यमान लगभग 1000 किग्रा है। रूसी संघ के दायित्व में ITER घटकों का थर्मल परीक्षण करना भी शामिल है जो प्लाज्मा का सामना कर रहे हैं। आज, रूस, परियोजना में अपनी भागीदारी के लिए धन्यवाद, आईटीईआर रिएक्टर के लिए पूर्ण डिजाइन प्रलेखन है।

आईटीईआर यूएस

यूएस आईटीईआर अमेरिकी ऊर्जा विभाग का हिस्सा है और टेनेसी में ओक रिज नेशनल लेबोरेटरी द्वारा प्रबंधित किया जाता है।] यूएस आईटीईआर आईटीईआर परियोजना के लिए घटकों के डिजाइन और निर्माण दोनों के लिए जिम्मेदार है, और अमेरिकी भागीदारी में टोकामक शीतलन प्रणाली में योगदान शामिल है। डायग्नोस्टिक सिस्टम, इलेक्ट्रॉन और आयन साइक्लोट्रॉन हीटिंग ट्रांसमिशन लाइन, टॉरॉयडल और सेंट्रल सोलनॉइड मैग्नेट सिस्टम और पेलेट इंजेक्शन सिस्टम।

आलोचना

इसके संभावित पर्यावरणीय प्रभावों, जलवायु परिवर्तन की प्रतिक्रिया के रूप में इसकी उपयोगिता, इसके टोकामक के डिजाइन और प्रयोग के उद्देश्यों को कैसे व्यक्त किया गया है, जैसे मुद्दों के लिए आईटीईआर परियोजना की आलोचना की गई है।

रुपये को 80 . पर रखने के लिए आरबीआई ने अगस्त में 13 अरब डॉलर की बिक्री की

- देश के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी का हवाला देते हुए शीर्ष डीलरों ने ईटी को बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक ने अगस्त में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये को और गिरने से बचाने के लिए हाजिर बाजार में लगभग 13 बिलियन डॉलर की बिक्री की है।
- यह 2022-23 में अब तक का उच्चतम मासिक मुद्रा बाजार हस्तक्षेप है क्योंकि केंद्रीय बैंक को 80 के मनोवैज्ञानिक चिह्न का बचाव करने के लिए कहा जाता है।
- 29 जुलाई से 2 सितंबर के बीच लगातार पांच हफ्तों में विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 21 बिलियन डॉलर गिरकर 553.1 डॉलर हो गया, आरबीआई के नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है। विशेषज्ञों ने कहा कि भारत वापस आने वाले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के लिए एक स्थिर विनिमय दर सर्वोत्कृष्ट है।
- "यदि भारत विदेशी निवेशकों के लिए पसंद का गंतव्य बनना चाहता है, तो हमें स्थिर विनिमय दर की आवश्यकता है। इसके अलावा, उच्च तेल की कीमतें और गिरता हुआ रुपया केवल उस देश के लिए मुद्रास्फीति का डर पैदा करेगा, जो अब उच्च आर्थिक विकास का लक्ष्य रखता है, "एचडीएफसी बैंक के कार्यकारी उपाध्यक्ष भास्कर पांडा ने कहा। "वैश्विक अस्थिरता सहित कारकों के इस तरह के संयोजन ने केंद्रीय बैंक को मुद्रा बाजार में USDINR को स्थिर करने के लिए प्रेरित किया हो सकता है।"
- रिकॉर्ड पर, केंद्रीय बैंक हमेशा किसी भी स्तर की रक्षा करने से इनकार करता है लेकिन उच्च अस्थिरता में कटौती के लिए बल्लेबाजी करता है।
- एक बड़े बैंक के मुख्य मुद्रा डीलर ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, "RBI स्पष्ट रूप से 80 के स्तर की रक्षा कर रहा है क्योंकि हम पिछले एक महीने में आक्रामक डॉलर की बिक्री देख सकते हैं।"
- रुपया 29 अगस्त को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 80.13 के निचले स्तर पर आ गया था।

- भारत का अधिकांश विदेशी मुद्रा भंडार अमेरिकी डॉलर मूल्यवर्ग की मुद्रा में है, जबकि शेष गैर-डॉलर परिसंपत्तियों में निवेश से आता है।
- 29 जुलाई से 2 सितंबर के बीच 21 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार में से, 7 अरब डॉलर के एक हिस्से को गैर-डॉलर परिसंपत्तियों के अवमूल्यन के लिए **जिम्मेदार** ठहराया जा सकता है, आंतरिक अनुमान दिखाते हैं। इस अवधि के दौरान, डॉलर सूचकांक, जो अन्य प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी इकाई को मापता है, 3.6% बढ़ा।
- डीलरों ने कहा कि शेष 13 अरब डॉलर से अधिक के केंद्रीय बैंक ने हाजिर बाजार में बेचा था, जिससे भारत के अमेरिकी डॉलर के स्टॉक को खत्म करते हुए रुपये की जंगली चाल में कटौती हुई।
- मुंबई स्थित विदेशी मुद्रा फर्म सीआर फॉरेक्स के संस्थापक और प्रबंध निदेशक अमित पाबरी ने कहा, "जुलाई के अंत से आरबीआई का हस्तक्षेप तेज हो गया है।" "केंद्रीय बैंक स्पष्ट रूप से 80 पर मनोवैज्ञानिक स्तर का बचाव कर रहा है क्योंकि यह वास्तविक वास्तविकता से अधिक आतंक को ट्रिगर करता है।"
- उन्होंने कहा कि भारत के वैश्विक **बॉन्ड** इंडेक्स में शामिल होने के बाद विदेशी मुद्रा भंडार में कमी की भरपाई की जा सकती है।
- बैंकिंग इंसाइडर्स ने ईटी को बताया कि रुपये के आउटपरफॉर्मेंस का एक हिस्सा जेपी **मॉर्गन** गवर्नमेंट बॉन्ड इंडेक्स-इमर्जिंग मार्केट्स (GBI-EM) इंडेक्स में भारत सरकार के बॉन्ड की अटकलों को जिम्मेदार ठहराया गया है, लेकिन अब यह पता चला है कि हस्तक्षेप से भी मदद मिली।

भारत 70 साल बाद चीतों का घर बनेगा

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर को आठ अफ्रीकी चीते नामीबिया से मध्य प्रदेश के कुनो नेशनल पार्क में अपने नए आवास में जाने के लिए तैयार हैं। उनके कार्यालय ने कहा है कि पीएम से पांच मादा और तीन नर चीतों को शुक्रवार को पार्क के संगरोध बाड़ों में रिहा करने और देश के वन्य जीवन और आवास में विविधता लाने के प्रयासों के तहत रिहा करने की उम्मीद है।

- चीता

- भारत में आखिरी चीता की मृत्यु 1947 में कोरिया जिले में हुई थी ,जो कि पहले मध्य प्रदेश का हिस्सा था ,और इस प्रजाति को 1952 में भारत से विलुप्त घोषित कर दिया गया था। रिपोर्टों के अनुसार ,चीता ने अपने वैश्विक आवास का 90 प्रतिशत हिस्सा खो दिया है। पिछले 100 साल। इसके अलावा ,चीतों की 31 आबादी में से कई में ,केवल-100 200ही बचे हैं ,जिनका निवास स्थान लगातार बिगड़ रहा है।' अफ्रीकन चीता इंट्रोडक्शन प्रोजेक्ट इन इंडिया 'की कल्पना 2009 में की गई थी , जिसमें कुनो नेशनल पार्क में पिछले साल नवंबर तक बड़ी बिल्ली को पेश करने की योजना थी ,लेकिन 19-COVID महामारी के कारण इसे एक झटका लगा।
- चीतों को भारत कैसे लाया जाएगा
- चीता नामीबिया की राजधानी विंडहोक से अनुकूलित बोइंग 400-747 विमान में सवार होंगे और 10 घंटे की रात भर की यात्रा और 8,000 किलोमीटर की यात्रा पूरी करने के बाद **ग्वालियर** पहुंचेंगे। इसके बाद भारतीय वायु सेना) आईएएफ (चिनूक हेवी-लिफ्ट हेलीकॉप्टर में ग्वालियर से कुनो नेशनल पार्क) केएनपी (में फेलिन को स्थानांतरित कर दिया जाएगा। चार से छह साल की उम्र के चीतों को यात्रा के लिए शांत नहीं किया जाएगा। उन्हें यात्रा से दो-तीन दिन पहले भोजन कराया जाएगा और विमान में उनके साथ तीन पशु **चिकित्सक** होंगे। जानवरों को लाने वाले विमान को एक्शन एविएशन द्वारा यूएई स्थित एक विमान कंपनी से मंगवाया गया है। यह अपनी नाक पर एक बाघ की छवि रखता है।
-

- यह महत्वपूर्ण क्यों है

- डॉ लॉरी मार्कर ,जो 12 वर्षों से अधिक समय से चीता पुनर्वास परियोजना पर भारत सरकार के सलाहकार रहे हैं ,ने बताया कि यह पहली बार है कि इस तरह की एक अंतर-महाद्वीपीय **परियोजना** शुरू हो रही है। मानव गतिविधि के कारण कई देशों में चीता विलुप्त हो गया है ,इसलिए यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है कि इसे वापस लाया जाए और संरक्षित किया जाए। बेशक ,जानवरों के संरक्षण के लिए आदर्श स्थिति होगी क्योंकि पुन :परिचय एक कठिन और लंबी प्रक्रिया है। लेकिन एक बार जब कोई जानवर विलुप्त हो जाता है ,तो यही एकमात्र तरीका है" ,डॉ मार्कर ने कहा।

- चुनौतियों
- अध्ययनों से पता चला है कि तेंदुओं ने अफ्रीका में चीतों का शिकार किया है ,और इसी तरह की आशंका कुनो के लिए भी व्यक्त की जा रही है , जहां लगभग 50 तेंदुए उसी क्षेत्र के आसपास रहते हैं। जानकारों के अनुसार चीता बहुत ही नाजुक जानवर होता है ,ये संघर्ष से बचते हैं लेकिन प्रतिस्पर्धी जानवरों के निशाने पर रहते हैं। कुनो में ,चीता शावकों को तेंदुए ,लकड़बग्घा ,भेड़िये ,भालू और जंगली कुत्तों से बहुत खतरा हो सकता है। 2013 में ,अफ्रीका के कलगाडी पार्क में पाए गए चीतों पर एक शोध से पता चला कि उनके शावकों के जीवित रहने की संभावना केवल 36 प्रतिशत है। शावकों की मौत का मुख्य कारण शिकारी जानवरहैं।

झारखंड खाद्य सुरक्षा एटलस वाला तीसरा राज्य बना

पूर्वी भारत में बिहार और ओडिशा के बाद झारखंड तीसरा राज्य बन गया है जिसके ग्रामीण क्षेत्रों के लिए खाद्य सुरक्षा एटलस है। ओडिशा और बिहार ने के खाद्य सुरक्षा एटलस 2022 किया था। ग्रामीण झारखंड में अपना एटलस लॉन्च 2018को रांची में लॉन्च किया गया था। झारखंड के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने आश्वासन दिया कि सरकार झारखंड के खाद्य असुरक्षित जिलों को कोटा और ग्रीन कार्ड देने की दिशा में प्रयास करेगी.

एटलस के प्रमुख बिंदु:

यह एटलस राज्य में खाद्य सुरक्षा की स्थिति के मानचित्रण की दिशा में एक प्रयास है। इसे दिल्ली स्थित इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट 'मुंबई की शोध पहल के तहत तैयार किया है। ,ने इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च (IHD)

यह दस्तावेज़ नीति को सूचित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस साल खराब मॉनसून को देखते हुए राज्य के कई जिलों में सूखे जैसे हालात हैंसिंचाई की कम सीमा के कारण भोजन की उपलब्धता एक मुद्दा है और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना एक और भी बड़ा ,इसलिए . ध्यान देने की आवश्यकता है जिनकी भूख को मिटाने की जरू प्रतिशत लोगों को 75 मुद्दा है जिसमेंरत है।

कुछ प्रमुख सुझाव:

- फूड एटलस यह है कि जिले प्राथमिकता वाले जिले हैं और संथाल परगना क्षेत्र के पूरे बेल्ट को खाद्य असुरक्षा के 14 में से 24 देता है कि समग्र खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में विशेष मामले में खतरनाक के रूप में चिह्नित किया गया है। एटलस सुझावजोर दिए जाने की आवश्यकता है। फूड एटलस से पता चलता है कि उच्च बहुआयामी गरीबी वाले जिले भी समग्र खाद्य सुरक्षा के मामले में अत्यधिक असुरक्षित जिले हैं और खाद्य सुरक्षा के परिणाम भी बहुत खराब हैं।
- इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि राज्य में खाद्यान्न उत्पादन में उच्च अस्थिरता है। साथ ही झारखंड में फसल विविधीकरण बहुत कम है और मुख्य रूप से एक फसली क्षेत्र है। फसल गहनता के साथसाथ समग्र खाद्य सुरक्षा के माध्यम से कृषि उत्पादन - विधा एक आवश्यक नीति हैको स्थिर करने के लिए बेहतर सिंचाई सु
- यह वर्षा परिवर्तनशीलता के प्रभाव को कम करने के लिए कदम उठाने का आह्वान करता है और प्राथमिकता वाले जिलों के लिए वर्षा संचयन का सुझाव देता है। मनरेगा और एकीकृत वाटरशेड कार्यक्रमों के तहत बड़े पैमाने पर बांध निर्माणतालाबों के , र का काम शुरू किया जा सकता है।जीर्णोद्धा
- यह फसलों के विविधीकरणआकस्मिक मजदूरी दर ,कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसरों का विस्तार-गैर :भोजन तक पहुंच में सुधार , ,विस्तार मनरेगा के तहत नौकरी का ,इमारती वन उत्पादों के प्रसंस्करण में ग्रामीण आबादी की उच्च भागीदारी-गैर ,में वृद्धि बाजरा को बढ़ावा देने का भी सुझाव देता है।सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से बाजरा।(

भारत का पहला वन विश्वविद्यालय तेलंगाना में स्थापित किया जाएगा

भारत में पहला वन विश्वविद्यालय

- भारत में अपना पहला वन विश्वविद्यालय बनने जा रहा है। वानिकी विश्वविद्यालय (UoF) अधिनियम 2022 को तेलंगाना विधानसभा द्वारा अनुमोदित किया गया था। वानिकी विश्वविद्यालय) यूओएफ ,(भारत में अपनी तरह का पहला विश्वविद्यालय होगा। विश्व स्तर पर ,यह रूस और चीन के बाद तीसरा वानिकी विश्वविद्यालय होगा। तेलंगाना सरकार ने हैदराबाद में वानिकी कॉलेज और अनुसंधान संस्थान (FCRI) का विस्तार करने का निर्णय लिया है। एफसीआरआई को एक पूर्ण विश्वविद्यालय में बदल दिया जाएगा।
- बैंक महा पैक में लाइव बैच ,टेस्ट सीरीज ,वीडियो लेक्चर और ई-बुक्स शामिल हैं

- जब एफसीआरआई को एक **विश्वविद्यालय** में अपग्रेड किया जाता है ,तो शहरी वानिकी ,नर्सरी प्रबंधन ,कृषि-वानिकी ,आदिवासी आजीविका वृद्धि ,वन उद्यमिता ,जलवायु-स्मार्ट वानिकी और वन पार्क प्रबंधन में पीएचडी ,**डिप्लो**मा और सर्टिफिकेट कोर्स सहित अतिरिक्त 18 कार्यक्रम हैं। लॉन्च करने की योजना बनाई है।

भारत में पहला वन विश्वविद्यालय :एम्स

- विश्वविद्यालय सीखने में तालमेल बनाने के लिए समान संस्थानों के साथ नेटवर्क और साझेदारी भी करेगा।
- विश्वविद्यालय किसानों को व्यापक **प्र**शिक्षण देकर एक्शन रिसर्च को बढ़ावा देगा।
- विश्वविद्यालय का उद्देश्य वन संसाधनों के संरक्षण और सतत प्रबंधन के लिए गुणवत्ता वाले वानिकी पेशेवरों का उत्पादन करना और अनुसंधान को बढ़ावा देना और उद्योगों की मांग को पूरा करने के लिए वृक्षारोपण फसलों के प्रसार के लिए उपयुक्त तरीके विकसित करना होगा।
- विश्वविद्यालय प्राकृतिक वनों पर दबाव कम करने और कृषक समुदायों के आर्थिक उत्थान के लिए पारंपरिक वानिकी कार्यों के अलावा विभिन्न कृषि-पारिस्थितिकी **स्थि**तियों के लिए उपयुक्त कृषि-वानिकी मॉडल विकसित करने के लिए भी काम करेगा।
- तेलंगाना सरकार ने प्रमुख कार्यक्रम' तेलंगाना कू हरिथा हराम 'के तहत 268.83 करोड़ पौधे लगाए हैं।

ओजोन परत के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस 16 :2022 सितंबर

विश्व ओजोन दिवस या ओजोन परत के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस 16 सितंबर को मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य ओजोन परत के महत्व और आवश्यकता के बारे में **जागरू**कता पैदा करना है जो सूर्य से निकलने वाली यूवी किरणों के खिलाफ पृथ्वी पर एकमात्र सुरक्षा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का **उद्देश्य** ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले पदार्थों से छुटकारा पाने के महत्व के बारे में जागरूकता लाना भी है। यह पृथ्वी की सुरक्षा कवच की रक्षा के लिए समय-लक्षित कार्रवाई करने का भी आह्वान करता है।

ओजोन परत के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस :थीम

ओजोन परत के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस 2022 के लिए संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा घोषित विषय 'पृथ्वी पर जीवन की रक्षा करने वाला वैश्विक सहयोग 'है। मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के प्रभाव को इस विषय के साथ पहचाना जाता है और' सहयोग में कार्य करने ,साझेदारी बनाने और जलवायु चुनौतियों का समाधान करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए पृथ्वी पर जीवन की **रक्षा** करने के लिए वैश्विक सहयोग विकसित करने की **आवश्य**कता 'को ध्यान में लाता है।

ओजोन परत के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस :इतिहास

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1994 में 16 सितंबर को ओजोन परत के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस के **रू**प में घोषित किया। यह 46 की सरकारों द्वारा' ओजोन परत को नष्ट करने वाले पदार्थों पर मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल 'पर हस्ताक्षर करने की तारीख को मनाने के लिए किया गया था। 1987 में दुनिया भर के राष्ट्र। इसे" **मॉन्ट्रियल** प्रोटोकॉल "के रूप में भी जाना जाता था।

ओजोन परत क्या है?

ओजोन परत ,गैस की एक नाजुक ढाल ,पृथ्वी को सूर्य की किरणों के हानिकारक हिस्से से बचाती है ,इस प्रकार ग्रह पर जीवन को संरक्षित करने में मदद करती है। ओजोन क्षयकारी **प**दार्थों के नियंत्रित उपयोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने और संबंधित कटौती ने न केवल इस और आने वाली पीढ़ियों के लिए ओजोन परत की रक्षा करने में मदद की है ,बल्कि जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने के वैश्विक प्रयासों में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है ;इसके अलावा ,इसने हानिकारक पराबैंगनी विकिरण को पृथ्वी तक पहुंचने से रोककर मानव स्वास्थ्य और पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा की है।

प्रतिष्ठित एआईबीडी की भारत की अध्यक्षता एक और वर्ष के लिए बढ़ाई गई

- प्रतिष्ठित एशिया प्रशांत-प्रसारण विकास संस् थानएआईबीडी की भारत की अध् यक्षता को एक और वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया - है। एआईबीडी के सदस्य देशों ने नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय आम सम्मेलन में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया। वर्तमान में मुख्य कार्यकारी अधिकारी और दूरदर्श प्रसार भारती केन के महानिदेशक मयंक कुमार अग्रवाल एआईबीडी के अध्यक्ष हैं .
- · सम्मेलन का उद्घाटन सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने सोमवार को किया। सूचना और प्रसारण राज् य मंत्री डॉ सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव मुरुगन भी इस अवसर पर उपस्थित थे। .एल . अपूर्व चंद्रा और अन्य अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

- · एशिया(एआईबीडी) पैसिफिक इंस्टीट्यूट फॉर ब्रॉडकास्टिंग डेवलपमेंट-, में 1977 स्थापित किया गया था। यहइलेक्ट्रॉनिक मीडिया विकास के क्षेत्र में एशिया और प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग का एक अनूठा क्षेत्रीय (ईएससीएपी-यूएन) देश पूर्ण सदस्यों के रूप में हैं 26 सरकारी संगठन है। एआईबीडी में वर्तमान में-अंतर, जिनका प्रतिनिधित्व संबद्ध सदस्यों द्वारा किया जाता है। 52 संगठनों और 43

खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों की सहायता के लिए एमओएफपीआई ने अभिसरण पोर्टल लॉन्च किया

- सरकार ने **खाद्य प्रसंस्करण और कृषि मंत्रालयों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के लिए एक संयुक्त अभिसरण पोर्टल शुरू किया है।**
- **इन योजनाओं में शामिल हैं:** कृषि बुनियादी ढांचा कोष (एआईएफ), प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकरण (पीएमएफएमई) ।(पीएमकेएसवाई) योजना और प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना
- **केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी की** उपस्थिति में पोर्टल का शुभारंभ किया गया।

एमओएफपीआई ने संयुक्त रूप से एआईएफ, पीएमएफएमई योजना और पीएमकेएसवाई के बीच अभिसरण पोर्टल का शुभारंभ किया

- केन्द्रीय खाद्य प्रसंस् करण उद्योग मंत्रालय ने कल नई दिल् ली के कृषि भवन में संयुक् त रूप से कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ), सूक्ष् म खाद्य प्रसंस् करण उद्यमों के प्रधानमंत्री औपचारिकरण पीएम)एफएमईयोजना और प्रधानमंत्री किसान (के बीच अभिसरण पोर्टल का शुभारंभ किया। कन्वर्जेंस पोर्टल का शुभारंभ केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र (पीएमकेएसवाई) संपदा योजना सिंह तोमर की उपस्थिति में किया गया।
- केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग पशुपति कुमार पारस और कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरीइस अवसर पर श्री तोमर ने कहा कि . प्रधानमंत्री नरेन् द्र मोदी का यह विचार है कि सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों को मिलकर मिलकर देश के लोगों की सर्वोत् तम क्षमताओं के साथ सेवा करनी चाहिए।
- श्री पारस कीसहायता से पोर्ट्ल का शुभारंभ देश के खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के सपने को हासिल करने की दिशा में एक कदम है और इससे वोकल फॉर लोकल की अवधारणा को भी बढ़ावा मिलेगा।

भारतीय दूरसंचार विधेयक 2022 का मसौदा

खबरों में क्यों?

हाल ही में दूरसंचार **विभाग (डीओटी)** ने इंटरनेट आधारित **ओटीटी (ओवर-द-टॉप)** दूरसंचार सेवाओं को विनियमित करने के लिए **भारतीय दूरसंचार 2022 विधेयक का मसौदा** जारी किया।

मसौदा विधेयक की मुख्य विशेषताएं क्या हैं?

करीबन:

मसौदा विधेयक **तीन अलगअलग अधिनियमों-** को समेकित करता है जो वर्तमान में दूरसंचार क्षेत्र को नियंत्रित करते हैं -**भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885, भारतीय वायरलेस टेलीग्राफी अधिनियम, 1933** और **द टेलीग्राफ वायर्स गैरकानूनी) अधिनियम (संरक्षण, ।1950**

ट्राई पावर में कमी:

· दूरसंचार विभाग ने सेवा प्रदाताओं को नए लाइसेंस जारी करने के बारे में **भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण की (ट्राई)** कुछ महत् वपूर्ण शक्तियों और जिम् मेदारियों को कम करने का भी प्रस् ताव किया है।

ओटीटी विनियमन:

सरकार ने इंटरनेट आधारित और **ओटीटी संचार सेवाओं** जैसे व्हाट्सएप कॉल, फेसटाइम, गूगल मीट आदि को दूरसंचार सेवाओं के तहत शामिल किया है।

- यह दूरसंचार ऑपरेटरों द्वारा एक समान खेल मैदान बनाने के लिए लंबे समय से चली आ रही मांग थी। वर्तमान में, दूरसंचार **कंपनियों को सेवाओं की पेशकश करने के लिए लाइसेंस की आवश्यकता होती है, ओटीटी प्लेटफार्मों को नहीं।**
- इसके अलावा, ओटीटी को दूरसंचार सेवाओं के दायरे में लाने का मतलब है कि ओटीटी और **इंटरनेट आधारित संचार को सेवाओं की पेशकश करने के लिए लाइसेंस की आवश्यकता होगी।**

रिफंड का प्रावधान:

दूरसंचार मंत्रालय ने दूरसंचार या इंटरनेट प्रदाता द्वारा अपना लाइसेंस सरेंडर करने की स्थिति में शुल्क वापसी का प्रावधान करने का प्रस्ताव किया है।

क्या हैं ओवर-द-टॉप प्लेटफॉर्म (ओटीटी)?

- ओटीटी या ओवर टॉप प्लेटफॉर्म ऑडियो और वीडियो होस्टिंग और स्ट्रीमिंग सेवाएं-द-जैसे **नेटफ्लिक्स, अमेज़ॉन प्राइम वीडियो, हॉटस्टार आदि** हैं, जो कंटेंट होस्टिंग प्लेटफॉर्म के रूप में शुरू हुईं, लेकिन जल्द ही लघु फिल्मों, फीचर फिल्मों, वृत्तचित्रों और वेब श्रृंखलाओं के उत्पादन और रिलीज में शामिल हो गईं।
- ये प्लेटफ़ॉर्म सामग्री की एक श्रृंखला प्रदान करते हैं और उपयोगकर्ताओं को यह सुझाव देने के लिए **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)** का उपयोग करते हैं कि वे प्लेटफ़ॉर्म पर अपने पिछले दर्शकों के आधार पर क्या सामग्री देख सकते हैं।
- अधिकांश ओटीटी प्लेटफॉर्म आम तौर पर मुफ्त में कुछ सामग्री प्रदान करते हैं और प्रीमियम सामग्री के लिए मासिक सदस्यता शुल्क लेते हैं जो आमतौर पर कहीं और अनुपलब्ध होता है।

मिशन सेफगार्डिंग 'ने CIAL को वैश्विक पहचान दिलाई

- इस कार्यक्रम ने निर्बाध यातायात सुनिश्चित किया और महामारी के बाद यात्रियों की संतुष्टि को मजबूत किया
- कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने 22-2021 में' मिशन सेफगार्डिंग 'कार्यक्रम के सावधानीपूर्वक कार्यान्वयन के लिए एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल) एसीआई (द्वारा स्थापित एयरपोर्ट सर्विस क्वालिटी अवार्ड 2022-जीता है। इसने निर्बाध यातायात सुनिश्चित किया और महामारी के बाद यात्रियों की संतुष्टि को मजबूत किया।

- सीआईएएल ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र में संचालित हवाई अड्डों की 15-5मिलियन यात्री श्रेणी में मान्यता प्राप्त की है। व्यापक सर्वेक्षण पद्धति प्रथाओं के कारण ,एसीआई पुरस्कार को वैश्विक विमानन क्षेत्र में सर्वोच्च सम्मान के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- सीआईएएल के प्रबंध निदेशक एस सुहास ने एसीआई वर्ल्ड के महानिदेशक लुइस फेलिप डी ओलिवेरा से एसीआई कस्टमर एक्सपीरियंस ग्लोबल समिट 2022 के संबंध में आयोजित क्राको ,पोलैंड में आयोजित एक समारोह में पुरस्कार प्राप्त किया।
- **सर्वेक्षण**
- एएसक्यू वैश्विक हवाईअड्डा सर्वेक्षण ,जिसके माध्यम से पुरस्कार विजेताओं का चयन किया जाता है ,आमतौर पर यात्रियों द्वारा आवाज उठाई गई दुनिया के सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डों को प्रदर्शित करता है। इस बार ,मौजूदा बेंचमार्क के अलावा ,स्वच्छता प्रथाओं से संबंधित नए पैरामीटर जोड़े गए।
- एसीआई ने कहा कि चल रहे संकट के बावजूद ,दुनिया भर के हवाई अड्डों ने अपने ग्राहकों की उभरती जरूरतों को सुनने और उन्हें अपनाने को प्राथमिकता देना जारी रखा है। एएसक्यू सर्वेक्षणों और समाधानों के पूरे सूट का आधार स्थायी ग्राहक अनुभव उत्कृष्टता तक पहुंचने के लिए निरंतर सीखना और सुधार है। जैसे-जैसे उद्योग में सुधार होगा ,हवाईअड्डों के प्रतिस्पर्धात्मक लाभ ,और गैर-वैमानिकी राजस्व को मजबूत करने और संपूर्ण विमानन पारिस्थितिकी तंत्र की निरंतर वसूली सुनिश्चित करने के लिए यात्रियों को सुनना और उनके अनुकूल होना बेहद महत्वपूर्ण होगा।
- **अभिनव प्रणाली**
- सुहास ने कहा कि CIAL इस पुरस्कार को महामारी के वर्षों के बाद पेश की गई नवीन प्रणालियों के लिए एक मान्यता के रूप में महत्व देता है। हवाईअड्डे ने' मिशन सेफगार्डिंग 'को लागू किया जिससे सुरक्षित ,सुरक्षित और यात्री-अनुकूल यातायात प्रबंधन सुनिश्चित हुआ।

- लागू किए गए उपायों के कारण , सीआईएएल ने यात्री मात्रा में 93 प्रतिशत और हवाई यातायात आवाजाही में 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इस अवधि में सीआईएएल ने अंतरराष्ट्रीय यातायात के मामले में देश के तीसरे सबसे व्यस्त हवाई अड्डे के रूप में अपनी स्थिति में सुधार देखा।

.

- रुपया फिसलकर 81.67 के निचले स्तर पर ,बाजार में अस्थिरता
- विदेशों में अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने और निवेशकों के बीच जोखिम-प्रतिकूल भावना के कारण रुपया सोमवार को
- अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 58 पैसे गिरकर 81.67 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ ,क्योंकि विदेशों में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और निवेशकों के बीच जोखिम-प्रतिकूल भावना का वजन स्थानीय इकाई पर पड़ा। इसके अलावा ,यूक्रेन में संघर्ष के कारण भू-राजनीतिक जोखिमों में वृद्धि ,घरेलू इक्विटी में एक नकारात्मक प्रवृत्ति और महत्वपूर्ण विदेशी फंड बहिर्वाह ने निवेशकों की भूख को कम कर दिया ,विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा।

सभी बैंकिंग ,एसएससी ,बीमा और अन्य परीक्षाओं के लिए प्राइम टेस्ट सीरीज खरीदें

- विषयसूची
- लचीलापन:
- अर्थशास्त्रियों ने क्या कहा:

- मौद्रिक नीति चुनौतियां:
- वैश्विक कारक:
- **लचीलापन:**
- इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में ,स्थानीय मुद्रा 81.47 पर खुली ,फिर अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 81.67 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुई ,जो पिछले बंद के मुकाबले 58 पैसे की गिरावट दर्ज कर रही थी। इससे पहले रुपया 30 पैसे टूटकर 81.09 पर बंद हुआ था ,जो इसका पिछला रिकॉर्ड निचला स्तर था। घरेलू इकाई के लिए यह लगातार चौथा सत्र है ,जिसमें उसे अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 193 पैसे का नुकसान हुआ है।
- **अर्थशास्त्रियों ने क्या कहा:**
- एचडीएफसी सिक्योरिटीज के रिसर्च एनालिस्ट दिलीप परमार ने कहा" ,डॉलर बनाम रुपये के लिए बड़े लाभ का एक और दिन , जोखिम-प्रतिकूल भावनाओं और ग्रीनबैक में अभूतपूर्व मजबूती के बीच चौथे दिन गिर गया। . "स्पॉट यूएसडी-आईएनआर 82 की ओर बढ़ सकता है क्योंकि डॉलर इंडेक्स में मजबूती बॉन्ड यील्ड के साथ जारी है ,परमार ने कहा ,निकट अवधि में ,स्पॉट यूएसडी-आईएनआर का प्रतिरोध 82 के आसपास और 81.05 पर समर्थन है। इस बीच ,डॉलर इंडेक्स ,जो छह मुद्राओं की एक टोकरी के मुकाबले ग्रीनबैक की ताकत का अनुमान लगाता है 0.46 ,प्रतिशत बढ़कर 113.71 पर पहुंच गया।
- **मौद्रिक नीति चुनौतियां:**
- भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम के तहत गठित मौद्रिक नीति समिति की38 वीं बैठक 30 - 28 सितंबर के दौरान होगी। विशेषज्ञों के अनुसार ,अब इस सप्ताह आरबीआई की बैठक पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा ,जिसका निर्णय 30 सितंबर को होगा। बाजार तदनुसार प्रतिक्रिया करेगा।
- **वैश्विक कारक:**
- वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.70 प्रतिशत गिरकर 85.55 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। घरेलू इक्विटी बाजार के मोर्चे पर, 30शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 953.70 अंक या 1.64 प्रतिशत गिरकर 57,145.22 पर बंद हुआ ,जबकि व्यापक एनएसई निफ्टी 311.05अंक या 1.8 प्रतिशत गिरकर 17,016.30 पर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध विक्रेता थे क्योंकि उन्होंने एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार 2,899.68 करोड़ रुपये के शेयर उतारे। इस बीच ,देश का विदेशी मुद्रा भंडार 16 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 5.219 अरब डॉलर घटकर 545.652 अरब डॉलर रह गया।

जैसा कि भारत ने बचपन के टीकाकरण के साथ उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है और कोविड -19 टीकाकरण के साथ ऐसा करना जारी रखता है।

इसने अपनी अधिकांश आबादी तक पहुंचने के लिए समय और भूगोल की चुनौतियों को पार किया है, अंतिम-मील वितरण सुनिश्चित किया है, सरकारी स्तर पर एक निरंतर बड़े पैमाने पर संचालन को वित्तपोषित किया है, और लोगों के बीच विश्वास को विकसित और बनाए रखा है।

टीकाकरण क्या है?

किसी बीमारी से प्रतिरक्षा प्रणाली को विकसित करने में मदद करने के लिए शरीर में टीका लगाने का कार्य टीकाकरण कहलाता है।

टीकाकरण सबसे अधिक लागत प्रभावी सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेपों में से एक है, जो लोगों, विशेष रूप से बच्चों को भयानक टीके-रोकथाम योग्य बीमारियों से बचाकर जीवन बचाता है।

महत्व:

हाल के एक अध्ययन के अनुसार, टीकों ने पिछले 20 वर्षों में अकेले निम्न और मध्यम आय वाले देशों में 3.7 करोड़ मौतों को रोका है।

आर्थिक और सामाजिक लाभ:

यह अनुमान है कि 2021-30 से निचले मध्य-आय वाले देशों (LMIC) में 10 रोगजनकों के खिलाफ टीकाकरण में निवेश किए गए प्रत्येक रुपये के लिए, निवेश पर प्रतिफल 52 रुपये होगा।

दो शताब्दियों पहले चेचक के टीके की खोज के बाद से, टीकों ने पोलियो, खसरा, टेटनस, काली खांसी, इन्फ्लूएंजा और हाल ही में, कोविड -19 जैसी बीमारियों के बोझ को प्रभावी ढंग से कम किया है।

टीकाकरण में भारत की उपलब्धियां क्या हैं?

पार्श्वभूमि:

भारत में सफल टीकाकरण का एक लंबा इतिहास रहा है, जिसमें 18वीं शताब्दी में टीकाकरण के ऐतिहासिक विवरण हैं।

1977 में चेचक-मुक्त घोषित होने के बाद, भारत ने 1978 में टीकाकरण पर विस्तारित कार्यक्रम (EPI) शुरू किया और बैसिलस कैलमेट-गुएरिन वैक्सीन (BCG), डिप्थीरिया, टेटनस, पर्टुसिस (DPT), और ओरल पोलियोवायरस वैक्सीन (OPV) टीके पेश किए। .

राष्ट्रीय स्वास्थ्य परिवार सर्वेक्षण (NHFS) डेटा:

नवीनतम राष्ट्रीय स्वास्थ्य परिवार सर्वेक्षण के अनुसार बच्चों के टीकाकरण की दर में पिछले दो दशकों में लगातार सुधार हुआ है और 'पूरी तरह से टीकाकरण' करने वाले बच्चों का अनुपात 76 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

पहल और उपलब्धियां:

सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी): भारत ने नवजात शिशुओं, शिशुओं, बच्चों और गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण पर ध्यान केंद्रित करके वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में लगातार योगदान दिया है।

यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम (यूआईपी): इसके तहत, भारत राष्ट्रीय स्तर पर 11 बीमारियों और उप-राष्ट्रीय स्तर पर एक बीमारी के खिलाफ टीके प्रदान करता है।

इसके अलावा, हर साल करीब 2.7 करोड़ नवजात शिशुओं और 2.9 करोड़ गर्भवती महिलाओं को लक्षित करना।

सामूहिक टीकाकरण अभियान:

भारत ने एक महत्वाकांक्षी खसरा-रूबेला (MR) टीकाकरण अभियान शुरू किया और तीन वर्षों में 3 करोड़ से अधिक बच्चों का टीकाकरण किया, जिससे बच्चों में दसियों हज़ार खसरे से होने वाली मौतों को रोका गया।

मिशन इंद्रधनुष:

2014 के बाद से, मिशन इंद्रधनुष जैसे कैच-अप राउंड के साथ टीकाकरण गतिविधियों को तेज किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि देश भर में 90% का पूर्ण टीकाकरण कवरेज हासिल किया जा सके।

बच्चों में रोटावायरल डायरिया और न्यूमोकोकल निमोनिया को रोकने के लिए न्यूमोकोकल कॉन्जुगेट वैक्सीन (पीसीवी) को मेड-इन-इंडिया टीकों का उपयोग करके पेश किया गया और बढ़ाया गया।

प्रौद्योगिकी का उपयोग:

इलेक्ट्रॉनिक वैक्सीन इंटेलिजेंस नेटवर्क (eVIN) सिस्टम जैसी तकनीक का उपयोग जो पूरे वैक्सीन स्टॉक प्रबंधन, उनके लॉजिस्टिक्स और राष्ट्रीय स्तर से उप-जिले तक वैक्सीन भंडारण के सभी स्तरों पर तापमान ट्रैकिंग को डिजिटाइज़ करता है।

सरकार के बहुआयामी दृष्टिकोण ने 2014 में पूरी आबादी को पोलियो मुक्त होने के लिए सार्वजनिक स्वामित्व हासिल करने में मदद की।

विभिन्न टीकाकरण अभियानों के दौरान भारत को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा?

कोविड -19 के दौरान आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान: महामारी के दौरान, लॉकडाउन ने नियमित टीकाकरण सेवाओं में व्यवधान और स्वास्थ्य सुविधाओं को बंद कर दिया।

टीकाकरण में हिचकिचाहट: एक अभूतपूर्व गति से टीकों को बाहर लाने के लिए वैश्विक सहयोग था, उन लोगों में एक 'इन्फोडेमिक-ईंधन' वैक्सीन झिझक भी देखी गई, जो पहले टीकों पर भरोसा करते थे।

टीकाकरण में भारत की सफलता के क्या कारण हैं?

स्वास्थ्य में क्षमता निर्माण: भारत ने अनुसंधान और विकास, और विनिर्माण क्षमता सहित अपने जैव चिकित्सा उद्यम का निर्माण किया है।

स्वदेशी रूप से उत्पादित रोटावायरस और पीसीवी टीके, और जिस गति से भारत स्वदेशी रूप से दो कोविड -19 टीकों का उत्पादन करने में सक्षम था, इन निवेशों पर प्रतिफल के उदाहरण हैं।

आधारभूत संरचना:

भारत ने कोल्ड चेन सिस्टम स्थापित करके और अंतिम छोर तक सेवाओं की स्थापना करने वाले श्रमिकों के सामुदायिक स्वास्थ्य संवर्ग को विकसित और प्रशिक्षित करके अपने वितरण बुनियादी ढांचे का भी निर्माण किया।

व्यवहार संचार अभियान:

बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ सामाजिक और व्यवहारिक संचार अभियानों के माध्यम से मांग पक्ष में सुधार हुआ।

2021 में भारत में यातायात दुर्घटनाओं में 3 लाख लोग मारे गए, 2020 से यूपी

- नवीनतम राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार:
- 2020 में 3.68 लाख से 2021 में यातायात दुर्घटनाओं की संख्या बढ़कर 4.22 लाख हो गई। रिपोर्ट की गई मौतों की संख्या भी 2021 में बढ़कर 1.73 लाख हो गई, जो 2020 में 1.46 लाख थी।
- अकेले 3 राज्यों (उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और महाराष्ट्र) में कुल मौतों का 33.3% हिस्सा है। सड़क हादसों में मौतों में वृद्धि करने वाले कारक दोषपूर्ण सड़क-डिजाइन और वाहनों की खराब स्थिति। तेज गति से वाहन चलाना, शराब, ड्रग्स आदि के प्रभाव में वाहन चलाना।
- परिवहन की लागत बचाने के लिए ओवरलोडिंग। सुरक्षा सुविधाओं आदि के महत्व के बारे में लोगों में जागरूकता की कमी। यातायात प्रबंधन के लिए मानव संसाधन की कमी। गोल्डन ऑवर के भीतर मदद करने के लिए सीमित आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा मृत्यु दर को और बढ़ा देती है। मोटर व्हीकल एक्ट के अनुसार, गोल्डन ऑवर 'एक दर्दनाक चोट के बाद एक घंटे तक चलने वाला समय है, जिसके दौरान तत्काल चिकित्सा देखभाल प्रदान करके मृत्यु को रोकने की सबसे अधिक संभावना है।

प्रारंभिक परीक्षा मुख्य तथ्य

64वें रेमन मैग्सेसे पुरस्कार 2022 की घोषणा

रेमन मैग्सेसे अवार्ड्स फाउंडेशन (RMAF), जिसे व्यापक रूप से "एशिया का नोबेल शांति पुरस्कार" माना जाता है, ने हाल ही में एक वैश्विक घोषणा समारोह में इस वर्ष के पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की। 2022 के रेमन मैग्सेसे पुरस्कार विजेताओं में सोथियारा छिम (कंबोडिया), बर्नाडेट मैड्रिड (फिलीपींस), तदाशी हटोरी (जापान) और गैरी बेनचेघिब (इंडोनेशिया) शामिल हैं।

प्राप्तकर्ताओं के बारे में रेमन मैग्सेसे पुरस्कार 2022

सोथियारा छिम - वह कंबोडिया के एक मानसिक स्वास्थ्य अधिवक्ता हैं। वह कंबोडियन ट्रॉमा सिंड्रोम में एक अग्रणी आवाज है। उन्हें "अपने लोगों के उपचारक बनने के लिए गहरे आघात को पार करने में उनके शांत साहस" के लिए पहचाना जा रहा है। एक बच्चे के रूप में, उन्हें खमेर रूज शिविरों में तीन साल से अधिक समय तक काम करने के लिए मजबूर किया गया था, जब तक कि 1979 में उनका शासन समाप्त नहीं हो गया।

तदाशी हटोरी - वह जापान से एक दृष्टि-बचत मानवतावादी है। उन्हें एक व्यक्ति और एक पेशेवर के रूप में उनकी सरल मानवता और असाधारण उदारता के लिए पहचाना जा रहा है। उन्होंने 15 साल की उम्र में डॉक्टर बनने का फैसला किया, जब उन्होंने अपने कैंसर से पीड़ित पिता को अस्पताल में मिले असभ्य व्यवहार को देखा।

बर्नाडेट जे. मैड्रिड - वह फिलीपींस की एक बच्चों के अधिकारों की योद्धा है। उन्हें "महान और मांग की वकालत करने के लिए उनकी निश्छल और दृढ़ प्रतिबद्धता" के लिए पहचाना जा रहा है। 1997 से, उन्होंने मनीला के फिलीपीन जनरल अस्पताल में देश के पहले बाल संरक्षण केंद्र का नेतृत्व किया है। इसने पिछले वर्ष की तुलना में 27,000 से अधिक बच्चों को सेवा प्रदान की है।

गैरी बेनचेघिब - वह इंडोनेशिया का एक प्लास्टिक-विरोधी प्रदूषण योद्धा है। उन्हें "समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ उनकी प्रेरक लड़ाई" के लिए इमर्जेंट लीडरशिप के लिए पहचाना जा रहा है।

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार के बारे में:

1957 में स्थापित रेमन मैग्सेसे पुरस्कार एशिया का सबसे बड़ा सम्मान और गौरव है। पुरस्कार का प्रबंधन RMAF द्वारा किया जाता है। इसका नाम फिलीपींस के तीसरे राष्ट्रपति रेमन मैग्सेसे के नाम पर रखा गया है। इस पुरस्कार को दुनिया भर **में 'एशिया का नोबेल पुरस्कार'** माना जाता है। पुरस्कार प्रतिवर्ष 31 अगस्त को फिलीपींस के मनीला में एक औपचारिक समारोह में प्रस्तुत किया जाता है। पहला रेमन मैग्सेसे पुरस्कार समारोह 31 अगस्त 1958 को आयोजित किया गया था।

बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने 2022 गोल कीपर्स ग्लोबल गोल्स अवार्ड्स के साथ चार नेताओं को सम्मानित किया

बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने अपने वार्षिक गोलकीपर्स अभियान के हिस्से के रूप में 2022 गोलकीपर्स ग्लोबल गोल्स अवार्ड्स के साथ 4 चेंजमेकर्स को सम्मानित किया। यह पुरस्कार उनके समुदायों और दुनिया भर में संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (यूएन) दिशा में प्रगति को आगे बढ़ाने के उनके प्रयासों को मान्यता देता है। गेट्स फाउंडेशन की छठी वार्षिक गोलकीपर की (एसडीजी)रिपोर्ट, "द फ्यूचर ऑफ प्रोग्रेसलेखक बनाया गया था।-जारी की गई। इसे फाउंडेशन के कोच बिल गेट्स और मेलिंडा फ्रेंच गेट्स द्वारा सह "

Name of the Award	Presented by	Awardee	Country
2022 Global Goalkeeper Award	Bill Gates and Melinda French Gates	Ursula von der Leyen	Germany
2022 Campaign Award	Malala Yousafzai	Vanessa Nakate	Uganda
2022 Changemaker Award	Angelina Jolie	Zahra Joya	Afghanistan
2022 Progress Award	Lilly Singh	Dr. Radhika Batra	India

डॉ राधिका बत्रा के बारे में:

राधिका बत्रा गैर लाभकारी संगठन-'एवरी इन्फैंट मैटर्स' की सहसंस्थापक हैं-, जो भारत में वंचित बच्चों को अंतिम छोर तक स्वास्थ्य समाधान प्रदान करती है। वह एसडीजी 3: गुड हेल्थ एंड वेल ग और एसडीजीबीइं-10: कम की गई असमानताओं को आगे बढ़ा रही है।

ज़हरा जोया के बारे में:

ज़हरा जोया पेशे से पत्रकार हैं। 'रुख्शाना मीडिया' की स्थापना और स्वअपनी तरह का पहला राष्ट्रीय समाचार संगठन - वित्तपोषित-, एक ऑनलाइन समाचार एजेंसी जो विशेष रूप से उन मुद्दों को कवर करने पर केंद्रित है जो अफगानिस्तान की महिलाओं को प्रभावित करते हैं। वह एसडीजी 5: जेंडर इक्वैलिटी और एसडीजी 16: पीस जस्टिस एंड स्ट्रॉन्ग इंस्टीट्यूशंस को आगे बढ़ा रही है।

वैनेसा नाकाटे के बारे में:

वैनेसा नाकाटे युगांडा की एक जलवायु न्याय कार्यकर्ता और अफ्रीका आधारित-'राइज़ अप मूवमेंट' और 'ग्रीन स्कूल प्रोजेक्ट' की संस्थापक हैं। वह एसडीजी 4: शिक्षा, एसडीजी 5: लैंगिक समानता, एसडीजी 10: कम असमानताएं, और एसडीजी 13: जलवायु कार्रवाई में प्रगति कर रही है। सितंबर 2022 में, यूनिसेफ ने वैनेसा नाकाटे को अपना सद्भावना राजदूत नियुक्त (य बाल आपातकालीन कोषसंयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्री) किया।

उर्सुला वॉन डेर लेयेन के बारे में:

उर्सुला वॉन डेर लेयेन एक जर्मन राजनीतिज्ञ हैं जो यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। उन्हें क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

2022 गोलकीपर पुरस्कार समारोह:

• इस कार्यक्रम की मेजबानी दक्षिण अफ्रीकी समाचार प्रसारक ईएनसीए के वरिष्ठ एंकर टुमेलो मोथोटोएन ने की।

• गोलकीपर ग्लोबल गोल्स अवार्ड समारोह का आयोजन लिंकन सेंटर, न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका में किया गया था। (यूएस)

• गोलकीपर सतत विकास लक्ष्यों वैश्विक लक्ष्य)ोंकी दिशा में प्रगति में (तेजी लाने के लिए गेट्स फाउंडेशन का अभियान है।

विश्व राइनो दिवस 2022 22 सितंबर को मनाया गया

विश्व गैंडा दिवस 22 सितंबर को विभिन्न गैंडों की प्रजातियों और उनके सामने आने वाले खतरों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। **यह**

दिन सभी पांच राइनो प्रजातियों अर्थात् सुमात्राण, ब्लैक, ग्रेटर वनसींग-, जावन और व्हाइट राइनो प्रजातियों को भी मनाता है। यह दिन गैर सरकारी संगठनों, चिड़ियाघरों और आम जनता को गैंडों को अपने विशेष तरीके से सम्मानित करने का अवसर प्रदान करता है। इस दिन का उद्देश्य इन जानवरों की रक्षा के महत्व को फैलाना है, क्योंकि कई वर्षों से चल रहे अवैध शिकार और निवास स्थान के नुकसान के कारण गैंडा गंभीर रूप से लुप्तप्राय हो गया है।

विश्व राइनो दिवस 2022: थीम

इस वर्ष का विश्व राइनो दिवस थीम के त "फाइव राइनो स्पीशीज फॉरएवर"हत मनाया जाएगा। इस दिन का लक्ष्य गैंडों को उनके जीवन के लिए खतरे से बचाने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के नेक काम को बढ़ावा देना है। गैंडे लगातार गंभीर खतरे में हैं।

विश्व राइनो दिवस 2022: महत्व

अवैध शिकार, जलवायु परिवर्तन और अपने प्राकृतिक पर्यावरण में गड़बड़ी के कारण गैंडे के विलुप्त होने का खतरा है। दिन का वार्षिक स्मरणोत्सव दुनिया भर में राइनो प्रजातियों की सुरक्षा और देखभाल की आवश्यकता के बारे में जागरूकता फैलाने पर जोर देता है। आज, गैंडे की तीन प्रजातियाँकाला -, जावन और सुमात्राण को गंभीर रूप से संकटग्रस्त कहा जाता है।

विश्व राइनो दिवसइतिहास :

दिन की घोषणा 2010 में WWF-दक्षिण अफ्रीका द्वारा की गई थी। जब लिसा जेन कैंपबेल, एनामिटिसी की संस्थापक और ज़िम्बाब्वे में चिशक्रे रेंच की मालिक, ने 2011 में राइनो की सभी पांच प्रजातियों को विलुप्त होने से बचाने या संरक्षित करने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए इवेंट के क्रिएटिव डायरेक्टर, रिशजा कोटा के साथ मिलकर काम किया। वार्षिक उत्सव को वैश्विक स्तर पर पहचान मिली। विश्व राइनो दिवस पहली बार 2011 में मनाया गया था और तब से हर साल इसे दुनिया भर में मनाया जाता है।

यूनेस्को ने भारत 2022 के लिए शिक्षा रिपोर्ट का शुभारंभ किया शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता : (एआई)

- रिपोर्ट यूनेस्को का चौथा संस्करण और वार्षिक फ्लैगशिप रिपोर्ट है जिसका उद्देश्य भारत में शिक्षा में एआई के जिम्मेदार और मानव केंद्रित अनुप्रयोग के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना है। रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं भारत में एआई बाजार-2025 तक 20.2% सीएजीआर की दर से 7.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।
- भारत में AI साक्षरता अत्यधिक प्रासंगिक होती जा रही है। भारत में उच्चतम सापेक्ष एआई कौशल प्रवेश दर वैश्विक औसत का) 3.09 गुना और आज की शिक्षा (आईटीएस) है। रिपोर्ट व्यापक और व्यक्तिगत बुद्धिमान ट्यूटरिंग सिस्टम (प्रणाली दोष पर केंद्रित है जो एक आकारसभी दृष्टिकोण है।-फिट-
- आईटीएस इसे सीखने के परिणामों पर नज़र रखने और वास्तविक समय में व्यक्तिगत रूप से छात्रों की दक्षताओं का आकलन करने के माध्यम से संबोधित करता है। शिक्षा क्षेत्र में एआई के कार्यान्वयन के लिए चुनौतियां शिक्षा में एआई के लिए नीतियों का अभाव। संसाधनों और बुनियादी ढांचे की कमी शिक्षा में एआई के विस्तार को प्रभावित करती है।
- शिक्षा प्रणालियों में एआई के लिए प्रशिक्षण डेटा की कमी। एआईसमर्थित उपकरण-आधारित नकली और जालसाजी और एआई-बढ़ाना जिससे छात्र धोखा दे सकें। भारत ने एआई की क्षमता को भी समझा है और इसलिए उद्योग 4.0 की मांगों को पूरा करने के लिए गुणवत्ता और कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एनईपी 2020 के तहत शिक्षा में एआई के एकीकरण पर जोर दिया है।

जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप)JWST या वेब(

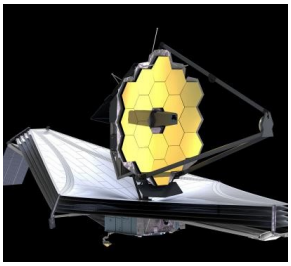

NAS A के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने हाल ही में मंगल ग्रह की अपनी पहली तस्वीरें खींची हैं। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप 2021 में ईएसए के (कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी) और सीएसए (यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी) सहयोग से नासा द्वारा लॉन्च किया गया एक बड़ा इन्फ्रारेड टेलीस्कोप है। यह हमारे ब्रह्मांड के इतिहास के हर चरण का अध्ययन करेगा, जैसेग के बाद पहली चमकदार चमकबिग बैं :, पृथ्वी जैसे ग्रहों पर जीवन का समर्थन करने में सक्षम सौर मंडल का निर्माण, हमारे अपने सौर मंडल का विकास; पृथ्वी के पड़ोसी ग्रह पर अपनी अवरक्त संवेदनशीलता के साथ एक अनूठा परिप्रेक्ष्य प्रदान करना।

भारतीय नौसेना ने 32 साल की सेवा के बाद आईएनएस अजय को सेवामुक्त किया

भारतीय नौसेना ने नेवल डॉकयार्ड, **मुंबई में देश को** 32 साल की शानदार सेवा प्रदान करने के बाद आईएनएस अजय को सेवामुक्त कर दिया है।

आईएनएस अजय के बारे में:

- इसे 24 जनवरी, 1990 **को तत्कालीन सोवियत संघ के पोटी**, जॉर्जिया में कमीशन किया गया था।
- यह फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग, **महाराष्ट्र नेवल एरिया के** ऑपरेशनल कंट्रोल के तहत 23**वें पैट्रोल वेसल स्क्वाड्रन** का हिस्सा था।
- भागीदारी :2001 **में कारगिल युद्ध और ऑपरेशन पराक्रम के** दौरान ऑप तलवार
- मुख्य अतिथि**वाइस एडमिरल अजेंद्र बहादुर सिंह** :

विविध

सूबेदार मेजर यादव द्वारा लिखित आत्मकथा "द हीरो ऑफ टाइगर हिल"

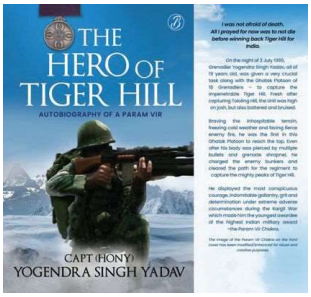

आत्मकथा **'द हीरो ऑफ टाइगर हिलऑटोबायोग्राफी ऑफ ए परमवीर :**'के कारगिल संघर्ष 1999 पुरस्कार विजेता (पीवीसी) साल की उम्र में सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र 19 में उनके कार्यों के लिए **सूबेदार मेजर** की प्रेरणादायक कहानी के बारे में है। **(सेवानिवृत्त) योगेंद्र सिंह यादव (नमानद कैप्ट)** यह आत्मकथा**सृष्टि पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स द्वारा प्रकाशित की गई है।**

किताब के बारे में

सूबेदार मेजर यादव का उनके बारे में लिखित में विचार तब शुरू हुआ जब उन्हें भारत के शीर्ष कॉलेजों में आमंत्रित किया गया, उन्होंने देखा कि उनके सरल लेकिन ईमानदार उत्तरों ने युवा छात्रों पर बहुत **प्रभाव डाला। आत्मकथा लिखने का उनका उद्देश्य भारत के युवाओं को प्रेरित करना और देशभक्ति की भावना पैदा करना है। पुस्तक** मुख्य रूप से**जुलाई 3 , 1999** की रात पर केंद्रित थी, ग्रेनेडियर्स रेजिमेंट की 18 वर्षीय यादव को टाइगर हिल पर कब्जा करने के लिए 19 घातक प्लाटून के साथ एक महत्वपूर्ण कार्य दिया गया था।

विश्व नारियल दिवस 2022 , 2 सितंबर को मनाया गया

विश्व नारियल दिवस हर साल 2 सितंबर को मनाया जाता है। नारियल के मूल्य और लाभों के ज्ञान पर जोर देने और फैलाने के लिए यह दिन मनाया जाता है। भोजन, ईंधन, दवा, सौंदर्य प्रसाधन, निर्माण सामग्री और कई अन्य उपयोगों में इसके बहुमुखी उपयोग के कारण नारियल के ताड़ को अक्सर 'जीवन का **वृक्ष**' कहा जाता है।

विश्व नारियल दिवस 2022: थीम

अंतर्राष्ट्रीय नारियल समुदाय विश्व नारियल दिवस की थीम का चयन करता है। इस वर्ष विश्व नारियल दिवस की थीम **"बेहतर भविष्य और जीवन के लिए नारियल उगाना"** है।

राष्ट्रीय शिक्षक दिवस 2022: उत्सव, थीम, महत्व और इतिहास

शिक्षक दिवस या शिक्षक दिवस देश के पहले उपराष्ट्रपति (1952-1962) के जन्मदिन का प्रतीक है, जो भारत के दूसरे राष्ट्रपति (1962-1967), एक विद्वान, दार्शनिक, भारत रत्न से सम्मानित, डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन बने। उनका जन्म 5 सितंबर 1888 को हुआ था। लेकिन शिक्षक दिवस पहली बार वर्ष 1962 में उनके 77वें जन्मदिन पर मनाया गया था। वह एक शिक्षक थे जो एक दार्शनिक, विद्वान और राजनीतिज्ञ बन गए। उन्होंने अपना पूरा जीवन लोगों के जीवन में शिक्षा के महत्व की दिशा में काम करने के लिए समर्पित कर दिया।

राष्ट्रीय शिक्षक दिवस 2022: थीम

इस वर्ष के शिक्षक दिवस की थीम 'संकट में अग्रणी, भविष्य की फिर से कल्पना करना' है।

राष्ट्रीय शिक्षक दिवस 2022: महत्व

शिक्षक दिवस एक ऐसा आयोजन है जिसके लिए छात्र और शिक्षक समान रूप से तत्पर रहते हैं। यह दिन छात्रों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उन्हें अपने शिक्षकों द्वारा उचित शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए किए गए प्रयासों को समझने का मौका देता है। इसी तरह, शिक्षक भी शिक्षक दिवस समारोह के लिए तत्पर हैं क्योंकि उनके प्रयासों को छात्रों और अन्य एजेंसियों द्वारा भी मान्यता और सम्मानित किया जाता है।

शिक्षक, राधाकृष्णन की तरह, देश के भविष्य के निर्माता हैं क्योंकि वे सुनिश्चित करते हैं कि उनके छात्र अपने जीवन को जिम्मेदारी से जीने के लिए उचित ज्ञान और ज्ञान से लैस हों। शिक्षक दिवस हमारे समाज में उनकी भूमिका, उनकी दुर्दशा और उनके अधिकारों को उजागर करने में मदद करता है।

राष्ट्रीय शिक्षक दिवस: इतिहास

जब डॉ राधाकृष्णन ने 1962 में भारत के दूसरे राष्ट्रपति का पद संभाला, तो उनके छात्रों ने उनसे 5 सितंबर को एक विशेष दिन के रूप में मनाने की अनुमति लेने के लिए संपर्क किया। इसके बजाय डॉ राधाकृष्णन ने उनसे समाज में शिक्षकों के योगदान को पहचानने के लिए 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने का अनुरोध किया।

तब से, 5 सितंबर को स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। छात्रों ने अपने सबसे प्रिय शिक्षकों के लिए प्रदर्शन, नृत्य और विस्तृत कार्यक्रमों की मेजबानी की।

राष्ट्रीय शिक्षक दिवस 2022: सर्वपल्ली राधाकृष्णन

सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म एक तेलुगु भाषी नियोगी ब्राह्मण परिवार में, मद्रास जिले के तिरुत्तानी में तत्कालीन मद्रास प्रेसीडेंसी (बाद में आंध्र प्रदेश में 1960 तक, अब 1960 से तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में) में हुआ था। उनका जन्म सर्वपल्ली वीरस्वामी और सीता (सीताम्मा) से हुआ था। उनका परिवार आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले के सर्वपल्ली गांव का रहने वाला है।

पुरस्कार और सम्मान:

राधाकृष्णन को उनके जीवन के दौरान कई उच्च पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था, जिसमें 1931 में नाइटहुड, भारत रत्न, 1954 में भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार और 1963 में ब्रिटिश रॉयल ऑर्डर ऑफ मेरिट की मानद सदस्यता शामिल है। वह संस्थापकों में से एक भी थे। हेल्पेज इंडिया, भारत में वंचित बुजुर्गों के लिए एक गैर-लाभकारी संगठन।

शिक्षा:

राधाकृष्णन को उनके पूरे शैक्षणिक जीवन में छात्रवृत्तियों से सम्मानित किया गया था। उन्होंने अपनी हाई स्कूल की शिक्षा के लिए वेल्लोर के वूरहिस कॉलेज में दाखिला लिया। अपने एफए (प्रथम कला) वर्ग के बाद, उन्होंने 16 साल की उम्र में मद्रास

क्रिश्चियन कॉलेज (मद्रास विश्वविद्यालय से संबद्ध) में प्रवेश लिया। उन्होंने 1907 में वहां से स्नातक की उपाधि प्राप्त की, और उसी कॉलेज में अपने परास्नातक भी समाप्त किए।

सर्वपल्ली राधाकृष्णन का करियर:

सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक भारतीय दार्शनिक और राजनीतिज्ञ थे, जिन्होंने 1962 से 1967 तक भारत के दूसरे राष्ट्रपति और 1952 से 1962 तक भारत के पहले उपराष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। वह 1949 से 1952 तक सोवियत संघ में भारत के दूसरे राजदूत भी रहे। 1939 से 1948 तक बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति।

भारत सरकार ने राजपथ का नाम बदलकर कार्तव्य पथ रखने की घोषणा की

भारत सरकार ने राजपथ और सेंट्रल विस्टा लॉन का नाम बदलकर कार्तव्य पथ करने की घोषणा की है। यह निर्णय भारत में ब्रिटिश उपनिवेश के अवशेषों को छोड़ने के लिए कहा जाता है। राजपथ और सेंट्रल विस्टा लॉन का नाम बदलने के उद्देश्य से 7 सितंबर को बुलाई गई एक विशेष बैठक के बाद यह फैसला आया। इससे पहले मोदी सरकार ने रेसकोर्स रोड से लोक कल्याण मार्ग तक जिस सड़क पर प्रधानमंत्री आवास है उसका नाम बदल दिया था।

कर्तव्य पथ के बारे में:

कर्तव्य पथ में नेताजी की मूर्ति से लेकर राष्ट्रपति भवन तक का पूरा मार्ग और क्षेत्र शामिल है। यह मार्ग राष्ट्रपति भवन से रायसीना हिल पर विजय चौक और इंडिया गेट से दिल्ली के नेशनल स्टेडियम तक चलता है। यह निर्णय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र के नाम संबोधन के बाद आया है, जहां उन्होंने औपनिवेशिक मानसिकता से संबंधित प्रतीकों और संकेतों के उन्मूलन के लिए अग्रणी कारकों पर जोर दिया था।

सेंट्रल विस्टा एवेन्यू:

- सेंट्रल विस्टा एवेन्यू सरकार की महत्वाकांक्षी सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना का हिस्सा है। राजपथ के दोनों किनारों पर निर्माण कार्य पूरा होने के बाद सेंट्रल विस्टा एवेन्यू उद्घाटन के लिए तैयार है।
- सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना में एक नया त्रिकोणीय संसद भवन, एक सामान्य केंद्रीय सचिवालय, तीन किलोमीटर के राजपथ का कायाकल्प, नए प्रधान मंत्री का निवास और कार्यालय और एक नया उपराष्ट्रपति का एन्क्लेव शामिल है।
- राजपथ के साथ सेंट्रल विस्टा एवेन्यू में राज्यवार फूड स्टॉल, चारों ओर हरियाली के साथ लाल ग्रेनाइट पैदल मार्ग, वेंडिंग जोन, पार्किंग स्थल और चौबीसों घंटे सुरक्षा होगी, लेकिन लोगों को इंडिया गेट से मान सिंह की बस एक चीज याद आएगी।

लिज़ ट्रस: मैरी एलिजाबेथ ट्रस, एक ब्रिटिश राजनीतिज्ञ, जिनका जन्म 26 जुलाई, 1975 को हुआ था, अब कंजरवेटिव पार्टी की नेता हैं और 6 सितंबर, 2022 को यूके की प्रधान मंत्री बनने की उम्मीद है।

नीले आसमान के लिए स्वच्छ हवा का अंतर्राष्ट्रीय दिवस: 7 सितंबर

वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए कार्यों को बढ़ावा देने और सुविधा प्रदान करने के लिए 07 सितंबर को विश्व स्तर पर नीले आसमान के लिए स्वच्छ हवा का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। यह सामूहिक जवाबदेही और सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए वायु प्रदूषण की सीमा पार प्रकृति पर केंद्रित है। यह संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त दिवस है जिसका उद्देश्य सभी स्तरों (व्यक्तिगत, समुदाय, कॉर्पोरेट और सरकार) पर जन जागरूकता बढ़ाना है कि स्वच्छ हवा स्वास्थ्य, उत्पादकता, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है।

नीले आसमान के लिए स्वच्छ हवा का अंतर्राष्ट्रीय दिवस 2022: थीम

इस वर्ष की थीम "द एयर वी शेयर" वायु प्रदूषण की सीमा पार प्रकृति पर केंद्रित है, जिसमें सामूहिक जवाबदेही और कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया गया है। यह वायु प्रदूषण से निपटने के लिए शमन नीतियों और कार्यों के अधिक कुशल कार्यान्वयन के लिए तत्काल और रणनीतिक अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय सहयोग की आवश्यकता पर भी प्रकाश डालता है।

नीले आसमान के लिए स्वच्छ हवा का अंतर्राष्ट्रीय दिवस 2022: महत्व

संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों के साथ शिखर सम्मेलन की मेजबानी करके नीले आसमान के लिए स्वच्छ हवा के अंतर्राष्ट्रीय दिवस को मनाता है। उपस्थित लोगों ने अपने दृष्टिकोण रखे और दुनिया भर में वायु प्रदूषण और वायु गुणवत्ता के प्रभावों पर डेटा पर चर्चा की।

नीले आसमान के लिए स्वच्छ हवा का अंतर्राष्ट्रीय दिवस: इतिहास

अपने 74 वें सत्र के दौरान, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 19 दिसंबर, 2019 को नीले आसमान के लिए स्वच्छ हवा का अंतर्राष्ट्रीय दिवस आयोजित करने के लिए एक प्रस्ताव अपनाया। इस संकल्प ने संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) को भी सहयोग में दिन के पालन की सुविधा के लिए प्रोत्साहित किया। अन्य प्रासंगिक हितधारक। प्रस्ताव के पारित होने की अगुवाई में, जलवायु और स्वच्छ वायु गठबंधन ने यूएनईपी और कोरिया गणराज्य के साथ मिलकर दिन की वकालत की।

उत्तराखंड सरकार ने 'समर्थ' ई-गवर्नेंस पोर्टल लॉन्च किया

उत्तराखंड शिक्षा विभाग ने एक ई-गवर्नेंस पोर्टल "समर्थ" लॉन्च किया। यह पोर्टल पांच राज्य विश्वविद्यालयों और 140 पब्लिक स्कूलों से प्रवेश परीक्षा, वेतन संरचना और नियुक्तियों के बारे में जानकारी सहित सभी प्रशासनिक और शैक्षिक अपडेट प्रदान करता है। राज्य में शिक्षा प्रणाली को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए यह पहल की गई है।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 2022, 08 सितंबर को मनाया जाता है

व्यक्तियों और समाजों के लिए साक्षरता के अर्थ और महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए दुनिया भर में हर साल 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस (ILD) मनाया जाता है। यह दिन व्यक्तियों, समुदायों और समाजों के लिए साक्षरता के महत्व और अधिक साक्षर समाजों के लिए गहन प्रयासों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता फैलाता है।

यूएनडीपी का मानव विकास सूचकांक: भारत 191 देशों में 132वें स्थान पर है

- 2021 मानव विकास सूचकांक (HDI) पर एक रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा जारी मानव विकास रिपोर्ट 2021-2022 का हिस्सा है।
- एचडीआई मानव विकास के तीन बुनियादी आयामों में एक देश की औसत उपलब्धि को मापता है - एक लंबा और स्वस्थ जीवन, शिक्षा और एक सभ्य जीवन स्तर।
- इसकी गणना चार संकेतकों - जन्म के समय जीवन प्रत्याशा, स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष, स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष और प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (GNI) का उपयोग करके की जाती है।

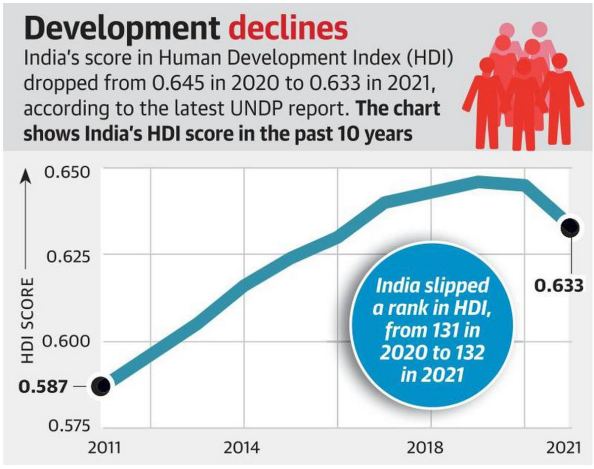

भारतीय परिदृश्य

- 2021 मानव विकास सूचकांक (HDI) में भारत 191 देशों और क्षेत्रों में 132वें स्थान पर है। 2020 की रिपोर्ट में, भारत 189 देशों और क्षेत्रों में 131वें स्थान पर था। अपने पिछले स्तर से देश के प्रदर्शन में गिरावट जीवन प्रत्याशा में गिरावट के कारण थी।
- **भारत के पड़ोसियों में श्रीलंका (73वां), चीन (79वां), बांग्लादेश (129वां), और भूटान (127वां) भारत से ऊपर है, जबकि पाकिस्तान (161वां), नेपाल (143वां) और म्यांमार (149वां) की स्थिति बदतर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग 90 प्रतिशत देशों ने 2020 या 2021 में अपने एचडीआई मूल्य में गिरावट दर्ज की है।**

शिक्षा को हमले से बचाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस: 09 सितंबर

शिक्षा को हमले से बचाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस 2020 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के सर्वसम्मत निर्णय द्वारा स्थापित एक अंतर्राष्ट्रीय पालन है। यह प्रत्येक वर्ष 9 सितंबर को मनाया जाता है। दिन का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों के लिए सुरक्षा और सुरक्षा के स्थानों के रूप में स्कूलों की सुरक्षा के महत्व और शिक्षा को सार्वजनिक एजेंडे में सबसे ऊपर रखने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

हुकबलाहप विद्रोह

हुकबलाहाप विद्रोह को हुक विद्रोह भी कहा जाता है, (1946-54), मध्य लुज़ोन, फिलीपींस में कम्युनिस्ट के नेतृत्व वाला किसान विद्रोह। आंदोलन का नाम हुकबो एनजी बायन लाबन सा हापोन के लिए एक तागालोग का संक्षिप्त नाम है, जिसका अर्थ है "पीपुल्स एंटी-जापानी सेना।" हक्स 1950 में जीत के करीब पहुंच गए, लेकिन बाद में फिलीपीन सरकार को दिए गए उन्नत अमेरिकी हथियारों के संयोजन और करिश्माई फिलीपीन के राष्ट्रपति रेमन मैग्सेसे के तहत प्रशासनिक सुधारों के संयोजन से हार गए।

E-FAST- नीति आयोग, WRI द्वारा लॉन्च किया गया भारत का पहला राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक फ्रेट प्लेटफॉर्म

नीति आयोग और विश्व संसाधन संस्थान (डब्ल्यूआरआई) ने भारत का पहला राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक फ्रेट प्लेटफॉर्म- ई-फास्ट इंडिया (सस्टेनेबल ट्रांसपोर्ट-इंडिया के लिए इलेक्ट्रिक फ्रेट एक्सेलेरेटर) लॉन्च किया। नेशनल इलेक्ट्रिक फ्रेट प्लेटफॉर्म विश्व आर्थिक मंच, CALSTART, और RMI इंडिया के समर्थन से विभिन्न हितधारकों को एक साथ लाता है।

नीरज चोपड़ा 2022 ज्यूरिख डायमंड लीग जीतने वाले पहले भारतीय बने

- स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी, नीरज चोपड़ा 88.44 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्विट्जरलैंड में प्रतिष्ठित ज्यूरिख डायमंड लीग फाइनल 2022 जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।
- जबकि, ओलंपिक रजत पदक विजेता, चेक गणराज्य के जैकब वाडलेज 86.94 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे।
- जर्मनी के जूलियन वेबर 83.73 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे।
- उन्हें हंगरी में 2023 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए 30,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि और वाइल्ड कार्ड से भी सम्मानित किया गया।

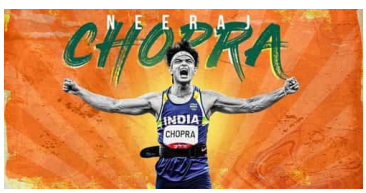

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान की शुरुआत

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि जनभागीदारी देश से तपेदिक को खत्म करने की कुंजी है। राष्ट्रपति 2025 तक देश से टीबी उन्मूलन के मिशन को फिर से जीवंत करने के लिए प्रधान मंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान को वस्तुतः शुरू करने के बाद बोल रहे थे।

- आयोजन के दौरान, राष्ट्रपति मुर्मू ने नि-क्षय 2.0 पहल की भी शुरुआत की, जो एक पोर्टल है जो दाताओं को टीबी उपचार से गुजरने वालों को विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।
- उन्होंने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी आयुष्मान योजना के तहत वेलनेस सेंटरों को क्षय रोग के खात्मे की दिशा में विशेष रूप से तैयार किया गया है।
- टीबी के खिलाफ लड़ने के लिए न्यू इंडिया की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि कोविड-19 के प्रति भारत की प्रतिक्रिया इस मामले पर भारत की गंभीरता का प्रमाण है। उन्होंने उद्देश्य की सफलता में जन प्रतिनिधियों की भूमिका के महत्व पर जोर दिया।
- इलाज से बेहतर रोकथाम की उक्ति को याद करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि टीबी रोकथाम कार्यक्रम जल्द शुरू किया जाएगा। उन्होंने लोगों से कहा कि वे किसी भी तरह का अवरोध महसूस न करें और तपेदिक का जल्द पता लगाने और उसे खत्म करने में मदद के लिए आगे आएं।
- राष्ट्रपति ने कहा कि लोगों को आसानी से जानकारी उपलब्ध कराने के लिए नए पोर्टल निक्षय 2.0 को अपग्रेड किया गया है।

यूपी सरकार किसानों को आधार नंबर के समान एक अद्वितीय फार्म आईडी प्रदान करेगी

- उत्तर प्रदेश सरकार किसानों को आधार संख्या के समान एक अद्वितीय फार्म आईडी प्रदान करेगी, जिसे आधार से जोड़ा जाएगा ताकि उन्हें सभी सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। आने वाले दिनों में इस योजना को लागू करने के लिए आधार सत्यापन का उपयोग किया जाएगा।

- मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने आधार के उपयोग को और अधिक सरल बनाने के लिए हाल ही में की गई पहल के बारे में एक कार्यशाला में बोलते हुए कहा कि आधार की मदद से यूपी सरकार ने अधिक से अधिक लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिया है।
- उन्होंने कहा कि आधार सत्यापन के इस्तेमाल से सरकार ने लगभग 8400 करोड़ रुपये की बचत की है। आधार कार्ड सत्यापन के माध्यम से लगभग एक करोड़ 92 लाख स्कूली बच्चों को भी विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल रहा है।
- श्री मिश्रा ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार बहुत जल्द फैमिली आईडी देना शुरू करेगी क्योंकि वह पहले से ही इस योजना पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार उन परिवारों को इस योजना के दायरे में लाएगी जिन्हें अभी तक किसी भी प्रकार का लाभ नहीं मिल रहा है।
- भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सौरभ गर्ग ने कहा कि आधार की विश्वसनीयता पर दुनिया भर में चर्चा हो रही है और कई अफ्रीकी देश भी आधार प्रणाली को लागू करना चाहते हैं।

राष्ट्रीय अभियंता दिवस :15 सितंबर

- मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की उपलब्धियों को मान्यता देने और श्रद्धांजलि देने के लिए हर साल 15 सितंबर को राष्ट्रीय अभियंता दिवस मनाया जाता है।
- **कौन थे सर एम विश्वेश्वरैया?**
- · सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया का जन्म 15 सितंबर , कर्नाटक में को 1861 हुआ था।
- · उन्हें मैसूर साबुन फैक्ट्री, बैंगलोर कृषि विश्वविद्यालय, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर, मैसूर आयरन एंड स्टील वर्क्स, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज और कई अन्य उद्योगों की स्थापना के लिए जाना जाता है।

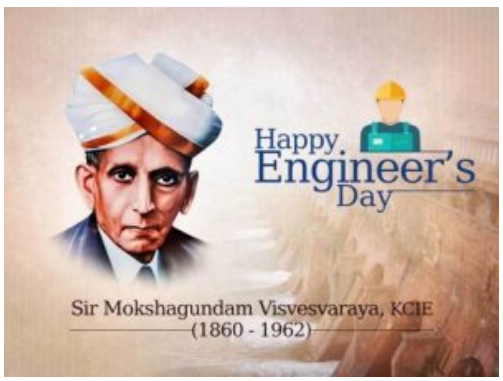

- · वह भारत रत्न के (नागरिक पुरस्कारभारत का सर्वोच्च) प्राप्तकर्ता थे और उन्हें ब्रिटिश भारतीय साम्राज्य के नाइट कमांडर के रूप में मान्यता दी गई थी।
- · उन्होंने तक मैसूर के दीवान के रूप में कार्य किया। 1918 से 1912
- · उन्हें ब्लॉक सिस्टम के निर्माण का श्रेय दिया जाता है।
- · उन्होंने भंडारण क्षमता बढ़ाने के लिए पुणे के पास एक जलाशय में पानी के फ्लडगेट के साथ एक सिंचाई प्रणाली का पेटेंट और स्थापना की।
- · इस सिंचाई प्रणाली को बाद में खड़कवासला जलाशय के साथसाथ ग्वालियर में - शय बांध में स्थापित कतिगरा बांध और मैसूर में कृष्णराज सागर जलाि या गया था।
- · सर एम विश्वेश्वरैया को के रूप में भी जाना "भारत में आर्थिक नियोजन के अग्रदूत" जाता है।
- · उन्होंने प्लान्ड " और "रिकंस्ट्रक्टिंग इंडिया" - में क्रमशः दो पुस्तकें 1934 और 1920 ।प्रकाशित कीं "इकोनॉमी ऑफ इंडिया
- · वर्ष 1962में उनका निधन हो गया।

- **<u>दिन का महत्व</u>**
- राष्ट्रीय अभियंता दिवस भारत में सभी इंजीनियरों को मान्यता देता है और देश के विकास में उनके योगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। वर्तमान में भारत में इंजीनियरों की संख्या दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। इस दिन को भारत, श्रीलंका और तंजानिया में मनाया जाता है। यह सर एम विश्वेश्वरैया द्वारा किए गए योगदान का सम्मान करता है।

भारत भेदभाव रिपोर्ट :2022ऑक्सफैम इंडिया

- · रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि पुरुषों के समान शैक्षिक योग्यता और कार्य अनुभव के बावजूद भारत में महिलाओं को सामाजिक और नियोक्ताओं के पूर्वाग्रहों के कारण श्रम बाजार में भेदभाव किया जाएगा।
- · रिपोर्ट के निष्कर्ष तक रोजगा 20-2019 से 05-2004र और श्रम पर सरकार के आंकड़ों पर आधारित हैं। रिपोर्ट के प्रमुख निष्कर्ष लिंग भेदभाव पुरुषों और महिलाओं के बीच रोजगार के अंतर का %98हिस्सा है।
- · पुरुषों और महिलाओं की कमाई में %93अंतर भेदभाव के कारण होता है। वेतनभोगी महिलाओं के लिए कम मजदूरी भेदभावऔर (%67) की कमी के कारण है। (%33) शिक्षा और कार्य अनुभव
- · स्व5 एसटी की तुलना में/एससी-एसटी गैर/जित एससीनियो-, %41 रुपये कम कमाते हैं और भेदभाव इस अंतर का 000है।
- · महिला कैजुअल वर्कर्स अपने पुरुष समकक्षों की तुलना में लगभग 3, रुपये कम 000कमाती हैं। सिफारिशें कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करती हैं, जिसमें वेतन में वृद्धि, अपस्किलिंग, नौकरी आरक्षण और मातृत्व के बाद काम पर लौटने के आसान विकल्प शामिल हैं।
- · सभी महिलाओं के लिए समान मजदूरी और काम की सुरक्षा के लिए उपाय लागू करें।
- · महिलाओं और पुरुषों के बीच घरेलू काम और चाइल्डकैअर कर्तव्यों का अधिक न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित करने के लिए काम करें।
- · न्यूनतम मजदूरी के विपरीत लागू करें "जीवित मजदूरी", विशेष रूप से सभी अनौपचारिक श्रमिकों के लिए, और जितना संभव हो सके संविदात्मक, अस्थायी और आकस्मिक श्रम को औपचारिक रूप दें।

स्वास्थ्य मंत्री डॉमनसुख मंडाविया रक्तदान अमृत महोत्सव का शुभारंभ करेंगे .

- केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर मनसुख मांडविया इस वर्ष अक्टूबर तक स्वैच्छिक रक् तदान के लिए एक राष 1 सितम्बर से 17ट्रव्यापी मेगा अभियान राष्तन अमृत महोत् सव का शुभारंभ करेंगे। यह विशेष अभियान आजादी का अमृत महोत्सव का एक हिस्सा है।
- ईअक्टूबर को राष्ट्रीय स्वैच्छिक 1 रक्तकोष पोर्टल और आरोग्य सेतु ऐप पर रक्तदान अमृत महोत्सव के लिए पंजीकरण शुरू हो गए हैं।- रक्तदान दिवसके रूप में मनाया जाता है।

बधिर लोगों का अंतर्राष्ट्रीय सप्ताह 2022 सितंबर 19 से 25 :2022

हर सालके रूप में मनाया (आईडब्ल्यूडी) सितंबर के आखिरी रविवार को समाप्त होने वाले पूरे सप्ताह को बधिरों के अंतर्राष्ट्रीय सप्ताह , सितंबर 19IWD ,में 2022 जाता है। से सभी " विषय अंतर्राष्ट्रीय बधिर लोगों के सप्ताह का 2022 तक मनाया जा रहा है। 2022 सितंबर 25

,में रोम 1958 की एक पहल है और इसे पहली बार (WFD) है। यह वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ द डेफ "के लिए समावेशी समुदायों का निर्माण इटली में उस महीने के उपलक्ष्य में लॉन्च किया गया था जब की पहली विश्व कांग्रेस आयोजित की गई थी। WFD

दैनिक विषय:

:2022 सितंबर 19 सोमवार •शिक्षा में सांकेतिक भाषा

:2022 सितंबर 20 मंगलवार •बधिर लोगों के लिए सतत आर्थिक अवसर

:2022 सितंबर 21 बुधवार •सभी के लिए स्वास्थ्य

:2022 सितंबर 22 गुरुवार •संकट के समय में बधिरों की सुरक्षा करना

:2022 सितंबर 23 शुक्रवार •सांकेतिक भाषाएं हमें एकजुट करें!

:2022 सितंबर 24 शनिवार •अंतर्विभागीय बधिर समुदाय

:2022 सितंबर 25 रविवार •कल के लिए बहरा नेतृत्व

WORLD FEDERATION OF THE DEAF

बधिरों का अंतर्राष्ट्रीय सप्ताहइतिहास :

संयुक्त ,को 2017 दिसंबर 19राष्ट्र महासभा ने घोषित किया। वर्ल्ड के रूप में (IDSL) सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस 23 संयुक्त राष्ट्र में एंटीगुआ और बारबुडा के स्थायी मिशन के माध्यम से ,के एक मूल अनुरोध के बाद (डब्ल्यूएफडी) फेडरेशन ऑफ डेफ प्रस्ताव प्रस्तावित किया गया था।कनाडा सहित संयुक्त राष्ट्र के अपनाने के लिए प्रायोजक के रूप में प्रस्ताव को-सदस्य देशों ने सह 97 का उद्देश्य सांकेतिक भाषाओं के IDSL की स्थापना की तारीख को याद करता है। WFD में 1951 सितंबर का चुनाव 23 मतदान किया। बारे में जागरूकता बढ़ाना और उनकी सांकेतिक भाषाओं की स्थिति को मजबूत करना है।

आईडीएसएल सितंबर के अंतिम पूर्ण सप्ताह को अंतर्राष्ट्रीय बधिर सप्ताह के हिस्से के रूप में होता है (आईडब्ल्यूडीएएफ), जिसे में 1958 डब्ल्यूएफडी द्वारा मान्यता दी गई थी और मनाया गया था। आईडब्ल्यूडीफ कनाडा और दुनिया भर में संबंधित बधिर समुदायों द्वारा विभिन्न यों में परिवारोंगतिविधियों के माध्यम से मनाया जाता है। इन गतिविधि, साथियों, सरकारी निकायों, पेशेवर सांकेतिक भाषा दुभाषियों और विकलांग व्यक्ति संगठनों सहित विभिन्न हितधारकों की भागीदारी और भागीदारी की आवश्यकता होती है। (डीपीओ)

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह भारत का पहला स्वच्छ सुजल प्रदेश बना

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री **गजेंद्र सिंह शेखावत** ने **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह** को भारत का पहला **स्वच्छ सुजल प्रदेश घोषित किया।** इस उपलब्धि के साथ, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के सभी गांवों को हर घर जल प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है और उन्हें ओडीएफ प्लस खुले में शौच मुक्त के रूप में सत्यापित किया गया है। सुरक्षित पेयजल आपूर्ति और इसका प्रबंधन सुजल और स्वच्छ का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

सुजल और स्वच्छ राज्य के तीन महत्वपूर्ण घटक हैं:

)i) सुरक्षित और सुरक्षित पेयजल आपूर्ति और प्रबंधन;

)ii) ओडीएफ प्लस ओडीएफ स्थायित्व और ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन और (एसएलडब्ल्यूएम)

)iii) अभिसरण, आईईसी, कार्य योजना आदि जैसे क्रॉसकटिंग हस्तक्षेप-

प्रमुख बिंदु:

- अंडमान और निकोबार द्वीप पर गांवों में फैले 266 ब्लॉकों में 9 तीन जिलों के ,

558 ,स्कूलों 368 ग्रामीण परिवार हैं। केंद्र शासित प्रदेश ने सभी 62,000आंगनवाड़ी केंद्रों और 292सार्वजनिक संस्थान केंद्रों को पाइप से पानी की आपूर्ति की है।

- अंडमान और निकोबार द्वीप जो मुख्य भूमि से दूर स्थित हैभारत के बाकी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए प्रेरणा का स्रोत , बन गया है।
- विश्व जल दिवस 22 ,मार्च अंडमान और निकोबार द्वीप ,को 2021समूह ने ग्रामीण घरों में नल के पानी के कनेक्शन के साथ %100कवरेज हासिल करने की घोषणा की। यह गोवा और तेलंगाना के बाद ग्रामीण घरों में नल के पानी की आपूर्ति के साथ %100कवरेज हासिल करने वाला देश का तीसरा राज्य शासित प्रदेश बन गया। केंद्र /
- अंडमान और निकोबार द्वीप एडमिरल डी के जोशी। :उपराज्यपाल (यूटी)

वाराणसी को 2022-2023 के लिए पहली बार एससीओ पर्यटन और सांस्कृतिक राजधानी के रूप में नामित किया गया

समरकंद में एससीओ परिषद की 22वीं बैठक में 2022-2023 के दौरान वाराणसी शहर को पहली सांस्कृतिक और पर्यटन राजधानी के रूप में नामित किया गया है। समरकंद में एससीओ परिषद की 22वीं बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। शंघाई सहयोग संगठन 2022 कोविड -19 महामारी के बाद क्षेत्रीय समूह की पहली व्यक्तिगत बैठक थी जिसमें प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भाग लिया था।

वाराणसी से संबंधित प्रमुख बिंदु

- पहली एससीओ पर्यटन और सांस्कृतिक राजधानी के रूप में नामित होने के बाद वाराणसी को भारत और एससीओ सदस्य देशों के बीच पर्यटन और सांस्कृतिक और मानवीय आदानप्रदान को बढ़ावा मिलेगा।-
- यह एससीओ के सदस्य देशों के साथ भारत के प्राचीन सभ्यतागत संबंधों पर जोर देगा।
- के दौरान वाराणसी में एक प्रमुख सांस्कृतिक आउटरीच कार्यक्रम की रूपरेखा के तहत विभिन्न कार्यक्रम भी 2023-2032 आयोजित किए जाएंगे।
- संस्कृति के दौरान एससीओ सदस्य राज्य से भाग लेने के लिए कई मेहमानों को आमंत्रित किया जाएगा।
- वाराणसी के बारे में
- वाराणसी को बनारस या काशी के नाम से भी जाना जाता है। यह दुनिया के सबसे पुराने शहरों में से एक है। यह शहर हिंदू पौराणिक कथाओं और इतिहास के लिए जाना जाता है। यह शहर अध्यात्मवादसंस्कृति और ,हिंदू पौराणिक कथाओं ,योग , त भाषा से जुड़ा हुआ है।संस्कृ

गुजराती फिल्म छेलो शो ऑस्कर के लिए भारत की प्रविष्टि है 2023

- छेलो शो (लास्ट फिल्म शो) को 95 वें अकादमी पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी में भारत के सबमिशन के रूप में चुना गया है।
- · 2023 ऑस्कर के लिए छेलो शो के भारत की प्रविष्टि होने के बारे में बात करते हुए, **निर्देशक पैन नलिन** ने एक बयान में कहा, "मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा दिन आएगा और प्रकाश और प्रकाश का जश्न लाएगा। छेलो शो दुनिया भर से प्यार का आनंद

ले रहा है लेकिन मेरे दिल में एक दर्द था कि मैं भारत को इसे कैसे खोजूं? अब मैं फिर से सांस ले सकता हूं और सिनेमा में विश्वास कर सकता हूं जो मनोरंजन, प्रेरणा और प्रबुद्ध करता है! धन्यवाद एफएफआई, धन्यवाद जूरी।

- · 14 अक्टूबर, 2022 को सिनेमाघरों में हिट होने के लिए तैयार गुजराती फिल्म युवा समय के 35 मिमी के सपने का पीछा करती है। फिल्म में भाविन रबारी, भावेश श्रीमाली, ऋचा मीणा, दीपेन रावल और परेश मेहता हैं। इसका प्रीमियर 2021 में ट्रिबेका फिल्म फेस्टिवल में हुआ था।

विश्व अल्जाइमर दिवस 2022

-
- · विश्व अल्जाइमर दिवस आज यानी सितंबर 21 को मनाया जा रहा है।
- · अल्जाइमर रोग मनोभ्रंश का सबसे आम रूप है। यह एक प्रगतिशील मस्तिष्क रोग है जिसके परिणामस्वरूप स्मृति और सोच कौशल की हानि होती है। यह मस्तिष्क की कोशिकाओं को नष्ट कर देता है जो स्मृति हानि, स्मृति परिवर्तन, अनियमित व्यवहार और शरीर के कार्यों के नुकसान का कारण बनता है।
- · इस साल विश्व अल्जाइमर माह मनोभ्रंश को जानें - की थीम है 2022, अल्जाइमर को जानें।

विश्व पर्यटन दिवस 27 सितंबर 2022को मनाया जाता है

- विश्व पर्यटन दिवस 2022 विश्व स्तर पर 27 सितंबर को मनाया जाता है। यह दिन दुनिया के विभिन्न हिस्सों में पर्यटन को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए हर साल मनाया जाता है।
- गलती !हाइपरलिंक संदर्भ मान्य नहीं है।
- विश्व पर्यटन दिवस 2022 विश्व स्तर पर 27 सितंबर को मनाया जाता है। यह दिन दुनिया के विभिन्न हिस्सों में पर्यटन को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए हर साल मनाया जाता है। इसकी शुरुआत संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO) द्वारा की गई थी। यह पर्यटन को बढ़ावा देने और इसके महत्व को समझने के लिए मनाया जाता है। विश्व पर्यटन दिवस का उद्देश्य लोगों को दुनिया की खोज के आनंद को समझाना है। यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटना है।
- बैंक महा पैक में लाइव बैच ,टेस्ट सीरीज ,वीडियो लेक्चर और ई-बुक्स शामिल हैं

- विषयसूची
- •विश्व पर्यटन दिवस :2022 थीम
- •विश्व पर्यटन दिवस :2022 महत्व
- •विश्व पर्यटन दिवस :इतिहास
- **विश्व पर्यटन दिवस :2022 थीम**
- विश्व पर्यटन दिवस 2022 का विषय' पर्यटन पर पुनर्विचार 'है। हर कोई 19-COVID महामारी के बाद पर्यटन क्षेत्र के विकास को समझने और पर्यटन की समीक्षा और पुनर्विकास करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।
- **विश्व पर्यटन दिवस :2022 महत्व**
- विश्व पर्यटन दिवस का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के सामाजिक ,राजनीतिक ,आर्थिक और सांस्कृतिक मूल्यों को प्रभावित करने में पर्यटन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि पर्यटन किसी देश की अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने और उसकी छवि को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विश्व पर्यटन दिवस महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पर्यटन के लाभों को बढ़ावा देने में मदद करता है। इस आयोजन का नेतृत्व बाली के पर्यटन क्षेत्र के प्रतिनिधि करेंगे। इस आयोजन में यूएनडब्ल्यूटीओ राज्यों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाएगा।
- **विश्व पर्यटन दिवस :इतिहास**
- विश्व पर्यटन संगठन) यूएनडब्ल्यूटीओ (ने 1979 में विश्व पर्यटन दिवस की शुरुआत की। उसी के लिए समारोह आधिकारिक तौर पर 1980 में शुरू हुआ। यह हर साल 27 सितंबर को मनाया जाता है क्योंकि यह तारीख यूएनडब्ल्यूटीओ की विधियों को अपनाने

की वर्षगांठ का प्रतीक है। 1997 में UNWTO ,ने फैसला किया कि हर साल विभिन्न मेजबान देशों में यह दिवस मनाया जाएगा। विश्व पर्यटन दिवस का प्रारंभिक स्मरणोत्सव एक केंद्रीय विषय के साथ समग्र रूप से पर्यटन को बढ़ावा देने पर केंद्रित था।

- सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण तथ्य:
- •विश्व पर्यटन संगठन की स्थापना;1946 :
- •विश्व पर्यटन संगठन का मुख्यालय :मैड्रिड ,स्पेन;
- •विश्व पर्यटन संगठन के महासचिव ;जुराब पोलोलिकाश्विली।

RACE IAS

RACE IAS®
Since 2010

DLP
(Distance Learning Programme)

'Now Distance is no more Distant'

RACE IAS is pleased to introduce the revised and updated study material for UPSC Civil Services & Other State PCS Examination

Buy Now at

www.raceias.com >>
RACE Store

or

RACE IAS
Mobile App

Available in HINDI & ENGLISH

Call 7388114444
or Visit our Centre

Also Available on snapdeal Flipkart